ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष नवमी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

शनिवार, 1 जून 2024
वर्ष 2, अंक 281, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

होम रन नहीं, चौके-छक्कों की होगी बारिश 2

केडी द डेविल्स की शूटिंग शिल्पा ने की पूरी 16

ध्यान-साधना में लीन प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को ध्यान साधना के दूसरे दिन तमिलनाडु के कन्याकुमारी स्थित विवेकानंद रॉक मेमोरियल में सूर्योदय के दौरान सूर्य अर्घ्य दिया। भगवा कुर्ता, शॉल और धोती पहने हुए ध्यान मंडपम में ध्यान में वह लीन दिखाई दिए। प्रधानमंत्री ने 30 मई की शाम को ध्यान लगाना शुरू किया और एक जून की शाम तक ध्यान करेंगे। प्रधानमंत्री ने वर्षी 2019 में लोकसभा चुनाव में प्रचार के बाद केदारनाथ गुफा में भी इसी तरह ध्यान लगाया था। एजेंसी

देश को तानाशाही से बचाने के लिए जा रहा हूं जेल : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत 1 जून को खत्म हो रही है। इससे पहले उन्होंने शुक्रवार को वीडियो जारी कर केंद्र सरकार और जेल अधिकारियों पर खुद को प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा- देश को तानाशाही से बचाने के लिए जेल जा रहा हूं। मैं रविवार को 3 बजे बजे सरेंडर करूंगा। इस बार मेरे प्राण चले जाएं तो गम मत करना। जेल में मुझे प्रताड़ित करने की फिर कोशिश होगी।

जीडीपी ग्रोथ 8.2, तिमाही विकास दर 7.8% हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर जनवरी-मार्च के दौरान पिछली चार तिमाहियों में सबसे कम 7.8 प्रतिशत रही। इसके बावजूद वित्तिम निर्माण क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन से वित्त वर्ष 2023-24 में वार्षिक वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने शुक्रवार को देश की अर्थव्यवस्था से संबंधित ये आंकड़े जारी किए। वित्त वर्ष 2022-23 में देश की अर्थव्यवस्था सात प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। एनएसओ ने कहा वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान वास्तविक जीडीपी में वृद्धि की दर 8.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि 2022-23 में यह सात प्रतिशत थी। इस तेजी के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था मार्च, 2024 के अंत में 3.5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच गई और अगले कुछ वर्षों में इसके पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने का मंच तैयार हो चुका है। आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2024 में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही जबकि वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रही थी। इस तेजी के साथ भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है।

चीन की अर्थव्यवस्था इस साल जनवरी-मार्च के दौरान 5.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी। एनएसओ ने फरवरी में जारी अपने दूसरे अग्रिम अनुमान में 2023-24 के लिए जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रहने की संभावना जताई थी। एनएसओ के आंकड़ों के मुताबिक, वास्तविक जीडीपी यानी स्थिर कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद 2023-24 में 173.82 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच जाने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए जीडीपी का पहला संशोधित अनुमान 160.71 लाख करोड़ रुपये है।

- अर्थव्यवस्था को मिली मजबूती विनिर्माण क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन

चौथी तिमाही में खनन क्षेत्र की जीवीए वृद्धि 4.3 % रही

चौथी तिमाही में खनन क्षेत्र की जीवीए वृद्धि 4.3 प्रतिशत रही जो एक साल पहले की समान तिमाही में 2.9 प्रतिशत थी। निर्माण क्षेत्र में तिमाही के दौरान 8.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 2022-23 की इसी अवधि में 7.4 प्रतिशत थी। सेवा क्षेत्र- व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं में जीवीए वृद्धि दर चौथी तिमाही में 5.1 प्रतिशत रही, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह सात प्रतिशत थी।

एक नजर

डीजीसीए ने एयर इंडिया को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। डीजीसीए ने उड़ानों में अत्यधिक देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए शुक्रवार को एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में 30 मई को दिल्ली से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 183 और 24 मई को मुंबई से सैन फ्रांसिस्को की उड़ान एआई 179 के परिचालन में हुए अनावश्यक विलंब का जिक्र करते हुए जवाब मांगा है। नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उड़ानों में देरी और यात्रियों को हुई असुविधा के इस मामले का संज्ञान लिया है।

निमहांस को डब्ल्यूएचओ का पुरस्कार

नई दिल्ली। डब्ल्यूएचओ ने वर्ष 2024 के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के बेंगलुरु में राष्ट्रीय महत्व के संस्थान राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निमहांस) को स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं की श्रेणी में नेल्सन मंडेला पुरस्कार से सम्मानित किया है। मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि डब्ल्यूएचओ का यह पुरस्कार स्वास्थ्य सेवा और सुविधा के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों, संस्थानों और सरकारी या गैर-सरकारी संगठनों को प्रदान किया जाता है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने इस पुरस्कार से सम्मानित होने पर निमहांस को बधाई दी।

15 मतदान कर्मी समेत 77 की मौत

प्रचंड गर्मी का कहर : जनजीवन अस्त-व्यस्त, मुख्यमंत्री ने दिए सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जानलेवा गर्मी लगातार कहर बरपा रही है। नौतपा का उग्र रूप जनजीवन अस्त-व्यस्त करने पर अमादा दिख रहा है। शुक्रवार को मिर्जापुर में लोकसभा चुनाव के लिए ड्यूटी पर तैनात 13 व सोनभद्र में तैनात 2 चुनाव कर्मियों समेत अलग-अलग जिलों में 77 लोगों की आकस्मिक मृत्यु हो गई।

मिर्जापुर में लोस चुनाव के लिए ड्यूटी पर तैनात 13 चुनाव कर्मियों की शुक्रवार को तेज बुखार और उच्च रक्तचाप की शिकायत के बाद मेडिकल कॉलेज में मौत हो गयी। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य के मुताबिक, इन सभी कर्मियों की मौत के सटीक कारण का पता अभी नहीं चल सका है। मिर्जापुर स्थित मां विंध्यवासिनी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजबहादुर कमल ने न्यूज एजेंसी को बताया कि मृतकों में सात होमगार्ड जवान, तीन सफाई कर्मचारी, सीएमओ कार्यालय में तैनात एक लिपिक, एक चकबंदी अधिकारी और होमगार्ड टीम का एक चपरासी शामिल है।

वहीं, हमीरपुर में 12, बांदा में सात, महोबा में सात, चित्रकूट में एक, फतेहपुर में दो, कन्नौज में एक की मौत हो गई। राजस्थान निवासी 45 वर्षीय ट्रक चालक तेजा राम की इटावा के इकदिल के पास हाईवे पर लू लगने से मौत हो गई। कानपुर नगर में शुक्रवार को आठ शव अलग-अलग स्थानों पर मिले। इनमें से एक भी शिनाख्त नहीं हो सकी। कानपुर देहात में एक व्यक्ति की मौत हुई। बहराइच में चार, अमेठी में दो, अयोध्या में तीन, बाराबंकी में दो, रायबरेली में एक, हरदोई में एक, अंबेडकरनगर में एक, प्रतापगढ़ में दस मौतें हुई है।

वाराणसी में लू के बीच एक मतदान अधिकारी वितरण केंद्र पर बेहोश हो गया। ● एजेंसी

- मिर्जापुर में लोकसभा चुनाव के लिए ड्यूटी पर तैनात 13 व सोनभद्र में तैनात 2 चुनाव कर्मियों की मौत

इंसान हों या जानवर, हर स्तर पर हों बचाव के प्रबंध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : गर्मी के जानलेवा मिजाज का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इंसानों के साथ-साथ जीव-जन्तुओं की भी सुरक्षा किए जाने को हर स्तर पर आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राहत आयुक्त कार्यालय से भी उम्मीद की है कि, मौसम पूर्वानुमान का दैनिक बुलेटिन वहां से जारी हो। यहां तक कि गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती न हो।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जारी एक संदेश में कहा कि, आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर मजबूत प्रबंध किए जाएं। उन्होंने कहा कि तेज गर्मी, लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में जरूरत हो तो अतिरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था हो। योगी के मुताबिक, सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

- हीट वेव (लू) की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश
- गांव हो या शहर, न हो अनावश्यक बिजली कटौती

मतदान आज, मोदी व योगी की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली/ लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव का अंतिम चरण मोदी और योगी की भी अग्निपरीक्षा का होगा। हालांकि देशभर के एनडीए प्रत्याशियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी तो वहीं उप्र. के उम्मीदवारों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की साख जुड़ी है। लेकिन चुनाव के इस आखिरी पड़ाव में वाराणसी सीट से खड़े नरेन्द्र मोदी के सामने इस बार जीत की हैट्रिक लगाने का लक्ष्य है तो वहीं योगी आदित्यनाथ के घर की सीट गोरखपुर से भाजपा ने अभिनेता से नेता बने रवि किशन शुक्ला को फिर से मैदान में उतारा है। जहां योगी की भी प्रतिष्ठा मायने रखती है।

शनिवार को आखिरी चरण के मतदान में देश की 57 सीटों पर वोटिंग होगी। उत्तर प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों के साथ सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा। इस दौरान 144 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला मतदाता करेंगे। इस चरण में उप्र. की महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अजा), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व रॉबर्ट्सगंज (अजा) लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है। सातवें चरण के चुनाव में भाजपा नीत राजग के दो घटक दलों अपना दल (एस) और सुभासपा के तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। मिर्जापुर से अपना दल (एस) प्रमुख व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल और राबर्ट्सगंज (सुरक्षित) सीट से रिंकी कोल मैदान में हैं।

मतदान केंद्र जाती पोलिंग पार्टी।

- देश की 57 लोकसभा सीटों पर मतदाता आज डालेंगे वोट
- उप्र. की 13 सीटों पर 144 उम्मीदवार मैदान में

गुप्त तरीके से धन देने के मामले में ट्रंप दोषी करार

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका में 2016 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले पॉर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त तरीके से धन देने के मामले में डोनाल्ड ट्रंप को रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 आरोपों के तहत बृहस्पतिवार को दोषी पाया गया। इसी के साथ वह किसी गंभीर अपराध के लिए दोषी ठहराए गए अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए। ऐसे में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों में शामिल हो एक बार फिर से व्हाइट हाउस पहुंचने की उनकी उम्मीदों की राह में कानूनी चुनौतियां बढ़ती दिख रही हैं। मैनहट्टन के 12 जूरी सदस्यों के एक समूह ने बृहस्पतिवार को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि वे सर्वसम्मति से इस बात पर सहमत हैं कि 77 वर्षीय ट्रंप ने वयस्क फिल्म स्टार डेनियल्स को 130,000 अमेरिकी डॉलर की राशि का भुगतान छिपाने के लिए व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी की।

- दोषी ठहराए जाने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति

प्रज्वल 7 दिन की हिरासत में

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु की एक अदालत ने शुक्रवार को जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता एवं सांसद प्रज्वल रेवन्ना को 6 जून तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते 33 वर्षीय प्रज्वल को शुक्रवार तड़के जर्मनी के म्यूनिख से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था। कई महिलाओं के कथित यौन शोषण के वीडियो सामने आने के बाद हासन से सांसद प्रज्वल जर्मनी चले गए थे।

अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के.एन. शिवकुमार ने रिमांड अर्जी और प्रज्वल के वकील की आपत्ति पर सुनवाई के बाद उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

यौन उत्पीड़न मामला

- जर्मनी से भारत लौटते ही एयरपोर्ट से किया गया था गिरफ्तार

जमानत रद करने का अनुरोध

एसआईटी ने हाईकोर्ट में प्रज्वल के पिता एवं जद (एस) विधायक एचडी रेवन्ना की अपहरण मामले में जमानत रद करने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति कृष्ण दीक्षित की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी। सत्र अदालत ने एचडी रेवन्ना को जमानत दी थी।

भवानी की जमानत अर्जी खारिज

सांसद प्रज्वल रेवन्ना की मां भवानी की अग्रिम जमानत अर्जी एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को खारिज कर दी। भवानी ने मैसुरु जिले के केआर नगर में एक महिला के अपहरण से जुड़े मामले में बुधवार को विशेष अदालत में अग्रिम जमानत अर्जी दायर की थी।

बिभव कुमार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली कोर्ट ने केजरीवाल के सहयोगी बिभव कुमार को शुक्रवार को यह कहते हुए 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है और इसे पूरा करने में समय लगेगा। केजरीवाल के निजी सहायक कुमार ने 13 मई को मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी। मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट गौरव गोयल ने कहा दोनों पक्षों की दलीलों सुनने के बाद उन्हें हिरासत में भेजने का फैसला किया। उन्हें 14 जून को पेश किया जाए।

आंधी-तूफान ने ली 10 की जान

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी/शाहजहांपुर

अमृत विचार: नौतपा की तपिश से बेहाल लोगों के लिए गुरुवार को उठा आंधी तूफान आफत बन गया। तूफान से लखीमपुर में जहां पांच लोगों की मौत हो गई, वहीं शाहजहांपुर में दो बच्चों समेत पांच की गई जान चली गई।

लखीमपुर के थाना निघासन के गांव दरेरी निवासी घनश्याम गिरि पत्नी और बच्चों के साथ रिश्तेदारी में गए थे। वह गुरुवार देर शाम वापस घर जा रहे थे। फूलबेहड़ थाना क्षेत्र में तूफान के दौरान उनकी कार पर विशालकाय पेड़ गिर गया, जिससे कार चला रहे घनश्याम गिरि की मौत हो गई, जबकि पत्नी व दो बच्चे घायल हो गए। फरधान थाना क्षेत्र के गांव लोन पुरवा में पक्की दीवार गिरने से उसके मलबे के नीचे दबकर इंद्रपाल (60) की मौत हुई है। थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव इमलिया में ट्रक पर नीम का पेड़ गिर गया, जिससे उसके नीचे दबने से गांव निवासी विनोद कुमार (35) की मौत हो गई। कोतवाली गोला गोकर्णनाथ के गांव विलासपुर में तूफान के दौरान पक्की दीवार भरभराकर ढह गई, जिसके उसके नीचे दबकर फूलमती (75) पत्नी शिवराम की मौत हो गई। हैदराबाद क्षेत्र के गांव बेलवा में दीवार में दबकर 36 वर्षीय विकास कुमार की जान चली गई। थाना नीमगांव क्षेत्र के गांव रोशन नगर में एक मकान गिरने से उसके मलबे में दबकर फखरुद्दीन (35), उनकी पत्नी नसीम बानो (30), पुत्र सलमान (5) और छह माह का अरमान गंभीर रूप से घायल हो दया। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लखीमपुर की शास्त्रीनगर कालोनी में कार पर गिरा खंबा।

- लखीमपुर में पांच की मौत तो शाहजहांपुर में दो बच्चों समेत पांच की गई जान

नैक मूल्यांकन में नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय को ए ++ ग्रेड

संवाददाता, अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज ने नया इतिहास रच दिया। नेशनल असेसमेंट एंड एक्रीडिटेशन काउंसिल (नैक) के मूल्यांकन में ए ++ ग्रेड पाने वाला यह देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। ग्रेड की जानकारी के बाद विश्वविद्यालय और इससे जुड़े महाविद्यालयों में जश्न का माहौल शुरू हो गया।

ग्रेड मूल्यांकन के लिए आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवम प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज ने कड़ी मेहनत की। हर पहलू को बेहतर किया गया। ग्रेड के लिए मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की छह सदस्यीय टीम ने दो चरणों में यहां का दौरा किया। 22-24 अप्रैल और 27 से 29 मई को कृषि विवि और कृषि महाविद्यालयों में परीक्षण किया। हर स्तर पर इसका मूल्यांकन किया। टीम कृषि महाविद्यालय कोटवा आजमगढ तक पहुंची थी। इसके बाद शुक्रवार को कृषि विश्वविद्यालय को ए ++ ग्रेड मिलने की घोषणा की गई। इसकी सूचना मिलने के बाद विश्वविद्यायालय में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों में खुशी की लहर दौड़ गई। प्रदेश की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी ने कृषि विवि के कुलपति को बधाई दी। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने इस सफलता का श्रेय कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित अन्य अफसरों को दिया है। कहा कि नैक की तैयारी में प्रदेश की कुलाधिपति के मार्गदर्शन से यह अवसर आया है। सफलता में पूरे विश्वविद्यालय परिवार की परिश्रम और मेहनत शामिल है।

- ग्रेड की जानकारी के बाद विश्वविद्यालय और इससे जुड़े महाविद्यालयों में जश्न का माहौल

अब ऑनलाइन गवाही, न्यायालय जाने की जरूरत नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार : एक जुलाई से न्यायिक प्रक्रिया में देशभर में नई व्यवस्था लागू होने जा रही है जिसके तहत अब गवाहों को बयान दर्ज कराने के लिए कोर्ट जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

गवाह किसी भी शहर, जिले, प्रदेश में हो, वह वहीं से वीडियो कांफ्रेंसिंग बूथ के जरिये गवाही दे सकेगा। इसके लिए प्रत्येक जिले में वीडियो कांफ्रेंसिग बूथ बनाए जाएंगे। हालांकि कानपुर में यह सुविधा पहले से ही शुरू हो चुकी है। अभी तक यह व्यवस्था नियमावली के तहत हो रही थी, अब नई संहिता में इसको विधिक उपबंध के रूप में स्थापित किया गया है, जो एक जुलाई लागू होगा। अभी तक साक्षियों को कोर्ट में हाजिर होना पड़ता है। कई बार गवाह, वादकारी मजबूरीवश पेश नहीं हो पाते। इसके अलावा बयान देने के लिए लोग काम-धंधा छोड़ कर एक शहर से दूसरे शहर के चक्कर काटते थे, जिस कारण न्यायिक प्रक्रिया में भी देरी होती थी। एक जुलाई से लागू होने वाली भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में यह व्यवस्था की गई है कि आप अपने शहर में वीडियो कांफ्रेंसिग बूथ में बैठकर ही गवाही दे सकते हैं। प्रत्येक जिले में वीडियो कांफ्रेंसिंग बूथ बनाए जाएंगे। हालांकि कानपुर में वर्ष 2021-22 में ही ऑनलाइन गवाही शुरु करा दी गई थी। कानपुर में एडीसीपी मनीष सोनकर को इस व्यवस्था का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में इसे विधिक उपबंध के रूप में स्थापित किया गया

एक जुलाई से न्यायिक प्रक्रिया में देशभर में नई व्यवस्था लागू होने जा रही

इस तरह उठाएं सुविधा का लाभ

संयुक्त निदेशक (अभियोजन) कुंवर विक्रम सिंह ने बताया कि वीडियो कांफ्रेंसिंग नियमावली 2020 के अनुसार हर जिले में वीडियो कांफ्रेंसिंग बूथ गठित किए जाएंगे, जो न्यायालय परिसर में भी होंगे और जिला मजिस्ट्रेट अथवा जनपदीय पुलिस कार्यालय में भी। बूथ पर कोआर्डिनेटर लेवल का एक अधिकारी होगा, जो यह तय करेगा कि गवाही देने वाला व्यक्ति वही है जिसके लिए समन जारी किया गया है। इसी अधिकारी के माध्यम से साक्षी अन्य जनपद की न्यायालय को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही देने की सूचना भेजेगा।

कोरोना महामारी के दौरान वर्ष 2020 में वीडियो कांफ्रेंसिंग से बयान या पेशी की नियमावली लाई गई थी। अब नई संहिता में इसको विधिक उपबंध के रूप में स्थापित किया गया है, जो एक जुलाई लागू होगा। - कुंवर विक्रम सिंह, संयुक्त निदेशक (अभियोजन)

कुछ इस तरह होगी गवाही

संयुक्त निदेशक (अभियोजन) ने बताया कि गवाह अपने बूथ कोआर्डिनेटर से संपर्क कर वीडियो कांफ्रेंसिंग के संबंध में नियमावली में दिया गया फार्म भरेगा। जिसमें मोबाइल, ईमेल आईडी आदि देगा। यह सब कार्यवाही करने के बाद बूथ कोआर्डिनेटर के माध्यम से कोर्ट को भेजा जाएगा। इसके बाद कोर्ट बयान के लिए तिथि व स्लॉट निर्धारित करेगी। यह सब चीजें गवाह को निर्धारित तिथि से पहले उपलब्ध करा दी जाएंगी।

होम रन नहीं, चौके-छक्कों की होगी बारिश

अमेरिका पहुंचा क्रिकेट, आज से शुरू होगा टी-20 विश्व कप का महासमर, यूएसए और कनाडा के बीच होगा पहला मैच

न्यूयॉर्क, एजेंसी

टी-20 विश्व कप के जरिए क्रिकेट का कारवां बेसबॉल के दीवाने देश अमेरिका में दस्तक देगा तो कई नए सितारे चमकेंगे तो कई बेनूर भी होंगे, कुछ प्रबल दावेदार होंगे तो कुछ छिपे रूस्तम निकलेंगे। आज शुरू हो रहे ताबड़तोड़ क्रिकेट के इस महासमर में पहली बार 20 टीमें जोर आजमाइश करेंगी तो इसकी भव्यता देखने लायक होगी।

भारतीय टीम जहां पिछले काफी समय से आईसीसी खिताब नहीं जीत पाने का मलाल मिटाना चाहेगी तो ऑस्ट्रेलिया एक और खिताब जीतकर अपना दबदबा कायम रखने की फिराक में होगा। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज का लक्ष्य सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का होगा। गत चैंपियन इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की चुनौती भी कमतर नहीं है। दक्षिण अफ्रीका के पास हेनरिच क्लासेन, डेविड मिलर, क्विंटोन डिकॉक और कैगिसो रबाडा जैसे मैच विनर हैं और इसका लक्ष्य चोकर्स का तमगा हटाने का होगा।

इस टूर्नामेंट के जरिए अमेरिका में क्रिकेट का पदार्पण होने जा रहा है जहां 29 दिन के भीतर 55 में से 16 मैच खेले जाएंगे। बाकी 39 मैच वेस्टइंडीज में होंगे जिनमें सुपर आठ चरण के मैच, सेमीफाइनल और फाइनल शामिल है। खिताब के प्रबल दावेदारों के अलावा अफगानिस्तान की चुनौती को भी कमतर नहीं आंका जा सकता जो अपना दिन होने पर कोई भी उलटफेर कर सकती है। जहां तक टीम इंडिया का सवाल है तो सबसे मजबूत टीमों में से एक होने के बावजूद यह 2013 चैंपियंस ट्रॉफी के बाद से कोई आईसीसी खिताब नहीं जीत सकी है। इस बार बतौर कप्तान रोहित की साख भी दाव पर है। रोहित से पहले विराट कोहली भी सबसे सफल टेस्ट कप्तान जरूर रहे लेकिन आईसीसी खिताब नहीं जीत सके।

पिछले 12 महीने में भारतीय टीम दो आईसीसी टूर्नामेंटों में उपविजेता रही और ऑस्ट्रेलिया के हाथों अपनी धरती पर पिछले साल एक दिवसीय विश्व कप का फाइनल हार गई। पिछले दो टी-20 विश्व कप में पुराने ढर्रे पर चलने का उसे खामियाजा भुगतना पड़ा लेकिन इस बार वह गलती दोहराना नहीं चाहेगी। भारत को यहां तीन मैच खेलने हैं जिनमें पाकिस्तान के खिलाफ नौ जून को होने वाला चर्चित मुकाबला शामिल है। भारतीय टीम इसी मैदान पर एक जून को बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी जबकि टूर्नामेंट का पहला मैच पांच जून को आयरलैंड से खेलना है।

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 35 रनों से हराया

पोर्ट ऑफ स्पेन। निकोलस पूरन (75), कप्तान रोवमन पॉवेल (52) और शरफेन रदरफोर्ड (47) रनों की तूफानी पारियों तथा उसके बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत वेस्टइंडीज ने अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया को 35 रनों से हरा दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के निकोलस पूरन ने जॉनसन चार्ल्स के साथ पारी को संभाला और दूसरे विकेट लिए 90 रनों की साझेदारी की। निकोलस पूरन ने 25 गेंद पर सर्वाधिक 75 रन और जॉनसन चार्ल्स ने 31 गेंदों में 40 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 257 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। 258 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया लेकिन वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया के विकेटों को गिराते हुए उनकी रनों की रफ्तार पर लगाम लगाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 222 रन ही बना सकी और 35 रनों से मुकाबला हार गई।

अभ्यास मैच आज, भारतीय टीम के पास खुद को परखने का मौका

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम टी-20 विश्व कप में पांच जून को होने वाले अपने शुरुआती मुकाबले से पहले आज जब बांग्लादेश के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए मैदान पर उतरेगी तो उसके सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल प्रभावी योगदान देकर अपनी जगह पक्की करना चाहेंगे तो वहीं अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज तेज गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह का साथी बनने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विश्व कप के 13 साल के सूखे को खत्म करने के लिए टीम की सबसे बड़ी चुनौती सही संयोजन को ढूंढने की होगी। ऐसे में यह अभ्यास मैच काफी महत्वपूर्ण होगा। विराट कोहली इस मैच के शुरू होने से कुछ समय पहले अमेरिका पहुंचेंगे ऐसे उनके इस मैच को खेलने की संभावना कम है। भारतीय टीम बाकी के सभी 14 खिलाड़ियों को इस मैच में आजमाना चाहेगी क्योंकि इस मुकाबले को आधिकारिक मान्यता नहीं मिली है। यह सभी खिलाड़ियों के लिए लय परखने का अवसर होगा। कप्तान रोहित शर्मा और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को दो ऐसे क्षेत्र है जहां विवेकपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता होगी।

हमें हालात को समझना होगा : रोहित

न्यूयॉर्क। नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की तारीफ करते हुए भारतीय कप्तान रोहित ने कहा कि पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ मैच से पहले उनकी टीम को पिच और हालात के अनुकूल ढलना होगा। अभ्यास मैच इसलिए भी अहम है क्योंकि भारत के मैच स्थानीय समयानुसार सुबह 10 .30 पर शुरू होंगे । रोहित ने कहा हम हालात को समझने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि हम यहां पहले खेले नहीं हैं। हम कोशिश यही करेंगे कि पांच जून को पहले मैच से पूर्व हालात के अनुकूल ढल सकें।

लामिछाने को अमेरिका ने नहीं दिया वीजा

काठमांडू। नेपाल के शीर्ष लेग स्पिनर संदीप लामिछाने टी-20 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि ने अमेरिका ने दूसरी बार उनके वीजा आवेदन को नामंजूर कर दिया। अमेरिका ने पिछले सप्ताह उनका वीजा आवेदन नामंजूर कर दिया था। इसके बाद नेपाल सरकार और नेपाल क्रिकेट संघ ने दोबारा आवेदन किया था। नेपाल क्रिकेट संघ ने बयान ने कहा आवश्यक पहल करने के बावजूद अमेरिकी दूतावास ने राष्ट्रीय खिलाड़ी लामिछाने को वीजा देने में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

ग्रुप ए
भारत
पाकिस्तान
आयरलैंड
कनाडा
यूएसए
ग्रुप बी
इंग्लैंड
ऑस्ट्रेलिया
नामीबिया
स्कॉटलैंड
ओमान
ग्रुप सी
न्यूजीलैंड
वेस्टइंडीज
अफगानिस्तान
युगांडा
पापुआ न्यू गिनी
ग्रुप डी
दक्षिण अफ्रीका
श्रीलंका
बांग्लादेश
नीदरलैंड
नेपाल

टी-20 विश्व कप का कार्यक्रम

दिनांक	मुकाबले	शहर
1 जून	यूएसए बनाम कनाडा	डलास
2 जून	वेस्ट इंडीज बनाम पापुआ न्यू गिनी	गुयाना
	नामीबिया बनाम ओमान	बारबाडोस
3 जून	श्रीलंका बनाम दक्षिण अफ्रीका	न्यूयॉर्क
	अफगानिस्तान बनाम युगांडा	गुयाना
4 जून	इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड	बारबाडोस
	नीदरलैंड बनाम नेपाल	डलास
5 जून	**भारत बनाम आयरलैंड**	**न्यूयॉर्क**
	पापुआ न्यू गिनी बनाम युगांडा	गुयाना
	ऑस्ट्रेलिया बनाम ओमान	बारबाडोस
6 जून	यूएसए बनाम पाकिस्तान	डलास
	नामीबिया बनाम स्कॉटलैंड	बारबाडोस
7 जून	कनाडा बनाम आयरलैंड	न्यूयॉर्क
	न्यूजीलैंड बनाम अफगानिस्तान	गुयाना
	श्रीलंका बनाम बांग्लादेश	डलास
8 जून	नीदरलैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका	न्यूयॉर्क
	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड	बारबाडोस
	वेस्ट इंडीज़ बनाम युगांडा	गुयाना
9 जून	**भारत बनाम पाकिस्तान**	**न्यूयॉर्क**
	ओमान बनाम स्कॉटलैंड	एंटीगुआ
10 जून	दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश	न्यूयॉर्क
11 जून	पाकिस्तान बनाम कनाडा	न्यूयॉर्क
	श्रीलंका बनाम नेपाल	फ्लोरिडा
	ऑस्ट्रेलिया बनाम नामीबिया	एंटीगुआ
12 जून	**यूएसए बनाम भारत**	**न्यूयॉर्क**
	वेस्ट इंडीज़ बनाम न्यूज़ीलैंड	त्रिनिदाद
13 जून	इंग्लैंड बनाम ओमान	एंटीगुआ
	बांग्लादेश बनाम नीदरलैंड	सेंट विंसेंट
	अफगानिस्तान बनाम पापुआ न्यू गिनी	त्रिनिदाद
14 जून	यूएसए बनाम आयरलैंड	फ्लोरिडा
	दक्षिण अफ्रीका बनाम नेपाल	सेंट विंसेंट
	न्यूज़ीलैंड बनाम युगांडा	त्रिनिदाद
15 जून	**भारत बनाम कनाडा**	**फ्लोरिडा**
	नामीबिया बनाम इंग्लैंड	एंटीगुआ
	ऑस्ट्रेलिया बनाम स्कॉटलैंड	सेंट लूसिया
16 जून	पाकिस्तान बनाम आयरलैंड	फ्लोरिडा
	बांग्लादेश बनाम नेपाल	सेंट विंसेंट
	श्रीलंका बनाम नीदरलैंड	सेंट लूसिया
17 जून	न्यूज़ीलैंड बनाम पापुआ न्यू गिनी	त्रिनिदाद
	वेस्ट इंडीज बनाम अफगानिस्तान	सेंट लूसिया
19 जून	ए2 बनाम डी1	एंटीगुआ
	बी1 बनाम सी2	सेंट लूसिया
20 जून	सी1 बनाम ए1	बारबाडोस
	बी2 बनाम डी2	एंटीगुआ
21 जून	बी1 बनाम डी1	सेंट लूसिया
	ए2 बनाम सी2	बारबाडोस
22 जून	ए1 बनाम डी2	एंटीगुआ
	सी1 बनाम बी2	सेंट विंसेंट
23 जून	ए2 बनाम बी1	बारबाडोस
	सी2 बनाम डी1	एंटीगुआ
24 जून	बी2 बनाम ए1	सेंट लूसिया
	सी1 बनाम डी2	सेंट विंसेंट
26 जून	**सेमीफाइनल-1**	गुयाना
27 जून	**सेमीफाइनल-2**	त्रिनिदाद
29 जून	**फाइनल**	**बारबाडोस**

खेल डायरी

नीरज को यूरोप में दो माह की ट्रेनिंग की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा की पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिए यूरोप में 60 दिन की ट्रेनिंग लेने की योजना को मंजूरी दे दी जिसमें उनके साथ कोच क्लॉस बार्टोनिट्ज और फिजियो ईशान मारवाह भी होंगे। खेल मंत्रालय की मिशन ओलंपिक इकाई (एमओसी) ने एशियाड स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट के हंगरी में 10 से 21 जून तक होने वाले अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग शिविर में स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच वेन पैट्रिक लोम्बार्ड को शामिल करने का प्रस्ताव भी स्वीकार कर लिया। वह 29 मई से 28 जुलाई तक यूरोप में अलग अलग स्थानों पर ट्रेनिंग करेंगे। वहीं, पहलवान विनेश छह से नौ जून तक बुडापेस्ट में यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग की दूसरी रैंकिंग सीरीज पोलयाक इमरे एवं वरगा जानोस मेमोरियल में हिस्सा लेंगी। इनके साथ ही एमओसी ने लंबी कूद एथलीट शैली सिंह के यूरोप में ट्रेनिंग शिविर को 23 जून तक बढ़ाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

अदिति अमेरिकी महिला ओपन के पहले दौर में संयुक्त 35वें स्थान पर

लैंकेस्टर (पेंसिल्वेनिया)। मेजर टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कवायद में लगी भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने अमेरिकी महिला ओपन के पहले दौर में तीन ओवर 73 का कार्ड खेला। अदिति पहले दौर के बाद संयुक्त 35वें स्थान पर हैं। पहले दौर में केवल चार खिलाड़ियों ने अंडर पार का स्कोर बनाया। जापान की युका सासो पहले दौर के बाद दो शॉट की बढ़त पर हैं। उनके बाद एमेच्योर एडेला सेर्नोसेक, थाईलैंड की विचानी मीचाई और एंड्रिया ली का नंबर आता है जिन्होंने एक अंडर 69 का स्कोर बनाया। इस भारतीय खिलाड़ी ने अपने दूसरे नौ होल में दूसरे और नौवें होल में बोगी और इस बीच पार चार वाले चौथे होल में डबल बोगी की।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में प्रणव और दिव्या करेंगे भारत की अगुवाई

गांधीनगर। अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा, भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणव आनंद और अंतर्राष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख शनिवार को यहां शुरू होने वाली फिडे विश्व जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में खिताब के बड़े दावेदार होंगे। चौदह जून तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 46 देशों के 230 खिलाड़ी भाग लेंगे जिसमें कई ग्रैंडमास्टर है। गुजरात राज्य शतरंज संघ द्वारा आयोजित की जा रही चैंपियनशिप का उद्देश्य खेल को बढ़ावा देना और युवा प्रतिभाओं को अपनी चमक बिखरने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। सचिव देव पटेल ने कहा यह आयोजन केवल दुनिया भर के युवा शतरंज खिलाड़ियों की अविश्वसनीय प्रतिभा को प्रदर्शन का मौका देगा।

आईबीए से अलग हुआ भारत, विश्व मुक्केबाजी से जुड़ा

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने शुक्रवार को निलंबित आईबीए से नाता तोड़ लिया और ओलंपिक में खेल के भविष्य को लेकर खतरे से निपटने के लिए विश्व मुक्केबाजी से जुड़ गया। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने महीनों पहले चेताया था कि अगर राष्ट्रीय महासंघ अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) से जुड़े रहे तो 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक से इस खेल को हटाया जा सकता है। बीएफआई अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा मुक्केबाजी का ओलंपिक दर्जा बरकरार रहना खेल के लिए जरूरी है लिहाजा हम विश्व मुक्केबाजी से जुड़कर खुश हैं। विश्व मुक्केबाजी का गठन अप्रैल 2023 में किया गया। इसके अध्यक्ष आईबीए अध्यक्ष पद के पूर्व दावेदार बोरिस वान डेर वोर्स्ट हैं। वान डेर वोर्स्ट ने कहा अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण देश है और हम बीएफआई का विश्व मुक्केबाजी परिवार में स्वागत करते हैं। यह बेहद रोमांचक कदम है जिससे एशिया में हमारी मौजूदगी बढ़ेगी।

फ्रेंच ओपन में बारिश, हार से भीगे दिग्गज

- 17 वर्ष की मीरा एंड्रीवा ने विक्टोरिया अजारेंका को हराया
- येलेना ओस्टापेंको को क्लारा टॉसन ने किया पराजित
- गैर वरीयता प्राप्त पीटन स्टर्न्स ने डारिया कसाटकिना को दी मात

पेरिस, एजेंसी

बारिश के कारण देर रात तक चले फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मैचों में कई उलटफेर देखने को मिले जिसमें अमेरिका की गैर वरीयता प्राप्त पीटन स्टर्न्स की 10वीं वरीयता प्राप्त डारिया कसाटकिना पर जीत भी शामिल है। बारिश के कारण लगातार तीसरे दिन खेल प्रभावित रहा तथा आयोजकों को मैच देर रात तक करवाने के लिए प्रत्येक कोर्ट पर दूधिया रोशनी लगानी पड़ी।

स्टर्न्स को अपनी बारी के लिए पूरे दिन इंतजार करना पड़ा लेकिन यह मैच जब रात नौ बजे के बाद शुरू हुआ तो इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने ठंड, नमी और धीमी परिस्थितियों से अच्छी तरह से सामंजस्य बिठाया तथा 17 फोरहैंड विनर्स लगाकर कसाटकिना को 7-5, 6-2 से हराया। पूरे दिन भर में 55 मैच खेले गए जिनमें अंतिम मैच रात एक बजे के बाद समाप्त हुआ। इस मैच में रूस की 17 वर्ष की खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने दो बार की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन और यहां 19वीं वरीयता प्राप्त विक्टोरिया अजारेंका को 6-3, 3-6, 7-5 से हराया। एंड्रीवा का अगला मुकाबला स्टर्न्स से होगा, जिसमें विजेता रहने वाली खिलाड़ी पहली बार फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में पहुंचेगी। महिला वर्ग में जिन अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता देखना पड़ा उनमें 2017 की चैंपियन और यहां नौवीं वरीय येलेना ओस्टापेंको भी शामिल हैं जिन्हें डेनमार्क की क्लारा टॉसन ने 7-6 (4), 4-6, 6-3 से पराजित किया। इस टूर्नामेंट में 11वीं वरीयता प्राप्त डेनियल कोलिन्स सर्बियाई क्वालीफायर ओल्गा डैनिलोविच से 6-7 (3), 7-5, 6-4 से हार गईं जबकि 23वीं वरीय अन्ना कालिंस्काया को बियांका एंड्रीस्कू ने 1-6, 7-5, 6-3 से बाहर का रास्ता दिखाया। पुरुष वर्ग में उलटफेर का शिकार बनने वाले खिलाड़ियों में 25वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसेस टियाफो और 31वें वरीय मारियानो नवोन शामिल हैं। टियाफो को उनके मित्र डेनिस शापोवालोव ने 6-7 (4), 6-4, 6-2, 6-4 ने पराजित किया।

आंद्रे रुबलेव के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाते इटली के माटेओ अर्नाल्डी।

यूक्रेन की दयाना यास्त्रेमस्का के खिलाफ शॉट खेलती अमेरिका की कोको गौफ।

इंग्लैंड ने पाकिस्तान को हराया

ओवल, एजेंसी

फिल सॉल्ट (45) और कप्तान जॉस बटलर (39) रनों की शानदार परियों तथा गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने आखिरी टी-20 में पाकिस्तान को सात विकेट से हराकर चार मैचों की सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली है।

सीरीज के दो मैच बारिश की वजह से रद्द हो गए थे। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान के कप्तान बाबर और रिजवान की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत की, लेकिन पाकिस्तान की पारी 19.5 ओवर में 157 रन पर सिमट गई। 158 रन के जवाब में इंग्लैंड के कप्तान बटलर और फिल सॉल्ट ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 6.2 ओवर में 82 रन जोड़ डाले। जॉनी बेयरस्टो (28) और हैरी ब्रूक (17) रन बनाकर कर नाबाद रहे। इंग्लैंड ने 15.3 ओवर में 158 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया।

पेरिस ओलंपिक में निशांत देव ने पक्का किया स्थान

- निकहत, प्रीत पवार और लवलीना पहले कर चुकीं टिकट पक्कता
- क्वार्टर फाइनल में निशांत ने वासिल सेबोटारी को हराया

बैंकॉक, एजेंसी

निशांत देव (71 किग्रा) मुक्केबाजी ओलंपिक क्वालीफायर्स के सेमीफाइनल में पहुंचकर पेरिस में होने वाले खेलों का कोटा हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बन गए। विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता और पिछले क्वालीफायर्स में मामूली अंतर से ओलंपिक का टिकट कटाने से चुके निशांत ने क्वार्टर फाइनल में मोल्दोवा के वासिल सेबोटारी को 5-0 से हराकर कोटा हासिल किया।

भारत ने इस तरह से मुक्केबाजी में ओलंपिक के लिए चौथा कोटा स्थान हासिल किया। निशांत से पहले महिला मुक्केबाज निकहत जरीन (50 किग्रा), प्रीत पवार (54 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) पेरिस के लिए अपना टिकट पक्का कर चुकी हैं। पुरुषों के 71 किग्रा भार वर्ग में पांच कोटा स्थान दांव पर लगे थे और इस तरह से निशांत ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पेरिस ओलंपिक में अपना स्थान पक्का किया। टूर्नामेंट में अभी तक अपना दबदबा बनाए रखने वाले निशांत ने फिर से आक्रामक शुरुआत की और शुरू से ही दनादन मुक्के जड़कर अपने प्रतिद्वंद्वी को पस्त कर दिया।

क्वालीफायर्स के क्वार्टर फाइनल में हारी अंकुशिता बोरो

बैंकॉक। अंकुशिता बोरो की विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर्स में स्वीडन की एग्नेस एलेक्सियसन से 2-3 से हार के साथ ही भारत की महिलाओं के 60 किग्रा भार वर्ग में ओलंपिक कोटा हासिल करने की उम्मीदें भी समाप्त हो गई।

भारत की 23 वर्षीय खिलाड़ी ने अपनी स्वीडिश प्रतिद्वंदी के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन यूरोपीय खेलों की पूर्व पदक विजेता खिलाड़ी ने अपने अनुभव के दम पर बोरो को बाहर का रास्ता दिखा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने अच्छी शुरुआत की लेकिन वह इसे बरकरार नहीं रख पाई। अरुंधति चौधरी (66 किग्रा) और अमित पंघाल (51 किग्रा) को भी आज अपने मुकाबले खेलने हैं।

सेमीफाइनल में पहुंची त्रिशा-गायत्री

सिंगापुर ओपन

कल्लांग, एजेंसी

त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय बैडमिंटन जोड़ी शुक्रवार को दक्षिण कोरिया की कित सो यंग और कोंग ही योंग की जोड़ी को हराकर सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में आज यहां भारतीय जोड़ी ने दक्षिण कोरिया की किम सो यंग और कोंग ही योंग की जोड़ी को 79 मिनट तक चले बेहद ही रोमांचक क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 18-21, 21-19, 24-22 से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय महिला युगल की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कोरिया की किम-कोंग की जोड़ी ने पहले गेम में बढ़त के साथ त्रिशा-गायत्री की जोड़ी पर दबाव बनाया। इसके बाद कोरियाई जोड़ी ने बढ़त के साथ पहले गेम में अपनी पकड़ मजबूत की। मैच के दूसरे गेम में कांटे की टक्कर देखने को मिली। इस गेम में काफी उतार चढ़ाव देखा गया पहले भारतीय जोड़ी ने 7-3 की बढ़त के साथ शानदार शुरुआत की। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों 19-19 की बराबरी पर पहुंचा कर मैच में वापसी की। तीसरे और निर्णायक गेम में 5-3 की बढ़त हासिल कर ली। मैच का सबसे रोमांचक पल तब आया जब दोनों टीम 20-20 की बराबरी पर पहुंच गई। फिर खेल 22-22 तक पहुंच गया लेकिन अंत में भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार दो अंक हासिल करके गेम को 24-22 से अपने नाम करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

पारा फिर 46 डिग्री पार, जिंदगी बेजार

❍ तापमान बढ़ने से पंखे और कूलर भी दे रहे गर्म हवा ❍ सड़कों -चौराहों पर दिन भर पसरा रहा सन्नाटा

मौसम की मार

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। मौसम की मार लगातार भारी पड़ रही है। शुक्रवार को सूरज निकलने के बाद से तपिश बढ़नी शुरू हुई तो दोपहर बाद पारा फिर से 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। सड़क, बाजार, चौक-चौराहों पर सन्नाटा छाया रहा। भीषण गर्मी में लोग घरों में भी बेहाल नजर आए।

तापमान में लगातार इजाफा होने के कारण बाहर निकलने पर सूरज की गर्म किरणें सहन नहीं हो पा रही हैं। लोग गमछा, रूमाल से चेहरा और बदन ढंकने के बाद भी परेशान हो रहे हैं। सुबह दस बजे के बाद से सड़कें सूनी हो जा रही हैं। दिन चढ़ने के साथ पारा हर घंटे चढ़ रहा है। शुक्रवार को अधिकतम पारा 46.2 और न्यूनतम 27.8 डिग्री पर पहुंच गया। नगर क्षेत्र में घर-घर एसी एवं वातानुकूलित वाहनों की भरमार होने से धरती उबल रही है।

गांवों में भी राहत नहीं है। लोग पेड़ों की छांव की तलाश करते देखे गए। गर्मी ने घरों में भी शुकून छीन लिया है। अधिकतम तापमान से पंखे और कूलर भी गर्म हवा दे रहे हैं। एसी तक ठीक से काम नहीं कर रही है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों का हाल बेहाल है। रात की नींद भी छिन गई है।

पसीने से तरबतर लोग छतों पर या खुले मैदान में राहत पाने के लिए टहलते देखे जा सकते हैं। गर्मी जनित बीमारियों का प्रकोप भी बढ़ गया है। अस्पतालों में उल्टी-दस्त एवं डायरिया के मरीज ज्यादातर आ रहे हैं। बेजुबानों की भी हालत खराब है। ताल-तलैया सूख जाने से पशु-पक्षियों को पानी के लिए टोटियों और नलों के आसपास देखा जा रहा है।

भीषण गर्मी में मुंह ढककर जातीं युवतियां। अमृत विचार

गर्मी के चलते सड़क पर पसरा रहा सन्नाटा। अमृत विचार

चहल-पहल वाले इलाकों में भी छाया सन्नाटा

जनपद के कई इलाके ऐसे हैं, जहां सुबह से शाम तक चहल पहल रहती थी। इसमें अकबरपुर अंडरपास चौराहा, रूरा रोड, सदर बाजार, माती रोड, कलेक्ट्रेट समेत पुखरायां बाजार, झींझक, रसूलाबाद आदि शामिल हैं, लेकिन इस बार गर्मी के कारण उन स्थानों पर भी सन्नाटा रहता है। शाम ढलने के बाद चहल पहल होती है।

अब कल से आंधी और बारिश के आसार

भीषण गर्मी से जूझ रहे जिलेवासियों को दो जून से राहत मिलने के आसार हैं। सीएसए कानपुर के मौसम विभाग ने दो जून से पांच जून के मध्य धूल भरी आंधी व गरज-चमक के साथ स्थानीय स्तर पर बारिश होने की संभावना जताई है। जिससे तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है।

प्यास बुझाने के लिए मटका और सुराही की बढ़ गई मांग

कानपुर देहात। भीषण गर्मी के कारण इस समय देशी मटके और सुराही की मांग बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बसे कुम्हारों के घर मटके व सुराही खरीदने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

धूप से बेहाल लोग गले को मिट्टी की सौंधी महक के साथ तरबतर करने वाले मटके और सुराही (देशी फ्रिज) का उपयोग कर रहे हैं। लिहाजा कुम्हार भी तरह-तरह के आकर्षक मटके बनाने में लग गए

- बाजार में तीन सौ से सात सौ रुपये तक बिक रहे देशी फ्रिज

हैं। वहीं बाजारों में मटके और सुराही की मांग बढ़ने से इनकी कीमतों में भी तेजी आई है। इन दिनों तपती दोपहर में गर्मी से बेहाल लोग पानी की तलाश में भटकते मिल जाते हैं। ऐसे में लोग देशी फ्रिज कहे जाने वाले मटके और सुराही की जमकर खरीदारी कर रहे हैं। जिससे बाजारों में इनके दाम तो बढ़े ही हैं। साथ ही जानकर लोग इसके पानी को ज्यादा फायदेमंद बताते हैं।

सरियापुर निवासी नीरज प्रजापति ने बताया कि वह पिछले करीब बीस वर्षों से मटके बेचने का काम करते आ रहा है। यह उनका पुस्तैनी काम है। उन्होंने बताया कि पहले मटकों का आकार कुछ और ही होता था, लेकिन समय के परिवेश में अब मटकों में एक नल (टोटी) भी लगाई जा रही है। मटके में हाथ डाले बिना नल से पानी पी सकते हैं।

अकबरपुर के माती रोड पर बिक्री के लिए रखे मिट्टी के मटके और सुराही। अमृत विचार

गश खाकर गिरा ट्रक चालक, मौत

संवाददाता, शिवली

- मैथा बाजार से दोपहर में सामान लेकर सूरजपुर गांव जा रहा था ट्रक चालक

अमृत विचार। मैथा बाजार से दोपहर में सामान लेकर वापस लौट रहा एक ट्रक चालक रास्ते में गश खाकर गिर गया। परिजन उसे आनन-फानन इलाज के लिए कानपुर के निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया।

राजकुमार पाल।

शिवली कोतवाली क्षेत्र के सूरजपुर गांव निवासी राजकुमार पाल (37) ट्रक चालक था। बुधवार को वह कबरई से मौरंग लेकर कानपुर आया था। वहां से मौरंग अनलोड करने के बाद वह अपने गांव आ गया था। गुरुवार की दोपहर को वह बाजार करने मैथा गया था। वहां से वापस आते समय वह गांव के बाहर गश खाकर गिर गया। जानकारी मिलने पर परिजन उसे लेकर कानपुर के निजी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने राजकुमार को मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद परिजन शव को लेकर गांव आए। वहीं मौत पर पत्नी सलोनी बदहवास हो गई और मां कुसुमा, बहन दीपा, पुत्र सूर्यांश, योगेश आदि का रो-रो कर बुरा हाल रहा। भाई संजय की सूचना पर चौकी इंचार्ज काली चरण मौके पर पहुंचे और प्राथमिक छानबीन के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। चौकी प्रभारी ने बताया कि प्रथमदृष्टया युवक की गर्मी की चपेट में आकर मौत होना प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने का इंतजार है।

मौत पर रोते-बिलखते परिजन।

एक नजर

घर के अंदर संदिग्ध हालत में मिला महिला का शव

भोगनीपुर। कोतवाली क्षेत्र के हारामऊ गांव में एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में शव घर के अंदर पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हारामऊ निवासी रोशनी का शव घर के अंदर पड़ा होने की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और प्रारंभिक जांच-पड़ताल की।

खलासी को पीटा, घायल

पुखरायां। देवराहट थाना क्षेत्र के प्रेमपुर गांव के अरुण कुमार ने बताया कि उनका भाई धनराज (25) डंपर परिचालक है। गुरुवार रात को झांसी-कानपुर हाईवे पर हांसेमऊ गांव के पास अचानक डंपर पलट गया था। जहां पर गिट्टी दूसरे डंपर में लदवा कर वह वहीं पर सो गया था। रात में अज्ञात लोगों ने बिना वजह धनराज को मारपीट कर घायल कर दिया। जानकारी पर यूपी डायल 112 पुलिस उसे सीएचसी लाई। जहां डॉ. आरती सिंह ने उपचार किया।

अनियंत्रित होकर गिरने से बाइक सवार गंभीर

पुखरायां। सेल्हूपुर गांव के संदीप कुमार ने बताया कि उसके मामा बुद्ध सिंह बाइक में सवार होकर भोगनीपुर किसी कार्य के लिए गए हुए थे। जहां से वापस अपने गांव आ रहे थे। तभी गांव के बाहर अचानक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई और उसके मामा घायल हो गए। उन्हें सीएचसी लाया गया। जहां डॉ. राजवीर सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रिफर कर दिया।

पंखे से कट गई उंगली

पुखरायां। उमरिया गांव के विजय नारायण ने बताया कि उनका दस वर्षीय पुत्र राजा सिंह घर में बिजली का फर्राटा पंखा चल रहा था। तभी खेल खेल में उंगली पंखे में डालने से कट गई। परिजन उसे सीएचसी ले गए। जहां डॉ. आरती सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पेड़ से गिरकर युवक गंभीर

पुखरायां। युवक पेड़ से गिरकर घायल हो गया। भोगनीपुर गांव की हसीना ने बताया कि उसके पति साबिर (30) पेड़ में चढ़कर आम तोड़ रहे थे। उसी समय डाल टूट गई और वह नीचे गिरने से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी ले जाया गया। जहां डॉ. आरती सिंह ने प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल भेज दिया।

एआरटीओ दफ्तर में दो दिन बंद रहेंगे काम

कानपुर देहात। शुक्रवार को एआरटीओ प्रशांत तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया कि स्मार्ट कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया में सॉफ्टवेयर के अपडेट होने के कारण लाइसेंस से संबंधित सभी कार्य दो और तीन जून को स्थगित रहेंगे।

नाबालिग को ले जाने वाला आरोपी गिरफ्तार

रूरा। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक के खिलाफ पुलिस ने नाबालिक को बहलाकर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज की थी। थानाध्यक्ष शिवनारायण सिंह ने बताया कि आरोपी विनय यादव को जगदीशपुर गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे जेल भेजा गया है।

साल भर बाद भी नहीं मिला पानी

संवाददाता, रूरा

अमृत विचार। क्षेत्र के अंबियापुर गांव में एक साल बाद भी पानी टंकी का निर्माण पूरा नहीं हो सका है। जिससे तीन गांव की करीब पांच हजार आबादी को भीषण गर्मी में ग्रामीणों को हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ रहा है।

सरकार द्वारा चलाई जा रही हर घर योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पानी टंकी का निर्माण होना था, लेकिन ज्यादातर ग्राम पंचायतों में पानी टंकी सिर्फ कागजों पर ही पूर्ण दिख रही है। यही स्थिति डेरापुर ब्लॉक के अंबियापुर ग्राम पंचायत में देखने को मिल रही है। ग्राम पंचायत में करीब दो करोड़ रुपये की लागत से 185 किली क्षमता की पानी टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लेकिन एक साल बीतने के बाद भी कार्य पूरा नहीं हो सका है और लोग भीषण गर्मी में पानी किल्लत से जूड रहे हैं।

अंबियापुर में अधूरा पड़ा पानी टंकी का निर्माण। अमृत विचार

- अंबियापुर ग्राम पंचायत में दो करोड़ रुपये से पानी टंकी निर्माणाधीन

ग्रामीण अजय, आलोक, विवेक आदि ने बताया कि जब टंकी निर्माण कार्य शुरू हुआ था तो अलावलपुर, अंबियापुर, उमराव पुरवा गांव के ग्रामीणों में घर की टोंटी से पानी मिलने की आस जगी थी। लेकिन एक वर्ष बीतने के बावजूद टंकी का निर्माण कार्य पूर्ण न हो सका है। वहीं उमरावपुरवा गांव में अभी तक पाइपलाइन भी नहीं डाली गई है। जिससे ग्रामीणों में नाराजगी व्याप्त है। तीनों गांवों की करीब पांच हजार आबादी है। जल विभाग द्वारा करीब चार सौ लोगों को कनेक्शन मुहैया कराए गए है, लेकिन घरों में लगी टोटियां महज शोपीस बनकर रह गई हैं। इस बावत जल निगम के जेई विजय यादव ने बताया कि कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही टंकी का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

शिक्षकों को हर माह पूरा कराना होगा पाठ्यक्रम

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं का चार बार होगा मूल्यांकन

अमृत विचार। परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए अब पाठ्यक्रम हर महीने निर्धारित कर उसी महीने में पूरा कराया जाएगा। कक्षा एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं का चार बार मूल्यांकन होगा। जिसमें अर्द्धवार्षिक व वार्षिक परीक्षा भी शामिल रहेगी।

जिले में 1925 परिषदीय व कंपोजिट विद्यालय संचालित हैं। इनमें करीब 1 लाख 40 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। इन छात्रों के विकास के लिए शासन तमाम प्रयास कर रहा है। निपुण भारत मिशन के साथ अन्य प्रोग्राम चलाए जा रहे हैं। इस शैक्षिक सत्र में बेसिक शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षा परिषद की तरह कैलेंडर जारी किया है। अब परिषदीय विद्यालयों में शिक्षक हर महीने पाठ्यक्रम को बांटकर निर्धारित करेंगे। इसी अनुसार पढ़ाई कराते हुए पाठ्यक्रम उक्त महीने में ही पूरा किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं का शैक्षिक सत्र में चार बार मूल्यांकन किया जाएगा। यह मूल्यांकन हर तीन माह में होगा। अगस्त व दिसंबर में सत्रीय परीक्षा होगी। अक्तूबर में अर्द्धवार्षिक व मार्च में वार्षिक परीक्षा कराई जाएगी। बीएसए रिद्धी पांडेय ने बताया कि शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार विद्यालयों में पढ़ाई लिखाई के साथ अन्य गतिविधियां कराए जाने के सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए गए हैं।

सार-संक्षेप

सेवानिवृत्त कर्मचारी विदाई देते अधिशाषी अभियंता कुलदीप यादव। अमृत विचार

महिला कर्मी के सेवानिवृत्त होने पर दी गई विदाई

राजपुर। पुखरायां उपखंड कार्यालय में तैनात महिला कर्मचारी के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। शुक्रवार को अधिशासी अभियंता कुलदीप यादव ने सेवानिवृत्त महिला कर्मचारी शांति देवी को उपहार देकर सम्मानित भी किया। साथ ही सेवानिवृत्ति होने के बाद मिलने वाली पेंशन, ग्रेच्युटी, लिव इन पे, जीपीएफ की सभी कार्रवाई पूरी कराकर अभिलेख महिला कर्मचारी को सौंप दिए। जबकि अक्सर देखा जाता है कि सरकारी विभाग से सेवानिवृत्त होने पर कर्मचारियों को सालों कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कार्यक्रम के बाद अधिशासी अभियंता कुलदीप यादव ने सरकारी वाहन से सेवानिवृत्त कर्मचारी शांति देवी को उनके घर तक भिजवाया। इस मौके पर उप खंड अधिकारी आरके वर्मा, अवर अभियंता रामरूप बिंद, बलराम, तपस, रंजन, नोडल अधिकारी ब्रह्म प्रताप, संविदा कर्मी गौरव गुप्ता समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

दंगा नियंत्रण को लेकर अभ्यास करते पुलिस कर्मी।

दंगा नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों ने किया अभ्यास

कानपुर देहात। आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 मतगणना एवं त्योहारों को देखते हुए एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में पुलिस लाइन में शुक्रवार को साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस कर्मियों को दंगा नियंत्रण के साथ बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया गया। वहीं बलवा ड्रिल अभ्यास के दौरान की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में सभी अधिकारी व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

कंट्रोल रूम से मिलेंगे मतगणना के परिणाम

कानपुर देहात। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने शुक्रवार को बताया कि लोकसभा इटावा, कन्नौज, अकबरपुर व जालौन-गरौठा निर्वाचन क्षेत्र के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र वार मतगणना चार जून को सुबह आठ बजे से अकबरपुर डिग्री कॉलेज अकबरपुर में कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मतगणना स्थल पर स्थापित कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी विधानसभावार लगाई गई है। उन्होंने बताया कि रसूलाबाद विधानसभा के लिए सुमित श्रीवास्तव न्याय सहायक, अकबरपुर-रनियां के लिए अतुल अवस्थी कनिष्ठ सहायक, सिकंदरा के लिए हिमांशु पांडेय कनिष्ठ सहायक व भोगनीपुर विधानसभा के लिए नकुल सिंह कनिष्ठ सहायक मतगणना परिणाम से सभी को अवगत कराएंगे।

साक्षी के बीमार होने से कोर्ट में टल गई गवाही

बलवंत कांड

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। चर्चित बलवंत हत्याकांड में अभियोजन साक्षी रामजी के अस्वस्थ होने से गवाही नहीं हो सकी। कोर्ट ने गवाही के लिए 12 जून की तारीख तय की है। वहीं अभियोजन साक्षी गुड्डू उर्फ राघवेंद्र सिंह से आरोपी तत्कालीन एसओजी प्रभारी प्रशांत गौतम व आरक्षी दुर्वेश कुमार की तरफ से पिछली तिथि में जिरह पूर्ण की गई।

वादी पक्ष के अधिवक्ता जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि वादी अंगद सिंह, साक्षी बलबीर सिंह, गुड्डू उर्फ राघवेंद्र सिंह के बयान दर्ज हो चुके हैं। सुनवाई अपर जिला जज कक्ष संख्या पांच पूनम सिंह की अदालत में चल रही है। अधिवक्ता ने बताया कि शुक्रवार को आरोपी तत्कालीन शिवली एसओ राजेश सिंह, एसओजी प्रभारी प्रशांत गौतम, तत्कालीन मैथा चौकी प्रभारी ज्ञान प्रकाश पांडेय सहित आठो पुलिस कर्मी जेल से न्यायालय में पेश किए गए। वहीं आरोपी मैथा चौकी के तत्कालीन मुख्य आरक्षी विनोद कुमार ने मामले में द्वितीय जमानत प्रार्थना पत्र दाखिल किया है।

ट्रक की टक्कर से वैन चालक की मौत

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार। सट्टी थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने ओमनी में टक्कर मार दी। हादसे में ओमनी पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई और कार चालक की स्टेरिंग में दबकर मौत हो गई। वहीं ओमनी सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। राजपुर पीएचसी से मां-बेटा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

औरैया जनपद के खानपुर निवासी बरकत अली ने बताया कि शुक्रवार को उसकी पत्नी सोनी खातून (30) बेटे अयान (4) के साथ औरैया के चिलौली निवासी अभिषेक द्विवेदी की वैन से रिश्तेदारी में कानपुर नगर के घाटमपुर जा रही थी, तभी सट्टी थाना क्षेत्र के शाहजहांपुर कस्बे में एक पेट्रोल पंप के सामने भोगनीपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने ओमनी में जोरदार टक्कर मार दी। भीषण दुर्घटना में ओमनी क्षतिग्रस्त होकर सड़क पर पलट गई। सूचना पर सट्टी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर वैन में फंसे चालक व सवारियों को बाहर निकालकर राजपुर पीएचसी भेजा। पीएचसी में डॉ. अरुणेंद्र प्रताप सिंह ने वैन चालक अभिषेक द्विवेदी को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल सोनी व अयान को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त वैन देखते पुलिस कर्मी व लोग। अमृत विचार

निर्देश सीडीओ ने विकास, निर्माण कार्यों और आईजीआरएस की प्रगति की समीक्षा की

प्रगति के आंकड़े पोर्टल पर करें अपडेट

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार। सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विकास कार्यों, निर्माण कार्यों व आईजीआरएस के प्रगति की समीक्षा बैठक सीडीओ की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

शुक्रवार को विकास भवन सभागार में आयोजित बैठक में सीडीओ लक्ष्मी एन. ने सभी विभागों को विभागीय योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य की शत-प्रतिशत प्राप्ति करें तथा योजनाओं की प्रगति संबंधित त्रुटि रहित आंकड़े पोर्टल पर फीड करें। उन्होंने निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी विभागों की कार्यदायी संस्थाओं द्वारा कराए जा रहे कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। कहा कि निर्माण कार्य के प्रगति संबंधी आंकड़े विभाग पोर्टल पर ससमय अपडेट कराएं।

आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने सभी विभागों को पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कहा कि पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय के अंदर संतुष्टिपरक निस्तारण कराया जाए। आईजीआरएस से संबंधित शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में न जाने पाएं।

अगर किसी विभाग से संबंधित आईजीआरएस डिफाल्टर श्रेणी में जाता है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान सीएमओ डॉ. एके सिंह, डीएसटीओ यशी पाल, उप निदेशक कृषि रामबचन राम, बीएसए रिद्धी पांडे, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी सुरभि श्रीवास्तव, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी नेहा सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं सीडीओ लक्ष्मी एन.। अमृत विचार

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाई गई

मंगलपुर। इंदौर की मराठा शासक अहिल्याबाई होल्कर की 299 वीं जयंती पर नगर पालिका झींझक के रूप रतन वाटिका में समारोह का आयोजन हुआ। अध्यक्षता कर रहे पूर्व सैनिक सीताराम पाल ने कहा कि हमें अपने पूर्वजों से प्रेरणा लेकर पुनः शासक बनने के लिए लगातार त्याग और संघर्ष करते हुए आगे बढ़ना है। इस मौके पर प्रबुद्ध श्रमजीव धनगर, समिति अध्यक्ष अमर सिंह पाल, प्रबंधक कैप्टन राकेश सिंह पाल, कोषाध्यक्ष सूबेदार मेजर महेंद्र पाल सिंह, सूबेदार मेजर अवधेश धनगर, दयाराम पाल, महेंद्र सिंह पाल, कल्पना पाल पूर्व जिला पंचायत सदस्य, जयपाल सिंह, मानसिंह पाल, दीवान सिंह, बृजेंद्र पाल, प्रशांत पाल, लल्ला सिंह, सुमन पाल आदि मौजूद रहे।

हाजिरी व एमडीएम रिपोर्ट नहीं देने पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- शिक्षकों से टैबलेट के जरिए एक सप्ताह में मांगी गई रिपोर्ट

अमृत विचार। टैबलेट उपलब्ध कराने के बाद भी स्कूलों में विद्यार्थियों की हाजिरी और मध्याह्न भोजन की रोजाना डिजिटल रिपोर्ट न मिलने पर शासन ने नाराजगी जाहिर की है। राज्य परियोजना निदेशक ने डिजिटलाइजेशन की धीमी प्रगति को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने सभी शिक्षकों से टैबलेट का उपयोग कर रिपोर्ट एक सप्ताह में भेजने का निर्देश दिया है। इस बावत बीएसए को पत्र भेजा गया है।

शासन ने 15 फरवरी से छात्र उपस्थिति पंजिका व एमडीएम पंजिका का डिजिटल रूप ही मान्य करने के निर्देश दिए थे। परिषदीय विद्यालयों में डिजिटलाइजेशन के लिए पिछले दिनों विभाग ने शिक्षकों को टैबलेट वितरित किए थे। काफी समय तक इन टेबलेटों के उपयोग के लिए इंटरनेट और सिम को लेकर शिक्षकों में भ्रम की स्थिति बनी हुई थी। इस बीच राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा एक मई को टेबलेट के उपयोग के लिए सिम कार्ड व इंटरनेट के लिए खर्च के लिए निर्देश जारी किए गए थे। इसके बावजूद बीएसए कार्यालय द्वारा मुख्यालय को इसकी जानकारी नहीं दी गई। इस पर राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा ने नारजगी व्यक्त की है।

बच्चों की आर्थिक स्थिति जांचने के बहाने घर पहुंच रहे निजी स्कूल

अधिकार नहीं फिर भी स्कूलों ने बच्चों के घरों में जाकर भौतिक सत्यापन कराया

स्कूलों की मनमानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में निजी स्कूलों की हरकत का खुलासा

अमृत विचार। दाखिले से बचने के लिए निजी स्कूलों के प्रतिनिधि बच्चों के घरों तक पहुंच गए। प्रवेश खारिज कराने के लिए उन लोगों ने आर्थिक स्थिति तक का सर्वे कर दिया था। सर्वे के दौरान स्कूलों के प्रतिनिधियों ने मोटरसाइकिल, टीवी व फ्रिज तक की जानकारी हासिल की थी। शिक्षा विभाग की पूर्व में हुई समीक्षा के दौरान निजी स्कूलों के इस कारनामे का खुलासा हुआ। शिक्षा अधिकारियों ने बताया कि इस कार्य के लिए निजी स्कूलों को नोटिस जारी की गई है। उनकी ओर से इस तरह का कार्य करना गैरकानूनी है।

शहर में निजी स्कूल आरटीई के तहत प्रवेश न लेने के लिए हर दांवपेंच अपना रहे हैं। इसके लिए वे सूची में शामिल बच्चों के घर तक पहुंचने में गुरेज नहीं कर रहे हैं। शिक्षा विभाग की ओर से हुई समीक्षा के दौरान जब इस बाबत सूचना हुई तो अधिकारियों की ओर से इस प्रकरण को प्रशासन के संज्ञान में भी लाया गया।

अब यह निर्देश जारी हुआ कि निजी स्कूल इस तरह की हरकत को दोबारा नहीं करेंगे। यदि वे ऐसा करते हैं तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने बताया कि आरटीई के तहत पहले ही बच्चों का सत्यापन हो चुका है। इसके बाद किसी भी तरह का सत्यापन गलत है। निजी स्कूलों को किसी तरह से आरटीई के तहत सत्यापन का अधिकार ही नहीं है।

ये स्कूल पहुंचे घर तक

- डॉ वीरेंद्र स्वरूप एजूकेशन सेंटर श्याम नगर, डॉ वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल कैंट, डॉ वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, गोविन्द नगर, डॉ वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, सिविल लाइंस, एनएलके पब्लिक स्कूल लिटिल स्टेप अशोक नगर, एनएलके वेंडी पब्लिक स्कूल, खलासी लाइन, एनएलके पब्लिक विष्णुपुरी, वेंडी हाईस्कूल नारामऊ कल्याणपुर, दिल्ली पब्लिक स्कूल कल्यानपुर, दिल्ली पब्लिक स्कूल किदवई नगर, दिल्ली पब्लिक स्कूल बर्रा, दिल्ली पब्लिक स्कूल सर्वोदय नगर, दिल्ली पब्लिक स्कूल आजाद नगर, सेठ आनन्दराम जयपुरिया स्कूल, कैंट, युनाइटेड पब्लिक स्कूल सिविल लाइन।

वार्ड की भी जांच

- निजी स्कूलों की ओर से भौतिक सत्यापन करते हुए वार्ड की जांच भी की जा रही है। वार्ड की जांच इसलिए की जा रही है कि यदि बच्चे का घर वार्ड के बाहर होता है तो स्कूल उसके प्रवेश पर रोक लगा सकता है। इसलिए कुछ स्कूलों के प्रतिनिधियों की ओर से क्षेत्र के पार्षदों से भी संपर्क किया गया था।

नहीं मिला कोई बहाना

- स्कूलों की ओर से की गई इस जांच के बाद भी उन्हें किसी तरह का कोई बहाना नहीं मिला। इसके बाद स्कूलों की ओर से अभिभावकों को अभिलेखों की कमी का बहाना बनाकर टरकाया गया। यही वजह है कि तीन सूची जारी होने के बाद भी शहर के निजी स्कूलों की ओर से सिर्फ बीस फीसदी ही प्रवेश लिए गए। पूर्व में हुई जांच में यह सामने आया कि 19 ऐसे स्कूल सामने आए थे जिन्होंने एक भी प्रवेश नहीं लिया था।

फंदे पर लटका मिला महिला का शव

कानपुर। चकेरी थानाक्षेत्र के सफीपुर इलाके में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का शव फांसी के फंदे से लटकता पाया गया। मृतका के परिजनों ने ससुरालीजनों पर दहेज हत्या का आरोप लगाकर मुकदमा दर्ज कराया है।

उन्नाव के गंगाघाट पीपरखेड़ा के रहने वाले भूपाल ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अपनी बेटी 35 वर्षीय कलावती उर्फ खुशी का विवाह छह वर्ष पहले सफीपुर निवासी पिंटू से किया था। शादी के कुछ माह बाद से ही आरोपी पति पिंटू, ससुर शिवनारायण उर्फ सोनेलाल, सास जमुना देवी, देवर राहुल, सरवन, ननद कोमल, शिल्पी, खुशबू और सोनम दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने लगे थे। आरोप लगाया कि गुरुवार को आरोपियों ने बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी और फिर शव को आत्महत्या का रूप देने के लिए फांसी के फंदे पर लटका दिया। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया। प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार दुबे ने बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दुकान संचालक को आग बुझाने का अभ्यास कराते अग्निशमन अधिकारी। अमृत विचार

आग से बचाव के इंतजाम नहीं

संवाददाता, मंगलपुर

- अग्निशमन टीम को निरीक्षण में कई दुकानों पर मिलीं खामियां, दी गई हिदायत

अमृत विचार। मौजूदा समय में पड़ रही भीषण गर्मी में घट रही आग की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए अग्निशमन विभाग द्वारा जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर अग्नि सुरक्षा के उपाय व उपकरणों की जानकारी ली जा रही है।

शुक्रवार को अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने मंगलपुर कस्बा स्थित मां वैष्णों रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। मौके पर कुछ खामियां देखने को मिली। जिस पर रेस्टोरेंट मालिक को चेतावनी देते हुए सभी कमियों को जल्द से जल्द दुरुस्त करने को कहा गया। वहीं कन्हैया मिष्ठान भंडार में अग्निशमन टीम के निरीक्षण के दौरान संचालक कन्हैया से अग्निशमन यंत्र चलाने को कहा तो वह नहीं चला पाए। जिस पर फायर टीम ने माक ड्रिल कराई। साथ ही उपस्थित अन्य लोगों को भी आग बुझाने के प्रति जागरूक किया गया।

अधिकारियों ने कमियों को जल्द दूर करने की चेतावनी भी। इसके बाद सागर मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया तो वहां अग्नि सुरक्षा के कोई इंतजाम नजर नहीं आए। साथ ही कामर्शियल गैस सिलिंडर की जगह घरेलू गैस सिलिंडर का उपयोग होते पाया गया।

अग्निशमन टीम के प्रभारी राज नारायण सिंह ने बताया कि सागर मिष्ठान भंडार पर अग्नि सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे और अन्य कमियां थी। प्रतिष्ठान संचालक शिवचरण को कड़ी हिदायत दी गई है। उन्होंने कहा कि इंतजाम नहीं होने पर अब कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट में घायल हुए सब्जी विक्रेता की मौत

घटना की जानकारी देता घायल भाई सोनू व अन्य। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- फजलगंज का मामला, 25 मई की रात हुई थी घटना
- पुलिस पर आरोपियों की मदद करने का आरोप

अमृत विचार। फजलगंज थानाक्षेत्र में लेनदेन के विवाद को लेकर गुमटी बंबा रोड पर आरोपियों ने एक सब्जी विक्रेता पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। इस दौरान बचाने में एक भाई को भी नहीं छोड़ा। परिजनों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान एक भाई ने दम तोड़ दिया। परिजनों ने पुलिस पर हमलवारों की मदद करने का आरोप लगाया है।

संजय बाथम।

गुमटी बंबा रोड सब्जी मंडी निवासी 50 वर्षीय संजय बाथम गैस एजेंसी के पास सब्जी का काम करते थे। भाई संतोष और सोनू ने बताया कि 25 मई को वह दुकान पर बैठे थे, इसी दौरान क्षेत्र का रहने वाला गोलू आया और पुराने लेनदेन के विवाद को लेकर गालीगलौज करने लगा। गोलू ने अपने साथी सुधीर, बेटू, लल्ला के साथ मिलकर उसने धारदार हथियार से एक के बाद एक सिर पर कई वार कर दिए। भाई सोनू ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें भी लहूलुहान कर दिया। संजय को निराला नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। गुरुवार देर रात डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है, कि पुलिस पिछले छह दिन से हाथ पर हाथ धरकर बैठी है, उसने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कोई कदम नहीं उठाया और घटनास्थल से हमले के लाइव वीडियो फुटेज डिलीट करा दिए हैं। इस संबंध में फजलगंज इंस्पेक्टर सुनील कुमार सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला हत्या में तरमीम किया जाएगा। वहीं डीसीपी सेंट्रल आरएस गौतम ने बताया कि इस मामले में चारों नामित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है व अन्य कार्रवाई की जा रही है।

आत्महत्या को दुष्प्रेरित करने में पति को सजा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सचेंडी थाने में साले ने दर्ज कराया था मुकदमा

अमृत विचार। दहेज प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता के आत्महत्या करने के मामले में एडीजे 26 की कोर्ट ने पति को दोषी करार देते हुए पांच साल के कारावास की सजा सुनाई। मृतका के भाई ने वर्ष 2020 में पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ दहेज प्रताड़ना व आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धाराओं में सचेंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

साढ़ थानाक्षेत्र के रातेपुर गांव निवासी विकास कुमार के मुताबिक उनकी बहन सुषमा की शादी 28 जून 2012 में सचेंडी थानाक्षेत्र के चकरपुर गांव निवासी घनश्याम कुमार के साथ हुई थी। विकास ने बताया कि दो दिसंबर 2020 की सुबह सुषमा के देवर मुकेश ने फोन कर बताया कि उसकी बहन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर पहुंचे परिजनों ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। मृतका के परिजनों ने बताया था कि ससुरालीजन काफी समय से दो लाख रुपये की मांग कर रहे थे, जो पूरी न होने पर आए दिन बहन को प्रताड़ित कर रहे थे। विकास ने सचेंडी थाने में घनश्याम समेत ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। मामला एडीजे 26 प्रमोद कुमार की कोर्ट में विचाराधीन था। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि मामले अभियोजन की ओर से छह गवाह पेश किए गए थे। अभियोजन की ओर से मृतका व उसके भाई विकास के बीच मृत्यु के पूर्व बातचीत का विवरण मुख्य सबूत साबित हुआ। कोर्ट ने उसको महत्वपूर्ण साक्ष्य मानते हुए आरोपी पति घनश्याम को दोषी करार दिया। कोर्ट ने दोषी को पांच साल का कारवास व 14 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

नौकरी के नाम पर ठगी के आरोपी को जमानत नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- एडीजे 26 की कोर्ट ने सुनाया आदेश, वर्ष 2019 में दर्ज हुआ था मुकदमा

अमृत विचार। रेलवे में नौकरी के नाम पर 15 लाख की धोखाधड़ी करने वाले जालसाज की एडीजे 26 की कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। धोखेबाज ने नौकरी के नाम पर कई युवकों को अपने जाल में फंसाया था। पीड़ित ने वर्ष 2019 में किदवई नगर थाने में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

राजनारायण ने बताया कि उसके मित्र आशीष कनौजिया के पिता राजेंद्र रेलवे में उच्च श्रेणी के ड्राइवर हैं। आशीष ने उसे व अन्य साथियो चेतन, गोविंद कुमार, सौरभ सिंह गौड़, आवेद अख्तर, अजय सिंह भदौरिया, अखिलेश कुमार व आलोक पाल को पिता से रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर मिलाया था। राजेंद्र ने घाटमपुर, पचखुरा निवासी सर्वेश सिंह से उनकी मुलाकात कराई। सभी ने राजेंद्र को कई बार में करीब 15 लाख रुपये दे दिए। बताया कि इस दौरान उनके पास गोरखपुर व हावड़ा रेलवे से रजिस्टर्ड डाक आए।

सभी युवकों का मेडिकल कराया गया और 40 दिन की ट्रेनिंग भी दी गई। कुछ माह बाद हावड़ा व गोरखपुर में ज्वाइनिंग के नाम पर भेजा गया, लेकिन गड़बड़ी बता कर वापस भेज दिया गया। काफी दिन बीतने के बाद वह सर्वेश सिंह के साकेत नगर स्थित आवास में गए, जहां से आरोपी फरार हो गया। ठगी को अहसास होने पर पीड़ित ने किदवई नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर पर्यावरण के प्रति जागरूक करते बच्चे व रेल कर्मी।

स्लोगन प्रतियोगिता में उत्साह से पहुंचे बच्चे

संवाददाता, रूरा

- रेल कर्मियों की ओर से सात दिवसीय पर्यावरण कार्यक्रम

अमृत विचार। सात दिवसीय पर्यावरणीय कार्यक्रम के दूसरे दिन रूरा स्टेशन के रेल कर्मचारियों द्वारा स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया।

शुक्रवार को स्लोगन प्रतियोगिता में बच्चों ने पर्यावरण, जल, पक्षी, स्वच्छता, हरियाली आदि संवेदनशील विषयों पर स्लोगन के माध्यम से यात्रियों को संदेश देते लोहे की पत्तियों पर स्लोगन लिखे। स्टेशन अधीक्षक अशोक कुमार ने कहा कि प्रतियोगिता से गर्मी की छुट्टियों में बच्चों की प्रतिभाएं निखारना मकसद है। पर्यावरण संरक्षण के संदेश वाली इन तख्तियों को स्टेशन परिसर में लगाने से यात्रियों को भी जागरूक करेंगी और स्वच्छ हरित जीवन शैली को भी प्रेरित करेंगी। जिसकी हमें आज नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण फ्रेंडली जीवन शैली और कृत्य की दिशा में त्वरित आगे बढ़ना होगा। अन्यथा भविष्य में हमारा सरवाइव करना मुश्किल होगा। सहस्टेशन मास्टर ज्ञानेंद्र पांडेय ने बताया कि 5 जून तक रेल कर्मचारियों द्वारा बच्चों के लिए वॉल पेंटिंग, सुलेख, स्लोग, पक्षी संरक्षण, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, योगा जैसे प्रतियोगिता व कार्यक्रम कराए जाएंगे। वॉल पेंटिंग और स्लोगन प्रतियोगिता के विजेताओं को विश्व पर्यावरण दिवस पर 5 जून को पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौरान स्टेशन मास्टर राघवेंद्र प्रताप, अखिलेश वर्मा, राज्य प्राध्यापक नवीन दीक्षित, डा. अर्चना मिश्रा, विनय कुमार तिवारी, विवेक तिवारी, नरेंद्र, राकेश, शिवा रहे।

आत्महत्या मामले में शोहदे पर रिपोर्ट

कानपुर। छावनी क्षेत्र में शोहदे की छेड़खानी से तंग आकर एक छात्रा के आत्महत्या मामले में पुलिस कमिश्नर के आदेश पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। परिजनों ने आरोप लगाया था कि घटना के बाद छावनी पुलिस से शिकायत के बावजूद आरोपी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिसके बाद पीड़ित परिवार ने मामले की शिकायत पुलिस कमिश्नर से की। 22 वर्षीय युवती बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

मारपीट में दो लोगों को चार साल सजा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- नौ साल पहले रूरा क्षेत्र के इंदरुख गांव में हुई थी घटना

अमृत विचार। रूरा क्षेत्र में करीब नौ साल पहले इंदरुख गांव में हुई मारपीट के एक मामले में शुक्रवार को सुनवाई पूरी होने पर अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए दो दोषियों को चार-चार साल का कारावास और एक दोषी को जेल में बिताई गई अवधि के कारावास की सजा सुनाई है। सभी दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता संतोष कुमार कटियार ने बताया कि रूरा क्षेत्र के गांव इंदरुख निवासी नरेंद्र ,प्रमोद ,डमरू व जयराम वर्ष 2015 में दीपावली के दिन गांव में सावित्री देवी के दरवाजे के सामने जुंआ खेल रहे थे।इसका सावित्री देवी ने विरोध किया तो सभी आरोपी गाली गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट करने लगे मौके पर बचाव करने आए सावित्री देवी के पति भारत सिंह व पुत्र विजय सिंह पर कुल्हाड़ी, लाठी-डंडों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। मामले में सावित्री देवी ने चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने कोर्ट में आरोपपत्र पेश किए थे। सुनवाई एडीजे पंचम पूनम सिंह की अदालत में चल रही थी। एक आरोपी जयराम की मृत्यु हो गई थी। शुक्रवार को अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद नरेंद्र व प्रमोद को चार चार साल की सजा सुनाई वहीं डमरू के अस्वस्थ होने पर जेल में बिताई अवधि की सजा सुनाई है।

कामयाबी शरीर में खून की कमी के साथ थी बांझपन की समस्या, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष ने किया ऑपरेशन

41 फाइब्रॉइड निकालकर महिला की बचाई जान

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक साल से गर्भाशय में फाइब्रॉइड की समस्या लेकर इलाज के लिए दर-दर भटक रही महिला को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में संजीवनी मिली। जांच कराने पर महिला के गर्भाशय में कई फाइब्रॉइड की पुष्टि हुई। विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता ने टीम के साथ ऑपरेशन कर न सिर्फ महिला की जान बचाई बल्कि उसकी बच्चेदानी भी सुरक्षित बचा ली।

यशोदा नगर निवासी 24 वर्षीय महिला मल्टीपल फाइब्रॉइड की समस्या से करीब एक साल से पीड़ित थी, जिस कारण महिला के पेट में तेज दर्द और भारी मासिक रक्तस्राव हो रहा था। महिला को शरीर में खून की काफी कमी होने के साथ ही बांझपन की समस्या से भी जूझना पड़ रहा था।

बीमारी के कारण महिला की दिनचर्या और जीवनशैली भी प्रभावित हो गई थी। परिजन के मुताबिक उन्होंने कई अस्पतालों में महिला का इलाज कराया, लेकिन आराम नहीं मिला। एक डॉक्टर ने तो बच्चेदानी निकालने तक की भी बात बोल दी थी।

टीम के साथ महिला का ऑपरेशन करतीं विभागाध्यक्ष डॉ .नीना गुप्ता। अमृत विचार

करीब 15 दिन पहले परिजन बीमार महिला को लेकर हैलट अस्पताल में स्त्री एवं प्रसूति विभाग लेकर पहुंचे। यहां पर स्त्री एवं प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता ने महिला को ओपीडी में देखने के साथ ही उसकी पूरी केस हिस्ट्री की जानकारी ली। छह दिन पहले डॉ.रश्मि यादव, डॉ.दीप्ति, डॉ.अंजलि समेत टीम के साथ मिलकर महिला को फाइब्रॉइड के लिए मायोमेक्टमी किया गया। करीब डेढ़ घंटे चले ऑपरेशन के दौरान छोटे व बड़े 41 फाइब्रॉइड निकाले।

विभागाध्यक्ष डॉ.नीना गुप्ता ने बताया कि यह ऑपरेशन काफी उच्च जोखिम का था। ऑपरेशन के दौरान ज्यादा रक्तस्त्राव होने से हाइस्टेरेक्टमी का भी खतरा था। सुविधापूर्वक व कठिनाइयों को पार करते हुए महिला की जान बचाई गई है। साथ ही उसकी बच्चेदानी भी नहीं निकाली पड़ी। मायोमेक्टोमी गर्भाशय फाइब्रॉइड को हटाने के लिए की जाने वाली सर्जरी है। मायोमेक्टोमी गर्भाशय को बरकरार रखती है। इसलिए प्रक्रिया के बाद भी महिला गर्भवती हो सकती है।

फाइब्रॉइड गर्भाशय में होने वाले कैंसर रहित ट्यूमर

फाइब्रॉइड गर्भाशय में होने वाले कैंसर रहित ट्यूमर हैं, इनमें 99 प्रतिशत मामले नॉन कैंसर के होते हैं। इसे यूटेराइन फाइब्रॉइड या गर्भाशय की गांठ के नाम से भी जाना जाता है। फाइब्रॉइड का आकार एक छोटे बीज से लेकर तरबूज जितना हो सकता है। ये क्यों होते हैं, इसका कारण स्पष्ट नहीं है। हां, हार्मोन का प्रभाव और अनुवांशिकता प्रमुख कारण माना जाता है। वर्तमान में फाइब्रॉइड की समस्या महिलाओं में बढ़ी है। इसमे माहवारी के दौरान अधिक रक्तस्राव, पेट में दर्द, पेशाब की थैली पर दबाव के कारण बार-बार पेशाब आना, बांझपन और गर्भपात की समस्या होती है।

लक्ष्य पाने तक बढ़ते रहें निरंतर

कानपुर। एनसीसी कैडेट्स देश की शक्ति और भविष्य हैं। उनकी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण हमें गर्वित करता है। यह बात छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक ने कही। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने तक एनसीसी कैडेट्स निरंतर आगे बढ़ते रहें।

कैंट ऑडिटोरियम में कुलपति प्रोफेसर विनय पाठक बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का युवा जीवन जीना भूल गया है और जीवन किस प्रकार जीना चाहिए। इसके बारे मे एनसीसी हमको सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों का किस प्रकार सामना करना चाहिए। ऑडिटोरियम में 17 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी के 'ए' एवं 'बी' सर्टिफिकेट परीक्षा पास करने वाले कैडेट्स के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मेरा हाई स्कूल अंक पत्र जिसका अनुक्रमांक 2725645 वर्ष 2020 यूपी बोर्ड वास्तव में कहीं खो गया है। **प्रीति यादव पुत्री रमेश यादव निवासी एलो पोस्ट एलो पयागपुर बहराइच**

सूचना

मेरा हाई स्कूल अंक पत्र जिसका अनुक्रमांक 2725615 वर्ष 2020 यूपी बोर्ड वास्तव में कहीं खो गया है। **लक्ष्मी यादव पुत्री रमेश यादव निवासी एलो पोस्ट एलो पयागपुर बहराइच।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा बीएड वर्ष 2006 रोल नं0 6311089 का अंकपत्र कहीं गिर गया है। **सुनीता पुत्री मुलायम सिंह पता- नगला विहारी, पोस्ट सलेमपुर सौरिख, कन्नौज**

शीघ्र चाहिए

कोठी, बंगला, अपार्टमेंट, फार्म हाउस के लिए नौकर-नौकरानी, आया, मैड, सर्वेंट, ड्राइवर, चौकीदार, कुक, बेबीकेयर, पेशेंट केयर, वेतन 11000 से 15000 रहना-खाना मेडिकल फ्री ड्यूटी दिल्ली पंजाब महाराष्ट्र, गुजरात नोएडा गाजियाबाद लखनऊ कानपुर मिले अपने आधार कार्ड फोटो के साथ 105 **दुर्गा मां टावर लालबाग लखनऊ, मो0- 8896030769 / 9554377000**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम सच्चिदानंद पाठक पुत्र आदित्य प्रसाद पाठक निवासी गायत्रीपुरम सिविल लाइन्स, गोंडा, उत्तरप्रदेश 271001 है। मेरे आधार में मेरा नाम सच्चिदानंद पाठक और शैक्षिक अभिलेख में मेरा नाम सच्चिदानंद है। सच्चिदानंद व सच्चिदानंद पाठक दोनों एक ही व्यक्ति हैं और भविष्य में मुझे सच्चिदानंद पाठक के नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

सूचित हो कि मेरे पुत्र आकर्ष कुमार के विद्यालय दस्तावेजों में उसका नाम त्रुटिवश आकर्ष कुमार मौर्या एवं मेरा नाम प्रेम नारायण मौर्या दर्ज हो गया है जो गलत है। जबकि मेरे पुत्र का सही नाम आकर्ष कुमार तथा मेरा सही नाम प्रेम नारायण है जो कि मेरे व मेरे पुत्र के आधार कार्ड पर भी दर्ज है। अतः मेरे पुत्र के विद्यालय दस्तावेजों में उसका व मेरा सही नाम दर्ज किया जाये। **प्रेम नारायण पुत्र भगौती प्रसाद निवासी ग्राम परसेहरा खुर्द पोस्ट मजलिसपुर थाना खैराबाद तहसील व जिला सीतापुर।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरे माता जी शशिबाला यादव पत्नी स्व. श्याम नारायण यादव के नाम एक प्लाट के बैनामा स्टाम्प जो की सब रजिस्ट्रार कार्यालय सदर बलरामपुर मे बही संख्या 1 जिल्द संख्या 810 पृष्ठ संख्या 130 से 131 पर क्रमांक 1285 दिनांक 26.07.1971 पर दर्ज है, जो कि कहीं खो गया है। **अनुराग यादव पुत्र स्व. श्याम नारायण यादव, मो. तुलसीपार्क, तहसील व जनपद बलरामपुर**

हीटस्ट्रोक की चपेट में आए छह लोगों ने तोड़ा दम

गर्मी व लू का कहर : चार विजयीपुर, एक -एक बकेवर व असोथर में शिकार, पुलिस को सूचना दिए बिना किया अंतिम संस्कार

संवाददाता, किशनपुर/फतेहपुर

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के विजयीपुर गांव में हीट स्ट्रोक के चलते चार बुजुर्ग लोगों की मौत हो गई। बकेवर थाना क्षेत्र के आलमपुर में गुरूवार की दोपहर बाजार जा रहे भट्ठा मजदूर की अचानक हालत बिगड़ गई। जिसकी रोड किनारे ही गिरकर मौत हो गई। मृतक के परिजनों के अनुसार उसकी लू लगने से मौत हुई है। असोथर नगर पंचायत में हीट स्ट्रोक से एक महिला की मौत हो गई।

विजयीपुर में हीट स्ट्रोक के चलते हुई चार मौतों से लोग घबराए हुए हैं। विजयीपुर कस्बा निवासी संतोष सिंह (65) शुक्रवार की सुबह खाना खाकर घर के बाहर बने छप्पर के नीचे लेट गए। इस दौरान गर्मी के चलते उनकी मौत हो गई। कुछ देर बाद छप्पर के नीचे धूप आ गई उस दौरान वह चारपाई से नहीं उठे। तब परिजन उनके पास पहुंचे जहां वह मृत अवस्था में पाए गए। इसी प्रकार शिवपुरी मजरे विजयीपुर गांव निवासी सरोज देवी पत्नी अमृतलाल सिंह (60) सुबह खाना खाकर बाग की तरफ घूमने गई थी। जहां अचानक वह जमीन में गिर गई और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि सुबह ठीक-ठाक थी खाना खाकर बगीचे की तरफ घूमने गई थी। कुछ देर बाद उनको लोगों द्वारा जानकारी मिली जानकारी के बाद परिजन मौके पर पहुंचे जहां वह मृत पाई गई। इसी तरह विजयीपुर निवासी शिवगोपाल गुप्ता (60) व ननका निर्मल (55) की भी गुरूवार की देर रात हीट स्ट्रोक की चपेट में आकर मौत हो गई। सुबह परिजनों ने देखा तो वह मृत पाए गए। बताया जा रहा है कि ननका निर्मल के शरीर में गर्मी के चलते बड़े बड़े फफोले पड़ गए थे। इसी प्रकार किशनपुर थाना क्षेत्र के भावनापुर मजरे गढ़ा गांव में भी जयपाल शुक्रवार की दोपहर जानवरों को पानी पिलाने यमुना किनारे गए थे। जहां वह वापस लौटते समय जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौत हो गई। परिजनों ने पहुंच कर देखा तो तेज धूप की वजह से उनके शरीर में फफोले पड़ गए थे। सभी के परिजनों ने पुलिस को बिना सूचना दिए शवों का अंतिम संस्कार कर दिया है।

बकेवर के आलमपुर गांव निवासी केशन का पुत्र राजेश भट्ठे में मजदूरी करता था। गुरूवार दोपहर वह बाजार करने के लिए घर से निकला था तभी रोड किनारे उसकी अचानक हालत बिगड़ गई और कुछ ही देर बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उधर से गुजर रहे गांव के लोगों ने राकेश को देख उसके परिजनों को सूचना दे दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गृह भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के परिजनों ने बताया कि उसकी मौत लू लगने से हुई है। जो अपने पीछे पत्नी सुफला देवी व बेटे सुधीर व अतुल छोड़ गया है।

असोथर संवाददाता के अनुसार नगर पंचायत के प्रताप नगर झाल निवासी स्वर्गीय बाबूलाल मोदनवाल की 65 वर्षीय पत्नी माया देवी की तबीयत हीट स्ट्रोक के चलते गुरुवार रात्रि 12 बजे अचानक बिगड़ गयी। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती किया। जहां पर डाक्टरों ने हालत नाजुक देखकर कानपुर रिफर कर दिया जिसके बाद कानपुर ले जाते समय रास्ते में माया देवी ने दम तोड दिया। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के पति के नाम से प्रताप नगर झाल तिराहे मे बाबूलाल मिष्ठान भंडार के नाम से प्रतिष्ठान चल रहा है।

मौके पर लगी ग्रामीणों की भीड़। अमृत विचार

बुजुर्ग महिला का शव मिला, लू से मौत की आशंका

■ **खागा।** खखरेरु थाना क्षेत्र के बरहटा रोड भीटा तालाब के पास एक अज्ञात बुजुर्ग महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पहचान कराने के प्रयास में जुट गई है। खखरेरू थाना क्षेत्र के दामपुर मार्ग के बरहटा गांव समीप एक बुजुर्ग महिला का शव रोड किनारे देख लोगों में हड़कंप मच गया। कुछ स्थानीय लोग व पुलिस भी अज्ञात शव को देखकर लू लगने की आशंका जताई जा रहीं है। फिलहाल अभी तक पुलिस बुजुर्ग महिला के शव की शिनाख्त में जुटी हुई है। खबर लिखें जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। वहीं मामले को लेकर थाना प्रभारी प्रमोद कुमार राव ने बताया की जानकारी होते ही मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लिया गया है। जिसको पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है और मौत किस कारण हुई है यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता लग पाएगा।

मिट्टी के घड़े व सुराही की बढ़ रही मांग

फतेहपुर। भीषण गर्मी में आधुनिकता के दौर में भी मिट्टी के घड़ों की मांग बढ़ती जा रही है। गरीबों के फ्रिज के नाम से मशहूर मिट्टी से बने घड़ों की दुकाने गांव, कस्बे व शहरो के चौराहे पर सजी हुई है। गर्मी के दिनो में कई किस्म के घड़े बाजार में बेचे जा रहे हैं। घड़ों की मांग बढ़ने के साथ इनकी कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है।बाजार में एक घड़े की कीमत 100 से 200 रुपए है। सुराही का भी काफी चलन है समय बदलने के साथ टोटी लगे मटके लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है। गर्मी के दिनों में काफी लोग फ्रिज का पानी पीने की बजाए मटके के पानी से गला तर करना पसंद करते हैं। शहर के शादीपुर निवासी खुशीराम गुप्ता बताते हैं कि अच्छी मिट्टी से बने घड़े काफी ठंडक देते हैं। इस बार मटकों और सुराहियों की कीमत 60 से डेढ़ सौ रुपए तक है। घड़े के पानी की सोंधी सुगंध जो आती है। घड़े का पानी जमीन से ताजा पानी जैसा एहसास कराता है। गर्मियों में जब घड़ों की मांग बढ़ती है तो कुम्हारों का व्यवसाय भी खूब फलने फूलने लगता है। मटकों की बढ़ती मांग को देखकर अब आनलाइन डिलीवरी देने वाली कंपनियां भी इस व्यवसाय में कूद पड़ी है। जो कुम्हारों को आर्डर देकर मटकी बनवाते हैं और फिर ज्यादा दाम में कंपनियां आनलाइन भेजते हैं।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता

■ फिजीशियन डा पवन बाजपेयी के अनुसार मटके का पानी ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करके कोलेस्ट्राल कम करता है। घड़े का पानी ब्लड सर्कुलेशन बनाए रखने में मदद करता है। बताया कि मिट्टी के घड़े का पानी उत्तम होता है। गर्मी आते ही लोगों को देसी मटके की याद आनी शुरू हो जाती है।

गर्मी में बिक्री के लिए सजाकर रखे गए मिट्टी के घड़े। अमृत विचार

सार-संक्षेप

झोपड़ी में आग से दो दर्जन मुर्गियां जलकर मरीं

किशनपुर। थाना क्षेत्र के महावतपुर असहट मजरे पिपरहा डेरा गांव में देर रात अज्ञात कारणों से एक झोपड़ी में आग लग गई। जिसमें करीब दो दर्जन मुर्गियों की जलकर मौत हो गई। वहीं आग लगने से पीड़ित की उपयोगी सामग्री भी जलकर स्वाहा हो गई। पिपरहा डेरा गांव निवासी प्रकाश निषाद गांव में ही तालाब के पास झोपड़ीनुमा मकान बनाकर रहता है। उसी झोपड़ी में वह मुर्गी पालन का भी काम करता है। गुरूवार की देर रात करीब दस बजे के आसपास अज्ञात कारणों से झोपड़ी में आग लग गई। झोपड़ी में लगी आग से उठता हुआ धुआं देख प्रकाश निषाद के होश उड़ गए। कुछ देर बाद शोर शराबा सुन मौके पर ग्रामीण इकट्ठा हो गए। कुछ देर बाद सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस व ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। ग्रामीणों ने सबमर्सिबल व हैंडपंप से पानी लाकर आग पर काबू पाया। इस दौरान पीड़ित प्रकाश निषाद की करीब दो दर्जन मुर्गियां आग की चपेट में आ गई। जिससे उनकी जलकर मौत हो गई। वहीं झोपड़ी में पीड़ित परिवार की अन्य सामग्री व खाने पीने की सामग्री भी जल गई।

संदिग्ध हालत में महिला ने खाया जहर, मौत

जाफरगंज। एक महिला ने गुरूवार की देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी पर पहुंचे मायकेपक्ष ने ससुरालियों पर जहर खिलाकर मार डालने का आरोप लगाया है। थाना क्षेत्र के डिघरूवा गांव निवासी सुनील उर्फ छोटू सोनकर की पत्नी पूनम (25) ने गुरुवार देर शाम करीब नौ बजे के करीब घरेलू कलह के चलते घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत खराब होने पर ससुरालीजन आनन फानन जहानाबाद लेकर गए, जहां महिला को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि पूनम अपने चार साल के बेटे अंकेश को छोड़कर गई है। मौत की खबर पाकर बिंदकी कोतवाली के गांव जनता निवासी मृतका के पिता मिठाई लाल सोनकर परिजनों के साथ बेटी की ससुराल पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाते हुए बताया कि करीब छह साल पूर्व हिंदू रीति रिवाज से बेटी की शादी से की थी। सामर्थ्य के अनुसार दान दहेज दिया था। पति सुनील उर्फ छोटू, जेठ, देवर, ननद, सास ट्रैक्टर खरीदने के लिए तीन लाख रुपए की मांग कर बेटी को प्रताड़ित करते थे। गुरुवार को भी बेटी के साथ मारपीट किया था। आरोप है कि उसे जहर खिला कर मार डाला गया है। घटनास्थल पर पहुंचे सीओ जाफरगंज पड़ोसियों से घटना की जानकारी ली। थाना प्रभारी सत्यपाल सिंह ने बताया कि पिता की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मृतका

एसपी ने किया परेड का निरीक्षण

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह द्वारा शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया गया, पीटी करायी गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर परिवहन शाखा, भोजनालय, वर्दीस्टोर, क्वार्टरगार्द, घरैया लाइन की साफ-सफाई आदि का निरीक्षण कर संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए।

उमस भरी गर्मी में हीट स्ट्रोक व हार्ट अटैक का बढ़ा खतरा

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। जनपद में बीते कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी है। गर्मी के चलते लोगों की सेहत खराब हो रही है। उल्टी-दस्त व बुखार से पीड़ित मरीज बड़ी संख्या में जिला अस्पताल में पहुंच रहे हैं। जबकि हीट स्ट्रोक व हार्ट अटैक का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। मरीजों की भारी भीड़ जुटने से जांच व समुचित उपचार नहीं मिलने से पीड़ित मरीज भटकने को विवश हैं।

जिले में सुबह से ही तेज धूप व गर्म हवा के थपेड़ों से लोग बीमार पड रहे है बढ़ती गर्मी का असर लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल रहा है। गर्मी के कारण अस्पतालों में बड़ी संख्या मं. मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक, वायरल फीवर, माइग्रेन, किडनी व आंखों में इंफेक्शन और पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में पानी की कमी होने पर डिहाइड्रेशन की नौबत बन जाती है। जबकि तेज धूप व लू के थपेड़े कमजोर इम्यूनिटी के अलावा डायबिटीज, किडनी या दिल की बीमारियों से पीड़ितो के लिए घातक है। इससे हीटस्ट्रोक व हार्टअटैक का खतरा रहता है। मौजूदा समय में जहां उल्टी दस्त, बुखार, पेट दर्द सीने में दर्द का प्रकोप पांव पसार रहा है। शुक्रवार को भी जिला अस्पताल की ओपीडी में नौ सौ नए व करीब दो सौ पुराने मरीज इलाज कराने पहुंचे। इससे पंजीकरण कराने, दवा लेने व जांच कराने के लिए मरीजों के बीच मारामारी की स्थिति रही। यहां गंभीर मरीजों को ही भर्ती किए जाने के बावजूद वार्डों में बिस्तर फुल हो गए हैं। मरीजों को दवा लिखकर टरकाए जाने से वह घरों को लौट रहे हैं।

जांच कराने के लिए नंबर के इंतजार में बैठे मरीज। अमृत विचार

● शुक्रवार को जिला अस्पताल पहुंचे 11 सौ मरीज

● वार्ड फुल होने के चलते दवा देकर टरकाए जा रहे मरीज

इयूटी पर मुस्तैद रहें डॉक्टर

■ सीएमओ डॉ. इस्तियाक अहमद ने बताया कि गर्मी में उल्टी दस्त बुखार हीट स्ट्रोक को देखते हुए सभी स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त दवाएं उपलब्ध कराई जा चुकी है। स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को डॉक्टरों कर्मियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा वार्डों को ठंडा रखने के लिए निर्देशित किया गया है। बिजली के न आने पर कूलर चलाने के लिए जनरेटर संचालित कराने के भी निर्देश दिए गए हैं। उन्होने लोगों से धूप से बचने तथा अधिकाधिक मात्रा में पानी पीने के साथ ही छाछ, लस्सी, नीबू पानी आदि का सेवन करने के लिए जागरूक करने को भी कहा गया है।

15.75 लाख रुपये की धोखाधड़ी

औंग। थाना क्षेत्र के बसावनपुर गांव निवासी जितेन्द्र सिंह व एक अज्ञात के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। बताया जा रहा है कि 15 लाख 75 हजार रुपए कीमत की महिन्द्रा स्कार्पियो-एस गाड़ी की खरीददारी करवाने में कूटरचना करते हुए फर्जी एग्रीमेंट के सहारे गाड़ी अपने नाम करवाने के आरोप में भरत सिंह निवासी इन्दिरा नगर थाना गाजीपुर लखनऊ ने कोर्ट के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज की है। बताया कि एग्रीमेंट में लखनऊ आरटीओ ऑफिस के किसी ब्रोकर की मदद से वादी के फर्जी हस्ताक्षर करके आरोपी ने गाड़ी अपने नाम करवाई और फतेहपुर आरटीओ को ट्रांसफर भी कराई गई है।

ग्रामीणों को लू से बचाने के लिए दवाएं वितरित

नशामुक्ति की शपथ लेते ग्रामीण। अमृत विचार

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर इंडियन रेडक्रास सोसाइटी व डॉ सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में चेयरमैन डॉ अनुराग श्रीवास्तव द्वारा विनोबा नगर में नशामुक्ति के लिए शुक्रवार को जागरुकता अभियान हेतु गोष्ठी व लू के प्रकोप से बचाव के लिए होमियोपैथिक औषधि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डॉ अनुराग ने कहा कि ऐसी वस्तुओं का सेवन कदापि न करें जिन्हें हमें थूकना पड़े। अपने मुख को कूड़ादान न बनाएं। उसी पैसे से अच्छी वस्तुएं खाएं व ऊर्जा प्राप्त करें तथा समाज मे भी अपना योगदान दे। अपने जीवन को स्वस्थ व सुखमय बनाने हेतु नशे की किसी भी प्रकार की वस्तुओं का उपयोग बिल्कुल न करें। इंडियन रेडक्रास सोसाइटी के संरक्षक महेंद्र शुक्ल ने कहा कि तम्बाकू उत्पादों के सेवन से कैंसर जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है जिसका इलाज भी बहुत महंगा है। इसके बाद उन्होंने ग्रामीणों की उपस्थिति में सभी नागरिकों व बच्चों को लू के प्रकोप से बचाव के लिए होमियोपैथिक औषधि प्रदान की। इसके बाद उन्होंने नशामुक्ति के लिए संकल्प दिलाया। फिर सभी ग्रामीणों के साथ मिलकर नशामुक्ति का संदेश देने के लिए विनोबा नगर गांव में रैली निकाली। सभी ग्रामीण हम सबने मिलकर ठाना है...के नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस मौके पर सर्वेश गुप्ता, आचार्य रामनारायन, चैतन्य कुमार मौजूद रहे।

आरोपी पुलिस की पकड़ से दूर

औंग। कानपुर प्रयागराज हाईवे स्थित थाना क्षेत्र के थानपुर मोड़ के पास पिछले दिनों पुलिस ने अवैध डीजल भंडारण के तहत धाराओं में रिपोर्ट तो दर्ज कर ली है लेकिन आरोपी पुलिस की पकड़ बाहर हैं या फिर यूं कहें कि कुछ नेताओं से संरक्षण प्राप्त आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और यह कहते हुए सुने जा रहे हैं कि कोई कुछ भी जोर लगा ले इसमें कुछ होने वाला नहीं है।

बता दें कि ठीक इसी तरह जिस तरह गांव में अप्रैल 2023 में स्वाति वाल्व कैरियर ट्रांसपोर्टर के चालक व खलासी सहित छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट तो दर्ज हुई थी लेकिन आज तक काला बाजारी करने वालों के नाम का न तो खुलासा हुआ और न ही कोई गिरफ्तारी हुई। उस बार भी डीएम के आदेश पर ही एफआईआर दर्ज की गई थी लेकिन पूर्ति निरीक्षक के दांवपेंच से बड़ी सफाई के साथ आरोपियों को बचाया गया।

अस्पताल में ठंडे पानी का अभाव, मरीज परेशान

संवाददाता, फतेहपुर

● चार साल बाद भी आरओ प्लांट नहीं हुआ शुरू

अमृत विचार। बढ़ते तापमान के चलते जिला अस्पताल से लेकर जिला महिला अस्पताल तक शीतल जल का अभाव है। यहां सिर्फ कहने भर को ही दो आरओ प्लांट लगे हुए हैं। एक आरओ प्लांट पूरी तरह से खराब पड़ा हुआ है, तो दूसरे आरओ प्लांट से गर्म पानी निकल रहा है।

जिला अस्पताल व जिला महिला अस्पताल मिलाकर देखा जाए तो रोजाना तीन हजार से ज्यादा लोगों का आवागमन रहता है। डॉक्टर कर्मचारी भी रहते हैं। इन सभी के लिए बढ़ते तापमान के दौर में शीतल जल का अकाल पड़ा हुआ है। यहां तक कुछ लोग तो अपना शीतल जल घर से ही लेकर आ रहे हैं, तो वहीं तीमारदार व कर्मचारी दुकानों से खरीद कर ठंडा पानी पीने को मजबूर हैं। सीएमएस डा पीके सिंह ने बताया कि आरओ प्लांट की दुरुस्तीकरण के लिए पत्र लिखा गया था लेकिन टेक्नीशयन नहीं भेजा गया। जल्द ही टंकियों की सफाई भी दुरुस्त कराई जाएगी और आरओ प्लांट ठीक कराए जाएंगे जिससे लोगों को ठंडा पानी उपलब्ध हो सके।

महिला अस्पताल में बेकार पड़ा आरओ।

विश्व तम्बाकू निषेद्य दिवस | तंबाकू युक्त मंजन की अधिक लती हैं महिलाएं, युवाओं को हो रही दिक्कतें

तंबाकू खाने से एक साल में 26 को कैंसर, फिर भी नहीं चेत रहे

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट के अनुसार जिले की कुल आबादी का 9.5 प्रतिशत महिलाएं गुटका, सिगरेट, बीड़ी जैसे तंबाकू उत्पादों का सेवन करती हैं। वहीं 50.9 प्रतिशत पुरुष भी इन उत्पादों के आदी हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा जिले की आधी आबादी तंबाकू की लती है।

इसमें सिर्फ पुरुष ही नहीं काफी संख्या में महिलाएं भी शामिल हैं। यही वजह है कि एक साल में 26 लोग तंबाकू से जुड़े कई प्रकार के कैंसर की चपेट मे हैं। हर साल किसी न किसी की कैंसर से मौत होती है इसके बाद भी लोग तंबाकू की लत छोड़ने का नाम नहीं ले रहे हैं। लोगों को तंबाकू उत्पादों की लत छुड़ाने के लिए सरकार भी प्रयासरत है। इसके तहत तंबाकू उत्पादों की पैकिंग पर होने वाली भयावह तस्वीरें छापी जाती हैं जो दिल को दहला देती हैं। इसके बाद भी लोगों पर इसका असर नहीं पड़ रहा है। शहर के हर नुक्कड़ चौराहे पर तंबाकू के उत्पाद बेचें जा रहे हैं। तलब मिटाने के लिए कई बार किशोर भी तंबाकू का सेवन करते पाए जाते हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार मौन हैं। जिला अस्पताल के दंत रोग विभाग में तैनात डॉ. एसके सिंह बताते हैं कि यहां हर दो या तीन माह में चार से पांच मरीजों में कैंसर के लक्षण पाए जाते हैं। जिला अस्पताल में मुंह के कैंसर के इलाज की व्यवस्था नही है। ऐसे में मरीजों को लखनऊ के लोहिया कैंसर इंस्टीट्यूट, किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज रेफर किया जाता है। इन अस्पतालों में मरीजों की जांच और ऑपरेशन जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। बताया कि ओपीडी में कई ऐसे मामले भी आते हैं जिनमें मरीज तंबाकू का सेवन तो नहीं कर रहा होता है लेकिन तंबाकू युक्त मंजन जैसी चीजें प्रयोग कर रहा होता है। महिलाएं ऐसे मंजन का अधिक प्रयोग करती हैं। ऐसे में दांत साफ करने के बहाने मंजन आपको जानलेवा बीमारी भी दे रहा है। ऐसे में मरीजों को इन उत्पादों का प्रयोग न करने की सलाह दी जाती है।

तंबाकू निषेध दिवस 2024 की थीम

प्रतिवर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस एक खास थीम पर आधारित होता है। युवाओं में तंबाकू उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को देखकर इस साल की थीम प्रोटेक्टिंग चिल्ड्रेन फ्रॉम टोबैको इंडस्ट्री यानी बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना है की रखी गई है।

इतना घातक है तंबाकू

- करीब 7000 रसायनों का होता है प्रयोग
- 60 प्रकार के रसायन कैंसर और दिल की बीमारियों की बनते हैं वजह
- प्रतिवर्ष 70 लाख लोगों की कैंसर की चपेट में आकर होती है मौत

तंबाकू छोड़ते ही शरीर में होने लगते बदलाव

- पहले 3 माह में फेंफड़े मजबूत होने लगते हैं, ब्लड फ्लो में सुधार आता है
- 12 महीने में दिल की बीमारी का जोखिम 50 प्रतिशत तक कम हो जाता है
- 05 साल में लकवा, सर्वाइकल का जोखिम काफी हद तक कम हो जाता है
- 10 साल बाद लंग कैंसर से मौत का जोखिम 50 प्रतिशत कम हो जाता है

मेडिकल छात्रों ने तंबाकू का सेवन न करने की ली शपथ

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को विश्व तम्बाकू दिवस का आयोजन अमर शहीद जोधा सिंह अटैया ठाकुर दरियाव सिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं डीन डा. आरपी सिंह की अध्यक्षता में किया गया। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 1987 में तम्बाकू निषेध दिवस मनाने का फैसला लिया। इसका मुख्य कारण था कि उस दौर में तम्बाकू का सेवन से होने वाली मौतों की संख्याओं की बढ़ोतरी होना रहा। उन्होंने सभी छात्रों को तम्बाकू के प्रयोग न करने की शपथ दिलायी।

इस कार्यक्रम में 200 मेडिकल छात्र-छात्राओं एवं फैकल्टी मेम्बर्स ने विश्व तम्बाकू नियंत्रण पर उद्बोधन दिया। साथ ही डा प्रदीप कुमार, एचओडी मेडिकल कालेज ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुये बताया कि युवाओं को आगे आकर इस तम्बाकू निषेध के दिन प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। साथ ही लोगों को बताना चाहिए कि तम्बाकू हम सब के लिये किस प्रकार हानिकारक है। इसी क्रम में डा राजीव जायसवाल उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि तम्बाकू हमारे शरीर के प्रत्येक भाग को प्रभावित करता है। बताया कि धूम्रपान मानसिक स्वास्थ्य के साथ ही शारीरिक सेहत पर भी नकारात्मक असर डाल सकता है। इसे किसी भी रूप में सेवन करने पर जीवन पर खतरा पड़ सकता है। उन्होंने कोटपा अधिनियम की सभी धाराओं पर प्रेजेंटेशन दिया। साथ ही नोडल अधिकारी, तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम डा सुरेश कुमार ने बताया कि तम्बाकू का सेवन रोकने के लिये इससे होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष दुनियाभर में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इसी के साथ-साथ मुख्य चिकित्सालय अधिकारी डा इश्तियाक अहमद ने हस्ताक्षर अभियान कर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को तम्बाकू न सेवन करने की शपथ दिलायी। साथ ही उन्होंने बताया कि तम्बाकू के उपयोग से फेफड़ों का कैंसर दिल से जुड़ी बीमारियों, सांस से जुड़ी बीमारियां आदि होती है।

शपथ लेते मेडिकल कालेज के छात्र व स्टाफ। अमृत विचार

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

नौतपा में सूर्यदेव ने बरसाई 'आग', कर्फ्यू जैसे हालात

गर्मी व लू का कहर : शुक्रवार को दिन में 46 डिग्री तापमान पहुंचा, घरों से निकलने की लोग हिम्मत नहीं जुटा सके

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। भीषण गर्मी और धूप की बढ़ती तपिश से जिला तप रहा है। जिला हीट वेव की चपेट में आ चुका है। इसलिए बाजारों और सड़कों पर कर्फ्यू जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। तापमान 46 डिग्री के आसपास पहुंच चुका था। लोग घरों में कैद होने को मजबूर हो रहे हैं। गुरुवार को भी भीषण गर्मी का सितम जारी रहा।

सूर्यदेव की तपिश से मानों आसमान से आग बरसी हो। भीषण गर्मी ने जिले के लोगों को चपेट में ले रखा है। गर्मी से बचाव के साधन भी इस समय बेअसर साबित हो रहे हैं। सुबह से ही सूर्यदेव आंखे तरेर रहे हैं, सूर्यदेव की तेज के आगे इस समय हर कोई बेबस नजर आ रहा है। हालांकि बुधवार को शाम के समय मौसम में कुछ परिवर्तन देखने को मिला था और धूल भरी आंधी चलने से गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली थी। लोग उम्मीद लगाए थे कि अब मौसम ठीक रहेगा लेकिन सुबह दस बजते ही सूर्यदेव का प्रचंड रूप देखने को मिला और एक बार फिर से भीषण गर्मी और हीट वेव ने जिले को अपनी आगोश में ले लिया। भीषण गर्मी और धूप की तपिश के चलते लोग घरों से निकलने की हिम्मत नही जुटा सके। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक भीषण गर्मी का असर देखने को मिला। शहर के प्रमुख बाजार जिनमें सुबह से लेकर देर रात तक लोगों की भीड़ रहती थी, उन बाजारों में कर्फ्यू जैसा नजारा देखने को मिला। दुकानदार भी दुकानों में एसी कूलर के सहारे बैठे दिखाई दिए। ग्रामीण बाजारों में भी सन्नाटा पसरा रहा। गर्मी अधिक होने के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा है। कामकाज मानो ठप हो गए हैं। मौसम जानकारों की माने अभी चार दिन तक राहत मिलती नही दिख रही है। दो जून के बाद मौसम में कुछ तब्दीली आएगी। डॉ. एके सचान ने बताया कि इस समय गर्मी से अपने आपको और बच्चों को बचाना बड़ी चुनौती है। बच्चों को धूप में निकलने न दिया जाए। सभी को अधिक से अधिक पानी पीते रहना चाहिए। बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें अगर घर से बाहर निकलना जरूरी है तो मुंह और सिर को अच्छी तरह से सूती कपड़े से ढककर ही निकलें।

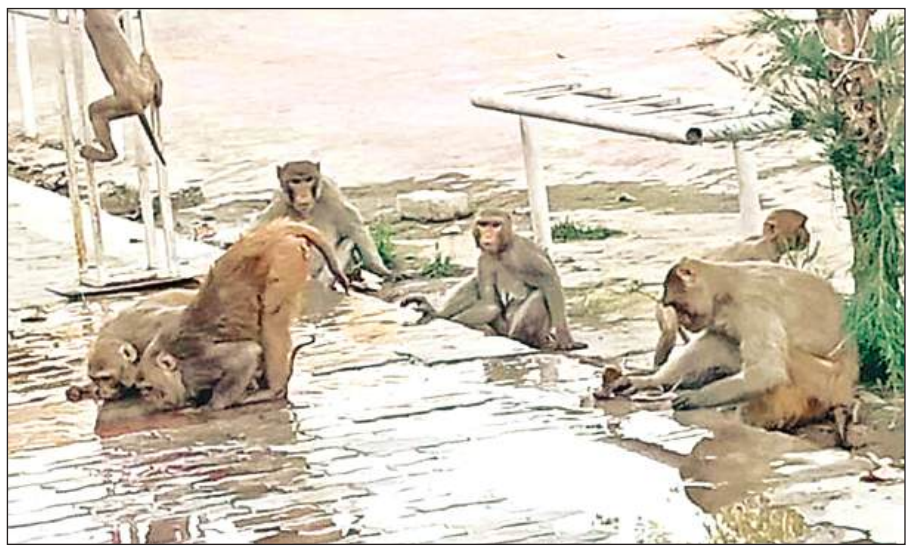

गर्मी से बेहाल बंदर प्यास बुझाते हुए। अमृत विचार

पशु पक्षी भी हो रहे व्याकुल, छुट्टा गोवंश तड़पे

भीषण गर्मी में इंसान ही नही पशु पक्षी भी व्याकुल हो रहे हैं। जिले के अधिकांश तालाबों में पानी नही है और जिले की बंबा नहर और नाले भी इस समय सूखे पड़े हैं। पशु पक्षी पानी को भटक रहे हैं। सबसे ज्यादा हालत खराब छुट्टा गौवंशों की हो रही है। सड़कों पर घूमने वाले गौवंश तो अब आश्रय की तलाश में है लेकिन उनको आश्रय देने वाला कोई नहीं है।

बच्चों व खुद को कपड़े से ढककर बाइक से जाते दंपति। अमृत विचार

मक्के के दाने पिचके, सब्जियां मुर्झाईं

- भीषण गर्मी और धूप की तपिश ने फसलों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। इस समय खेतों में मक्का की फसल तैयार हो रही है। मक्का की फसल में भुट्टा आ रहा है लेकिन अधिक गर्मी और धूप की तपिश के कारण भुट्टे में आ रहे मक्का के दाने पिचक गए हैं। किसान बताते है कि लगातार सिंचाई के बाद भी मक्का के दानों पर गर्मी का असर पड़ रहा है। मक्का के दाने पिचकने से मक्का के उत्पादन पर असर पड़ेगा। सब्जियों की फसल नाजुक मानी जाती है अधिक गर्मी के कारण सब्जियों की फसल भी प्रभावित हो रही है। तोरई, भिंडी, टमाटर, घुईया, खीरा आदि सब्जियां मुरझा गई है। सब्जियों के मुरझा जाने का असर आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा। सब्जियों के दामों में कई गुना बढ़ोत्तरी देखने को मिल सकती है। गंगा और यमुना इलाके में रेती पर भी भीषण गर्मी का असर पड़ रहा है। इस समय रेती में खरबूजा तरबूज और सब्जियों तैयार हो रही है। लेकिन भीषण गर्मी और धूप की तपिश में रेत गर्म हो रही है जिसके कारण तरबूज सब्जियां आदि झुलस कर खराब हो रही है। किसान बताते है इससे पहले उन्होंने ऐसी गर्मी खास तौर पर धूप में तेजी कभी नही देखी है कि पानी लगाते रहने के बाद भी धूप की तपिश को फसलें सहन नही कर पा रही है और झुलस कर खराब होती जा रही हैं।

सिरदर्द, मिचली, थकान लगे तो डॉक्टर से करें संपर्क

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। जनपद में पड़ रही भीषण गर्मी लोगों को बीमार कर रही है, जिससे बचाव के लिए प्रशासन के साथ स्वास्थ्य विभाग एक्टिव हो गए हैं। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग ने ग्रीष्म ऋतु में लू से बचाव के लिए आवश्यक जानकारी देते हुए अहतियात बरतने की हिदायत दी।

सीएमओ डा. इस्तियाक अहमद ने बताया कि हीट स्ट्रोक भारतीय व अन्तर्राष्ट्रीय मानकों, भारतीय मौसम विभाग के अनुसार जब किसी जगह का स्थानीय तापमान गर्मी में शरीर के द्रव्य बाडी फल्यूड सूखने लगता है। शरीर से पानी नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसंस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह वालों को लू लगने की आशंका अधिक रहती है। उन्होंने हीट स्ट्रोक के लक्षण की जानकारी देते हुए बताया कि गर्म लाल शुष्क त्वचा होना, पसीना न आना, तेज पल्स, इसके लक्षण हैं। अधिक से अधिक पानी पियें, यदि प्यास न लगी हो तब भी पानी पीते रहें। हल्के रंग के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहनें। खुले में कार्य व यात्रा में पीने का पानी साथ ले जायें।

- हीटस्ट्रोक के चलते स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी
- रोजाना दिए जा रहे स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश

जल संकट बरकरार

आग उगलती गर्मी का असर अब पेयजल आपूर्ति पर पड़ रहा है। शहर में जहां नलकूप लो वेल्टेज आदि समस्या से हांफ रहे हैं तो वहीं गांवों में हैंडपंप पानी छोड़ रहे हैं। इससे पानी की आपूर्ति बाधित हो रही है।

धूप ने रोके निर्माण कार्य

चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी ने निर्माण से लेकर अन्य कार्यों को मानो रोककर रख दिया है। सुबह आठ बजते ही धरती तपने लगती है हालात यह हो रहे है कि खुले आसमान के नीचे खड़े होने की हिम्मत नहीं है। कारीगर से लेकर मे मिस्त्री और मजदूर काम करने की हिम्मत नही जुटा पा रहे है।

नहीं निकल रहे यात्री, बस अड्डे सूने

भीषण गर्मी के कारण यात्री नही निकल रहे है इससे रोडवेज को लाखो रुपए का नुकसान हो रहा है। धूप की तपिश से बसों की बाडी गर्म होकर लाल हो रही है। बस से सफर करना अब दूभर हो रहा है इसके कारण यात्री रोडवेज बसों से सफर करने को लेकर दूरी बनाए हुए हैं। बस अड्डे पर इक्का-दुक्का यात्री दिखे।

मरीजों को दवा नहीं, दे रहे सिर्फ परामर्श

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। आयुष विंग के संचालन को लेकर लाखों खर्च होने के बाद भी मरीज को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। हकीकत तो यह है कि यहां पर दो साल से दवाई नहीं है। मरीज को सिर्फ परामर्श ही मिल रहा है। जनप्रतिनिधि इस ओर उदासीन हैं।

जिला अस्पताल के परिसर में स्थित आयुष सिंह में मरीज को तीन पद्धतियों से इलाज करने की सुविधा उपलब्ध है। इसमें यूनानी पद्धति, होम्योपैथिक पद्धति, आयुर्वेदिक पद्धति से मरीज को परामर्श दिया जाता है, लेकिन यहां पर पिछले दो वर्षों से दवाई नहीं है। जिसके कारण डॉक्टर कर्मचारी तो अपनी ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन इसका लाभ मरीज को सिर्फ परामर्श तक ही सिमट कर रह गया है। जिम्मेदारों की माने तो कई बार दवाओं की डिमांड की जा चुकी है, लेकिन अभी तक दवा नहीं मिली। इस तरह से करीब दो वर्ष पूरे हो गए हैं। आयुष विंग में जहां दवाओं की कमी पसरी हुई है। वही जिम्मेदारों की अनदेखी भी की जा रही है। पिछले कई सालों से आयुष विंग के भवन की रंगाई और पुताई पर भी कोई ध्यान नहीं दिया गया है। डॉक्टरों की माने तो पिछले दो साल से आयुष सिंह में दवाएं होने के कारण अब मरीजों की संख्या में भी काफी कमी आई हुई है। अगर यही हालत और रहे तो फिर इस अस्पताल में ताला भी लग सकता है।

जिला अस्पताल के परिसर में स्थित आयुष विंग। अमृत विचार

पानी तक की व्यवस्था नहीं

आयुष विंग में जब से भवन बना है, तभी से यहां पर डॉक्टर के लिए व कर्मचारियों के लिए शीतल जल की व्यवस्था नहीं है। हकीकत यह है कि डाक्टर व कर्मचारी बाहर से खरीद कर पानी पी रहे हैं।

आयुष विंग में दवाओं की कमी के बारे में उच्चाधिकारियों को कई बार डिमांड लेटर भेजा जा चुका है। जैसे ही ऊपर से कोई आदेश मिलता है तो उसे अमल में लाया जाएगा।

-डॉ. इस्तियाक अहमद सीएमओ

विवाहिता ने फांसी पर लटक कर दे दी जान

संवाददाता, धाता

अमृत विचार। धाता थाना क्षेत्र के अहमदपुर कुसुंभा गांव में आज एक विवाहिता ने फांसी के फंदे पर लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या कर शव फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है।

बता दें कि अंजली सिंह पुत्री तेज प्रताप सिंह ग्राम कुसेली थाना राजापुर जनपद चित्रकूट की रहने वाली थी जिसकी शादी लगभग दो वर्ष पूर्व अहमदपुर कुसुंम्भा गांव के निवासी धीरेन्द्र सिंह पुत्र शोभित सिंह के यहां हुई थी दहेज में 15 लाख रुपए व 10 लाख रुपए का दहेज व जेवरात दिया गया था। जिसमें ससुराल के परिजन संतुष्ट नहीं थे आयदिन वह दहेज के नाम पर लड़की को प्रताड़ित करते थे अंजली अपने घर की एकलौती पुत्री थी। उसके पिता सेना मे कैप्टन के पद से रिटायर हुए थे परिजनों ने आरोप लगाया कि अंजली का पति शराब पीने का आदी था।

वह आए दिन शराब के नशे में मेरी लड़की को मारता पीटता था और कहता था कि अपनी सारी संपत्ति मेरे नाम कर दो गुरुवार की रात 8:30 बजे मेरी लड़की से बात भी हुई थी जब उससे खाना खाने के लिए पूछा तो उसने बताया कि अभी जब वह घर आ जाएंगे तभी मैं खाना खाऊंगी। रात 2 बजे फोन पर घटना की जानकारी मिली तब हम लोग पहुंचे। मेरी लड़की के शरीर पर चोट के निशान थे।

पुरानी रंजिश में युवक को पीट कर किया घायल

बिंदकी। पुरानी रंजिश के चलते एक युवक को कुछ लोगों ने लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट की घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई। घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टर ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए कानपुर के लिए रेफर कर दिया।

नगर के लललौली चौराहे में गुरुवार की रात को पुरानी रंजिश के चलते युवक रजनीश यादव निवासी महजनी गली बिंदकी के साथ कुछ लोगों ने लाठी डंडा से मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। मौके पर भारी भीड़ लग गई। घायल रजनीश को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया।

पुराने विवाद के चलते युवक को पीटकर किया घायल

संवाददाता, बिन्दकी

अमृत विचार। पुराने विवाद के चलते युवक को पड़ोसियों ने पीटपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक अपने परिजनों के साथ पुलिस के पास पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर घायल युवक को मेडिकल परीक्षण के लिए समुदायिक स्वथ्य केंद्र भेजा पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कोतवाली क्षेत्र के दरवेशाबाद गांव निवासी श्रीकांत पुत्र स्व बेचेलाल को पुराने विवाद को लेकर गांव के ही पप्पू और सोनू ने पीट-पीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक अपने परिजनों के साथ पुलिस के पास पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर घायल युवक को मेडिकल के लिए भेजा।

शोभायात्रा निकाल अहिल्याबाई होल्कर की मनाई जयंती

संवाददाता, खागा

अमृत विचार। 31 मई 1725 को जन्मी मराठा साम्राज्य की प्रसिद्ध महारानी तथा इतिहास-प्रसिद्ध सूबेदार मल्हारराव होलकर के पुत्र खण्डेराव की पत्नी लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 299वीं जयंती पर पाल एकता मंच की ओर से हुसैनगंज से मवई, छिवलहा होते हुए डीजे की धुन के साथ शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। शोभा यात्रा का समापन हथगाम में हुआ। जहां पाशा गेस्ट हाउस में विचार गोष्ठी हुई। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने संबोधन किया।

अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल।

पाल एकता मंच की ओर से अरविंद पाल, स्वामी शरण पाल प्रधान, डॉ. अमित पाल, घनश्याम पाल टक्करी, मोनू पाल, धर्मेंद्र पाल आदि के नेतृत्व में मातेश्वरी देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर शोभायात्रा निकाली गई।

जन्मोत्सव समारोह एवं शोभा यात्रा में पाल समाज के युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शोभायात्रा का समापन हथगाम नगर के गेस्ट हाउस में हुआ, जहां अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ उन्हें नमन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष मुखलाल पाल ने युवाओं के जोश की प्रशंसा की और कहा कि हम गौरवशाली समाज के वंशज हैं।

जनजागरण पर जोर | पर्यावरण समिति की बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने दिए निर्देश

प्लास्टिक जब्त करने के अभियान में तेजी लाएं

संवाददाता, फतेहपुर

अमृत विचार। जिला पर्यावरण समिति की बैठक में प्लास्टिक जब्त करने अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक को न उपयोग करने के लिए नागरिकों को जागरूक करें एवं दुकानदारों को प्रयोग न करने की चेतावनी भी देने के निर्देश दिए गए।

महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी पवन कुमार मीना की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उन्होंने पर्यावरण से संबंधित ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, कंस्ट्रक्शन एवं डिमोलिशन वेस्ट प्रबंधन, जैव चिकित्सा अपशिष्ट, प्रतिबंधित पालीथीन, सिंगल यूज प्लास्टिक आदि बिन्दुओं की विस्तार से समीक्षा की।

उन्होनें कहा कि नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों में नियमित साफ-सफाई, कूड़े का उठान समय से कराये, नगर पालिका, नगर पंचायत क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और निगरानी बनाये रखने के निर्देश दिए। नगर पालिका, नगर पंचायतों में निर्माणाधीन एमआरएफ सेंटर का कार्य शेष है, जिसे जल्द पूरा कराते हुए कूड़ा निस्तारण कराया जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी नियमानुसार कार्यवाही पूरी करते हुए नाले की साफ सफाई कराना सुनिश्चित करें।

अधिकारियों की बैठक लेते सीडीओ पवन कुमार मीना। अमृत विचार

साथ ही नाले की जाली की भी सफाई कराएं। जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निस्तारण नियमानुसार कराए और इसकी निरंतर निगरानी बनाए रखें। उन्होंने कहा कि 2024-25 के लिये वृक्षारोपण का शासन द्वारा विभागों को पौधरोपण का लक्ष्य आवंटित कर दिया गया है, जिन विभागो की कार्ययोजना पौधरोपण के लिए नहीं प्राप्त हुई है, जल्द से जल्द अपनी कार्ययोजना बनाकर दे दें। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप, प्रभागीय वनाधिकारी रामानुज त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी, उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एआरटीओ, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, डीसी मनरेगा, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, गंगा सुरक्षा समिति के शैलेन्द्र शरन सिम्पल, क्षेत्रीय रेंजर सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

महिला से मिलने पहुंचे युवक की पिटाई

संवाददाता, फतेहपुर

- ब्यूटी पार्लर पहुंचा था युवक गंभीर रूप से हुआ घायल
- दोनों तरफ से दी गई तहरीर पुलिस जांच में जुटी

अमृत विचार। ब्यूटी पार्लर चला रही एक महिला से मिलने उसका प्रेमी पहुंच गया। प्रेमी युवक को देखकर महिला के परिजनों ने लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दी। युवक को इस कदर पीटा गया कि उसकी हालत गंभीर हो गई और वह बेहोश हो गया। इस बीच किसी ने युवक की पिटाई करते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

सदर कोतवाली क्षेत्र के आबू नगर मोहल्ला के रहने वाले श्याम लाल का पुत्र आनंद का क्षेत्र की एक विधवा महिला जो ब्यूटी पार्लर चलती है उसके साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक प्रेमिका से मिलने ब्यूटी पार्लर पहुंच गया। जहां पर महिला के परिजनों ने युवक को पकड़कर बेरहमी से लाठी डंडे से जमकर पीट दिया। युवक की पिटाई करते समय किसी व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि पिटाई के दौरान युवक कई बार बेहोश हो जा रहा है। फिर भी महिला के परिजन लाठी से पिटाई करने में लगे हैं। पिटाई से युवक की हालत गंभीर होने पर युवक के परिजनों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

कोतवाली प्रभारी ने बताया कि एक विधवा महिला जो ब्यूटी पार्लर चलती है। उसको एक युवक परेशान करता था। उसके ब्यूटी पार्लर मिलने पहुंचा था। जहां पर महिला के परिजनों ने युवक की पिटाई कर दी। पिटाई से युवक को गंभीर चोट आई है। युवक की मां ने महिला के परिजनों के खिलाफ तहरीर दी है। दूसरी और महिला ने भी छेड़खानी की तहरीर दी है। दोनों प्रार्थना पत्र की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

सार-संक्षेप

पैथोलॉजी कर्मी की सड़क हादसे में मौत, कोहराम

थरियांव। पैथोलॉजी कर्मी ब्लड सैंपल लेने बिलंदा कस्बे में जा रहा था। जैसे ही बिलंदा नेशनल हाइवे में पहुंचा तो पीछे से आ रहे अज्ञात ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर लगते ही पैथोलॉजी कर्मी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हुसेनगंज थाना क्षेत्र के भगले का पुरवा निवासी अतुल यादव (30) पुत्र चरन यादव बचपन से ही अपने ननिहाल थरियांव थाना क्षेत्र के बिलंदा गांव निवासी विनोद यादव प्रधान के यहां रहकर अपनी पढ़ाई लिखाई पूरी की। हसवा कस्बे में पटेल पैथोलॉजी में वह काम करता था। शुक्रवार की दोपहर करीब ढाई बजे ब्लड सैंपल लेने के लिए बिलंदा कस्बे जा रहा था। तभी जैसे ही बिलंदा नेशनल हाईवे के पास पहुंचा तो पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही पैथोलॉजी कर्मी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही मां गुड्डी देवी पिता चरन यादव का रो-रो कर बुरा हाल बेहाल रहा। थानाध्यक्ष रणजीत बहादुर सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

अतुल यादव।

धान का बीज लेने जा रहे किसान को पीटकर 30 हजार छीने

फतेहपुर। हुसेनगंज बाजार धान का बीज लेने जा रहे किसान को दोपहर में बाइक सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर रोका और 30 हजार रुपये लूट लिए। बाइक छोड़कर भागे किसान ने गांव पहुंचकर पुलिस को खबर दी। किसान की आशंका पर पुलिस संदिग्धों की धरपकड़ कर रही है। थरियांव थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर कला गांव निवासी इरशाद अली बाइक से सुबह धान का बीज लेने के हुसेनगंज बाजार जा रहा था। किसान ने बताया कि बदले के पुरवा और मोहम्मदपुर कला के बीच पीछे से बाइक सवार तीन बदमाशों ने उसे ओवरटेक कर रोक लिया और पीटकर 30 हजार रुपये छीन लिए। पिटाई से बचने को किसान बाइक छोड़कर भाग निकला। लोगों को आपबीती बताई और 112 नंबर पुलिस को सूचना दी। थरियांव सीओ अरुण राय, हुसेनगंज और थरियांव थाने का फोर्स पहुंचे। किसान ने पुलिस को दो लुटरों पहचानने का दावा किया। बदमाशों को पड़ोसी गांव का बताया। थानाध्यक्ष रणजीत बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। दूसरे पक्ष को बुलाया गया है। दूसरे पक्ष के आने पर मामला साफ हो सकेगा।

प्रताड़ना से परेशान महिला ने दी जान

फतेहपुर। एक महिला ने ससुरालियों की प्रताड़ना से तंग आकर फांसी के फंदे से झूल गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं मायके पक्ष ने ससुरालियों पर आरोप लगाया है। बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी धीरेंद्र सिंह उर्फ पिंटू सिंह की पत्नी अंजली सिंह की संदिग्ध मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस में मृतका के मामा अशोक सिंह ने बताया कि उसकी भांजी की शादी 25 मई 2022 को हुई थी। शादी के बाद से ही ससुरालीजन जमीन को लेकर आयदिन उसकी भांजी को मारते-पीटते थे। मांग पूरी न होने पर गुरूवार की शाम ससुरालीजनों ने अंजली को मारने-पीटने के बाद उसकी हत्या कर दी तथा हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फांसी पर लटका दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मृतका अंजली छह माह की गर्भवती थी। मामा अशोक सिंह ने पति, सास फूलमती व दो ननंदों के खिलाफ तहरीर दी है। वहीं पूनम देवी के भाई कमल कुमार ने पति, ननंद लक्ष्मी, देवर ननकू, पवन, जेठ कमलेश, सास बिटान के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने पति सुनील को हिरासत में ले लिया है।

एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज

औंग। गुरूवार को थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की को दो लोगों के द्वारा जबरन आम के बगीचे में छेड़छाड़ व दुष्कर्म के प्रयास किए जाने के मामले में जब पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो पीड़िता ने एसपी से शिकायत की थी। तब जाकर पुलिस ने एसपी के आदेश पर रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। अभी तक आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

घर में घुसकर मारपीट, एक घायल

औंग। कल्यानपुर थाना क्षेत्र के महरहा गांव निवासी छोटेलाल व प्रियांशु ने बिना कारण रामकरन के घर में घुसकर उसके पुत्र अजय को लाठी डंडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। गंभीर हालत में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया। जहां डाक्टर ने उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। सदर अस्पताल से गंभीर हालत में उसे डाक्टर ने कानपुर रेफर किया है। मामले की तहरीर रामकरन ने पुलिस को दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नागेश्वर धाम में आठवां संत सम्मेलन आज से

खागा। ऐरायां विकास खंड क्षेत्र के सेमई का पुरवा मजरे रसूलपुर भंडरा स्थित नागेश्वर धाम आश्रम में आज यानी शनिवार से दो दिवसीय आठवां संत सम्मेलन एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इसकी जानकारी स्वामी देव गिरि महाराज ने दी है। नागेश्वर धाम आश्रम के स्वामी जी ने बताया कि शनिवार से संत प्रवचन एवं रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन दस बजे से शुरू होगा। धार्मिक प्रवचन देने के लिए पंजाब से स्वामी हरि चेतन पुखरायां कानपुर देहात से श्री 108 स्वामी दयानंद एवं बांदा से स्वामी विवेकानंद आ रहे हैं।

गैर इरादतन हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

फतेहपुर। राधानगर पुलिस ने कोढई मजरे नेवलापुर निवासी राकेश कुमार सिंह पुत्र स्व. रामगोपाल और प्रेम सिंह के खिलाफ मारपीट, गैरइरादतन हत्या की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी। जिसके बाद से आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों की गिरफ्तारी करते हुए आलाकत्ल एक फावड़ा व एक अदद कुल्हाड़ी बरामद की है। इसके बाद आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है।

बालिकाओं को किया जागरुक

फतेहपुर। सभी थानों की एण्टी रोमियो टीम अपने-अपने थाना क्षेत्र में भ्रमणशील रहीं। टीम ने महिलाओं व बालिकाओं को महिला सुरक्षा के लिए जारी विभिन्न हेल्प लाइन नम्बरों की जानकारी देकर उनको जागरूक किया।

ओवरलोडिंग से ट्रांसमिशन सेंटर में केबिल जली

घंटों बंद रही कई उपकेंद्रों की बिजली, दमकल की टीम ने पहुंचकर आग पर काबू पाया

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। भीषण गर्मी से ओवरलोडिंग के चलते ट्रांसमिशन सेंटर से ठठिया उपकेंद्र को जाने वाली 33000 वोल्ट बिजली केबिलें जलने लगीं। दमकल की बड़ी गाड़ी नहीं पहुंच सकी तो छोटी से पहुंचे कर्मियों ने आग पर काबू पाया। सुरक्षा को लेकर कुछ अन्य उपकेंद्रों की बिजली काट दी गई। इससे घंटों बिजली गुल रही।

भीषण गर्मी में बिजली की मांग अधिक होने से मशीनें, ट्रांसफार्मर व केबिल गर्म हो रहे हैं। इनको बचाने का प्रयास विभाग कर रहा है। इस के बाद भी शुक्रवार को मकरंदनगर ट्रांसमिशन सेंटर से ठठिया विद्युत उपकेंद्र को जाने वाली 33000 हजार वोल्टेज की लाइन में आग लग गई। इससे निकट खड़ी घास भी जलने लगी। इंजीनियर ने अन्य उपकेंद्रों को जाने वाली लाइनों को बचाने के लिये ठठिया के अलावा चार अन्य उपकेंद्रों की बिजली बंद कर दी। जानकारी पर दमकल टीम बड़ी गाड़ी के साथ मौके पर पहुंची। बड़ी गाड़ी पहुंचने की जगह न होने से से वह गेट के पास ही खड़ी हो गई। इस पर दमकल कर्मियों ने तत्काल फोन कर तत्काल छोटी गाड़ी को बुलाया। एक घंटे के प्रयास बाद आग पर काबू पाया जा सका। केबिल जल जाने से ठठिया विद्युत उपकेंद्र को जाने वाली बिजली की सप्लाई बंद हो गई। कई अन्य उपकेंद्रों की सप्लाई बंद कर दी गई। आग शांत होने के बाद ट्रांसमिशन सेंटर के इंजीनियर बारी बारी से सभी उपकेंद्रों को चालू कर जानकारी लेंगे कि किस उपकेंद्र की केबिल में और फाल्ट हुआ है। अधिशाषी अभियंता मगन सिंह का कहना है कि भीषण गर्मी के चलते केबिल गर्म होकर जल रहीं हैं। इनको बचाने का प्रयास किया जाता है पर अचानक फाल्ट होने पर जानकारी नहीं हो पाती है। इसलिये केबिल जल जाती है।

मकरंदनगर ट्रांसमिशन सेंटर की जलती केबिल को बुझाता दमकल कर्मी।

इंदुईयागंज विद्युत उपकेंद्र में पहुंची वीसीबी मशीन

गुरसहायगंज, कन्नौज। आंदोलन, प्रदर्शन और लोगों की मांग के बाद बिजली विभाग ने काम करना शुरू कर दिया है। इंदुईयागंज विद्युत उपकेंद्र में वीसीबी (वैक्यूम सर्किट ब्रेकर) मशीन आने के बाद अघोषित कटौती की समस्या से निजात मिलने की संभावना जताई जा रही है। शुक्रवार को अवर अभियंता विकास कुमार ने बताया कि इंदुइयागंज विद्युत उपकेंद्र में वीसीबी मशीन आ गई है। लाइन डालने का कार्य पहले ही किया जा चुका है। शनिवार को पांच एमवीए का ट्रांसफार्मर भी इंदुईयागंज उपकेन्द्र में स्थापित किया जाएगा। इसके बाद कस्बा समधन व इस्माइलपुर फीडर को नगर से हटाकर इंदुईयागंज से जोड़ दिया जाएगा। इससे गुरसहायगंज विद्युत उपकेंद्र का लोड कम हो जाएगा और स्थानीय नागरिकों को 22 घंटे विद्युत आपूर्ति देने का प्रयास होगा।

आज से 15 जून तक आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों का रहेगा अवकाश

- सुरक्षा के लिए अन्य उपकेंद्रों की भी काटी गई आपूर्ति

कन्नौज। एक से 15 जून तक आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का अवकाश घोषित कर दिया गया है। डीएम ने इसकी अनुमति दे दी है। इस अवधि में केंद्र पर बच्चे नहीं आयेंगे। अन्य गतिविधियों में कार्यकत्री व सहायिकाएं शामिल रहेंगी।

जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि जिले में अधिकतर आंगनबाड़ी केंद्र प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में संचालित हैं। इनमें 15 जून तक ग्रीष्मावकाश चल रहा है। भीषण गर्मी, लू को देखते हुए डीएम के अनुमोदन पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों का एक से 15 जून तक अवकाश घोषित किया गया है। इस अवकाश दिवस में आंगनबाड़ी पर टीएचआर वितरण, वीएचएसएनडी सत्र के दौरान लाभार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण, एवं अन्य कार्य आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की ओर से किये जायेंगे। समुदाय आधारित गतिविधि का आयोजन कलेंडर क तिथियों के अनुसार होंगे। किसी निरीक्षण में केंद्र बंद मिलने पर संबंधित आंगनबाड़ी व सहायिका को अनुपस्थित मानते हुए कार्रवाई की जायेगी। इस अवधि में मुख्य सेविका नियमित रुप से आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण करती रहेगी। अभिलेखों की जांच करती रहेगी। ड्राई राशन के लाभार्थियों का सत्यापन के अलावा केंद्र पर पाई गई कमियों को सही कराया जायेगा।

एक सप्ताह नए शेड्यूल से मिलेगी आपूर्ति

गुरसहायगंज। बिजली विभाग ने नगर में एक सप्ताह के लिए नया शेड्यूल जारी किया है। अवर अभियंता ने बताया कि एक सप्ताह तक सुबह 08 से 11 बजे तक व शाम 04 से 07 बजे तक विद्युत कटौती की जाएगी। बिजली संबंधी कार्य होने के कारण एक सप्ताह के बाद नगर को सुचारु रूप से विद्युत आपूर्ति मिल सकेगी।

हीट स्ट्रोक से युवती की हालत बिगड़ी, मौत

नाजिश फातिमा।

जलालाबाद, कन्नौज। हीट स्ट्रोक से युवती की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे निजी अस्पताल में ले गए जहां से उसे रेफर कर दिया गया। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में भी उसकी मौत हो गई। ग्राम जलालाबाद निवासी नईम ने बताया कि गुरुवार की रात उनकी पुत्री नाजिश फातिमा (35) की हीट स्ट्रोक से अचानक तबीयत बिगड़ गई। उसे गुरसहायगंज के एक निजी अस्पताल में ले गए। आराम न मिलने पर चिकित्सक ने उसे फतेहगढ़ रेफर कर दिया। अस्पताल ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत ही गई। पिता ने का कहना है कि हीट स्ट्रोक से पुत्री की मौत हो गई।

जिसे समझते रहे सुंदर बहू, वह निकली किन्नर

संवाददाता, तिर्वा, कन्नौज

- पांच साल पहले हुई थी शादी, बहू ने ससुरालियों पर दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार। ससुराली पांच साल तक जिसे सुंदर बहू समझते रहे वह किन्नर निकली। इस पर हुए हंगामे के बाद मायके जाकर उसने ससुरालियों पर रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद लडका पक्ष ने एसपी को शिकायतपत्र देकर न्याय की गुहार लगाई।

कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी महिला ने एसपी को दिए शिकायती पत्र देकर बताया कि उसने अपने पुत्र की शादी 13 जनवरी 18 को कानपुर देहात के एक गांव निवासी युवती से की थी। शादी के बाद जब उसका पुत्र पति-पत्नी का संबध बनाना चाहता तो बहू कोई न कोई बहाना कर देती। जब पुत्र ने दबाव बनाया तो उसने खुद को किन्नर बताया। इसके बाद पुत्र व बहू के बीच विवाद होने लगा। बहू ने मायके जाकर दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा के साथ भरण पोषण का मुकदमा कर दिया। महिला ने मांग की कि उसकी बहू का डाक्टरी परीक्षण कराकर उससे न्याय दिलाया जाए।

सार-संक्षेप

गंगा में युवक की तलाश करते गोताखोर। अमृत विचार

विसर्जन यात्रा में गया युवक गंगा में डूबा, लापता

गुरसहायगंज, कन्नौज। विसर्जन यात्रा में आया युवक गंगा स्नान के दौरान डूब गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से गंगा में लापता हुए युवक की तलाश शुरू कर दी है। थाना तालग्राम के ग्राम पलरी निवासी धर्मेन्द्र यादव का पुत्र अनुज यादव (21) शुक्रवार की सुबह घर से साइकिल पर सवार होकर निकला था। बताया जा रहा रहा कि चौखटा तिराहा से वह विसर्जन यात्रा में जा रही बस पर सवार हो गया और लोगों के साथ ग्राम जलेसर स्थित गंगा घाट पर पहुंच गया जहां लोगों ने उसे डीजे पर नृत्य करते देखा। गंगा स्नान के दौरान तट पर मौजूद महिलाओं ने उसे गंगा में गोते लगाते और डूबते देखा। इससे मौजूद लोगों में हडकंप मच गया। सूचना पर पहुंचे कोतवाल जयप्रकाश शर्मा व नौरंगपुर चौकी प्रभारी नीरज शर्मा ने गोताखोरों को लगाकर गंगा में डूबे युवक की तलाश शुरू कर दी। इसकी जानकारी होने पर परिजन भी गंगा तट पर पहुंच गए और युवक के लापता होने से चीख पुकार मच गई। युवक मंदबुद्धि बताया जा रहा है।

डिवाइडर से टकरा कर पलटी कार, चार घायल

जसोदा। चालक को नींद की झपकी आने से कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इससे कार में सवार चार लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटाकर मार्ग को सुचारु कराया। गाजियाबाद के प्रेमनगर लोनी निवासी रहत पुत्र अजीजुल रहमान (22), जावेद पुत्र जान मोहम्मद (23), अमन पुत्र अजीजुल रहमान (24), राशिद (29) कार पर सवार होकर गाजियाबाद से देवा शरीफ (बाराबंकी) जा रहे थे। तभी शुक्रवार की सुबह लगभग 06 बजे जसोदा स्थित हाईवे पर चालक को झपकी आ गई और कार अनियंत्रित होकर ढाबा के सामने डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। इससे कार में सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों ने चौकी पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे जसोदा चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया जहां कार चालक रहत की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

सौरिख, कन्नौज। कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। क्षेत्र के गांव भावलपुर निवासी बाइक सवार विपिन राजावत पुत्र सतपाल राजावत पड़ोसी गांव गढ़िया पाह निवासी अपने मित्र जितेंद्र के यहां गए थे। वहां से शुक्रवार दोपहर अपने गांव वापस आ रहे थे। गांव गढ़िया पाह व भावलपुर के बीच में छिबरामऊ बिधूना मार्ग पर सौरिख की तरफ से आ रही कार ने उनकी बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पहुंचे पुलिस व परिजनों ने उनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

दो पक्षों के बीच चले लाठी-डंडे, छह घायल

छिबरामऊ, कन्नौज। क्षेत्र के भोजपुर गांव में शुक्रवार सुबह सोनी पत्नी कुलदीप अपनी खाली पड़ी जगह में गोबर के उपले पाथ रही थी। उसी दौरान रक्षपाल पुत्र मिश्रीलाल ने अपनी जगह बताकर उपले पाथने से मना किया। इस पर दोनों में विवाद होने लगा। मौके पर रक्षपाल के भाई महिपाल पुत्र मिश्रीलाल, सुनील पुत्र महिपाल, अंकुर पुत्र सुनील, मीना देवी पत्नी सुनील लाठी डंडे लेकर पहुंचे और मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते दोनों तरफ से जमकर लाठी डंडे चलने लगे। घटना में दोनों पक्षों से महिलाओं समेत छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोनी पति कुलदीप की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की है।

तरबूज तोड़ने को लेकर चले लाठी डंडे, पांच घायल

सौरिख, कन्नौज। सकरावा थाना क्षेत्र के गांव मोहद्दीनगर के नदीम पुत्र बदल्ले शाह ने तरबूज का खेत बटाई पर किया था। शुक्रवार को दोपहर के समय मोहद्दी नगर के निवासी मुन्ना हुसैन के पुत्र द्वारा तरबूज तोड़ने को लेकर विवाद शुरू हुआ था के चलते दोनों पक्षों में गाली गलौज एवं लाठी डंडों से मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान एक पक्ष से नदीम पुत्र बदल्ले शाह व तस्लीम पुत्र वसीम व दूसरे पक्ष से मुन्ना हुसैन पुत्र माजिद हुसैन व उनकी पत्नी खुर्शीद बानो और दूसरी पत्नी सोनी बेगम घायल हो गई। पुलिस ने दोनों पक्षों में घायल हुए पांचो लोगों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भेजा। नदीम व तस्लीम एवं दूसरे पक्ष से खुर्शीदा बानो की हालत गंभीर होने पर तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष शशिकांत कनौजिया ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

कॉलेज के सामने शराब ठेका, लोग परेशान

सौरिख, कन्नौज। नगर के सकरावा तिराहे पर बस स्टैंड और इंटर कॉलेज के सामने शराब ठेका है। यहां शराब पीकर नशेड़ी महिलाओं व युवतियों से अभद्रता करते हैं। इससे ठेके को अन्यत्र खोले जाने की मांग की गई है। गर्मियों की छुट्टी में इंटर कॉलेज तो बंद हो गया लेकिन बस स्टैंड पर महिलाएं अक्सर बस के इंतजार में खड़ी रहती हैं। शराबी अक्सर नशे में महिलाओं के साथ अभद्रता व फब्तियां कसते हैं। इससे उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोगों का कहना है कि पहले ठेका यहां से दूर था लेकिन अब आबकारी विभाग ने बगैर जांच पड़ताल किए भारतीय विद्यालय इंटर कॉलेज गेट से बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर बस स्टैंड के नजदीक खुलवा दिया। इससे यहां से गुजरने तथा स्टैंड पर बस पर इंतजार करने वाली महिलाओं को खासी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में आबकारी निरीक्षक यतेंद्र शर्मा का कहना है कि सार्वजनिक स्थल पर तो शराब ठेका खुल सकता है। यदि सामने इंटर कॉलेज है तो नहीं होना चाहिए। जांच कर दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाएगा।

शराब ठेका बस्ती से बाहर करने की मांग

गुरसहायगंज। ब्लाक तालग्राम के ग्राम तेराजाकेट निवासी समाजसेवी ललित त्रिपाठी ने जिला आबकारी अधिकारी को पत्र भेजकर शराब ठेका को बस्ती से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की है। इसमें उन्होने बताया कि ग्राम तेराजाकेट स्थित शराब ठेका बस्ती के बीच है। निर्धारित समय के अलावा दुकानदारों द्वारा अवैध रूप से शराब की बिक्री की जाती है। ठेका मुख्य बस्ती से 80 मीटर व गेस्ट हाउस से लगभग 47 मीटर की दूरी पर है जबकि मात्र 119 मीटर दूर पूर्व माध्यमिक विद्यालय है। इससे आवागमन करने वाली महिलाओं, युवतियों के सामने ही अराजकतत्व शराब पीकर उपद्रव करते है। इससे स्थानीय लोगों में भी रोष है।

जरा ध्यान दें...

भीषण गर्मी में भी पानी की बर्बादी : जल ही जीवन है इसे व्यर्थ न गंवाए, जल है तो कल है, जैसे स्लोगन सिर्फ अभियानों और दीवारों पर ही नजर आते हैं। बात जब जमीनी हकीकत की होती है, तो जिम्मेदारों सहित आमजन तक इससे मुंह फेरते नजर आते हैं। यह नजारा नगर के तिर्वा रोड से सर्विस रोड जाने वाले तिराहा का है जहां पाइपलाइन से लगातार पानी बह रहा है। अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि खुली टोटियों को बंद कराने के लिए जल्द ही अभियान चलाएंगे। पानी की बर्बादी करने वालों को चिह्नित कर कार्रवाई होगी।

धूमधाम से मनाया अहिल्याबाई का जन्मदिवस

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अहिल्याबाई होल्कर की 299 वीं जयंती धूमधाम से मनायी गई। सपाइयों ने उनके चित्रपर पुष्प अर्पित किए।

सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पार्टी जिलाध्यक्ष कलीम खान ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर नारी शक्ति का स्वरूप, भारत की महान वीरांगना, कुशल शासिका व कुशल तीरंदाज व धर्म की प्रतिमूर्ति थीं। पूर्व विधायक कलियान सिंह दोहरे एवं सपा नेता जय कुमार तिवारी बउअन ने कहा कि मालवा साम्राज्य इन्दौर की महारानी अहिल्याबाई ने स्त्री शिक्षा पर सर्वप्रथम आवाज उठाई। उन्होंने महिलाओ को शिक्षित होने व आत्मनिर्भर जीवन जीने की प्रेरणा दी। इनसे सभी को सीख लेना चाहिए। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हसीब हसन एवं लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष अंशू पाल ने कहा कि अहिल्यावाई होल्कर ने सर्वसमाज के लिए कार्य किया। सम्पूर्ण भारत में अनेको तीर्थ व मन्दिरों का जीर्णोद्धार कराया। इसमें काशी विश्वनाथ (वाराणसी) व सोमनाथ (गुजरात) भी सामिल है।

उन्होंने घाटों व कुओं, जरूरतमन्दों के लिये अन्न क्षेत्रों, प्याऊ एवं गुरुकुल शिक्षालयों का निर्माण कराया। इस मौके पर नेम सिंह यादव, बंटी शर्मा, राजेश यादव, अंशुल दोहरे, संजय गिहार, कमलेश कटियार, संतोष यादव, राजेश पाल, शिवम जाटव, मुजम्मिल खान, गुफरान अहमद, तुफैल अहमद, अजय कश्यप, उदय राजपूत आदि मौजूद रहे।

पार्टी कार्यालय में अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाते सपाई। अमृत विचार

- सपा कार्यालय में पुष्प अर्पित कर महारानी को दी श्रद्धांजलि

पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाएंगे 'शिशिर'

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। दिनोंदिन बढ़ रहा तापमान लोगों के लिए अभिशाप बनता जा रहा है, इसका मूल कारण है कि धरती पर वृक्षों की कमी होना। ऐसे में एक शिक्षक ने शिक्षा के साथ पर्यावरण संरक्षण का बीड़ा उठाया है। एक जून से शुरू होने वाले पर्यावरण संरक्षण सप्ताह में वह पौधरोपण अभियान चलाकर लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करेंगे।

शिशिर कुशवाहा।

- आज से पांच जून तक फगुहा गांव में चलेगा वृहद पौधरोपण अभियान

सदर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय फगुहा के सहायक अध्यापक शिशिर कुशवाहा ने बताया कि फगुहा गांव में एक से पांच जून तक वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जाएगा, जिसमें बच्चों और अभिभावकों की सहभागिता होगी। पौधे बड़े होकर वृक्ष बनेंगे तो निश्चित ही तापमान कम होगा और वर्षा भी अच्छी होगी। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर गांव में संगोष्ठी आयोजित कर ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई जाएगी। अभिभावक बच्चों की तरह पौधों का भी जन्मदिन मनाएंगे। जिस दिन पौधा रोपित किया जाएगा, उसी दिन उसका जन्मदिन होगा। प्रतिदिन वह विद्यालय के अवकाश के बाद अभिभावकों से मिलकर उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करेंगे।

रोपित किए जाएंगे ये पौधे

छायादार : पीपल, बरगद, पाकड़, नीम, चिलबिल, ढाक

फलदार : आम, गूलर, अमरूद, नीबू, शहतूत, बेर, बेल

फूलदार : गुलाब, गुड़हल, बेला, चमेली, मोगरा, आर्किड

ससुराल आए डीसीएम चालक की संदिग्ध हालात में मौत

छिबरामऊ, कन्नौज। मैनपुरी जनपद के चंदरपुर छाछा निवासी डीसीएम चालक संजीव यादव पुत्र रामसिंह यादव की कोतवाली क्षेत्र के मुरली नगला में सुदेश पुत्र मुंशीलाल के यहां ससुराल है। शुक्रवार को संजीव दिल्ली से सुल्तानपुर डीसीएम लेकर जा रहे थे इसी दौरान वह करीब 11 बजे ससुराल पहुंचे और खाना खाने के बाद टहलने की बात कहकर निकले और डीसीएम में लेट गए। काफी देर तक घर न पहुंचने पर ससुराल से युवक संजीव को देखने पहुंचा तो वह डीसीएम में बेहोशी की हालत में मिले। ससुराल वालों ने आनन फानन में उसे सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस — जिले भर में सभी स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज में लोगों को किया गया जागरूक

विश्व में प्रतिवर्ष 60 लाख लोगों की होती है तंबाकू सेवन से मौत

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर सीएमओ कार्यालय में हस्ताक्षर कर अभियान चलाया गया। स्टाफ ने धूम्रपान न करने की शपथ ली। ज़िले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, ज़िला अस्पताल, मेडिकल कॉलेज एवं जिला कारागार में ज़िला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से अभियान चलाया गया।

"राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम" के तहत 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। सीएमओ कार्यालय में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने हस्ताक्षर कर अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान सिगरेट और अन्य टोबैको उत्पाद अधिनियम 2003 (सीओटीपीए- कोटपा) को लेकर प्रशिक्षित किया गया। उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी और तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के नोडल डॉ. ओपी गौतम ने तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया कि विश्व में 60 लाख लोग हर वर्ष तम्बाकू सेवन से अपनी जान गंवाते हैं।

हर वर्ष 9 लाख भारतीय तंबाकू सेवन के कारण मरते हैं जो क्षय रोग, एड्स एवं मलेरिया से होने वाली मौतों से अधिक है। इसलिए इस भीषण त्रासदी को रोकने हेतु हम सभी को मिलकर तंबाकू का सेवन करने से बचना तथा दूसरों को प्रेरित करना होगा। तंबाकू निंयत्रण कार्यक्रम के जनपद सलाहकार डॉ. रवि प्रताप सिंह ने बताया कि धूम्रपान हमारे शरीर के लिए इतना घातक है कि हम अपने जीवन से भी हाथ धो बैठते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर स्टाफ को शपथ दिलाते सीएमओ डॉ. विनोद कुमार। अमृत विचार

मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में जागरुकता कार्यक्रम में शामिल सीएमएस व अन्य।

- चला हस्ताक्षर अभियान, लोगों ने तंबाकू सेवन न करने की ली शपथ

बंदियों से की गई तंबाकू सेवन न करने की अपील

जलालाबाद। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर शुक्रवार को अपर जिला जज लवली जायसवाल के नेतृत्व में जिला कारगार में पराविधिक स्वयं सेवक आशीष श्रीवास्तव ने बंदियों को तंबाकू के सेवन से होने दुष्परिणाम को बताया। कहा कि व्यक्ति की प्रबल इच्छाशक्ति व निरंतर प्रयास से तंबाकू से छुटकारा पाया जा सकता है। पराविधिक स्वयं सेवक जगदीश यादव व सर्वेश ने सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करने, पान, गुटखा खाकर थूकने पर होने वाली विधिक कार्रवाई व सरकारी योजनाओं, अभियानों की भी जानकारी दी। इसी तरह चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में तंबाकू का प्रयोग न करने की शपथ दिलाई गई। डॉ. शिवांगी शुक्ला (दन्त चिकित्सक) ने तंबाकू के प्रयोग से होने वाली गंभीर बीमारियों और उससे उत्पन्न होने वाले शारीरिक कैंसर के बारे में बताया। चीफ फार्मासिस्ट राम किशोर वर्मा, शशांक कटियार, सतेन्द्र कुमार, मयंक मिश्रा, हुकुम सिंह, निर्मेश कुमार, स्टाफ नर्स दीपा कुशवाहा, निधी पाठक, रचना यादव, रजनेश कुमार मौजूद रहे।

नुक्कड़ नाटक कर बताए तंबाकू के नुकसान

तिर्वा, कन्नौज। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में एमबीबीएस छात्रो ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आमजन को तंबाकू से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। यहां कम्युनिटी मेडिसिन एवं दंत रोग विभाग की ओर से जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें एमबीबीएस एवं नर्सिंग के छात्रों ने नाटक प्रस्तुत कर तंबाकू, सुरती, सुपारी आदि नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। जिला स्वास्थ्य समिति ने हस्ताक्षर अभियान चलाकर तंबाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सीपी पाल, सीएमएस डॉ. दिलीप सिंह, डॉ. डीएस मार्तोलिया विभागाध्यक्ष कम्युनिटी मेडिसिन, डॉ. मधुलिका यादव विभागाध्यक्ष दंत रोग विभाग, डॉ. प्रीति वर्मा, डॉ. नेहा वर्मा, डॉ. हर्षिका गौतम, डॉ .अवधेश, डॉ. सैफ अनीस, डॉ. वैभव, डॉ. जमील, डॉ. शैली समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

'एनकोर' सॉफ्टवेयर पर कंपाइल होगा डाटा

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अधिकारियों को जानकारी देते डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ल व एडीएम आशीष सिंह।

● मतगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण में दी गई जानकारी

अमृत विचार। भारत निर्वाचन आयोग ने इस बार मतगणना परिणाम के लिए अत्याधुनिक व्यवस्था की है। प्रत्येक राउंड की मतगणना के बाद डाटा 'एनकोर' सॉफ्टवेयर पर फीड किया जाएगा, जो कंपाइल होकर प्रदर्शित होगा। इसके लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक एनकोर टीम भी लगाई जाएगी और सहायक रिटर्निंग अधिकारी जांच के बाद उसे फीड कराएंगे।

शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मतगणना अधिकारियों को प्रशिक्षण देते समय यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने दी। उन्होंने बताया कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों के पंडाल में नायब तहसीलदारों की ड्यूटी लगाई गई है जो टेबल वार मतगणना प्रारूप 17 सी भरवाकर सहायक रिटर्निंग अधिकारी तक पहुंचाएंगे। इसके बाद क्रॉस चेकिंग होगी और एआरओ के हस्ताक्षर के बाद इसे 'एनकोर' सॉफ्टवेयर पर फीड कर दिया जाएगा। इससे विधानसभा क्षेत्र रसूलाबाद व बिधूना का डाटा भी कंपाइल हो जाएगा। चक्रवार प्रपत्र एक्सल शीट पर तैयार किए जाएंगे और मैन्युअली भरे गए प्रपत्रों से मिलान किया जाएगा, तभी वह एनकोर टीम के पास जाएगा। गलत डाटा फीड न हो इसका ध्यान रखना होगा। कंप्यूटर ऑपरेटरों को भी एनकोर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पांचों विधानसभाओं से प्राप्त प्रपत्र को चक्रवार एकत्रित कर कंपाइल करेंगे तथा रिटर्निंग ऑफिसर से हस्ताक्षर कराएंगे। जितने राउंड होंगे, उसी के अनुसार फोल्डर बनाए जाएंगे। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष कुमार सिंह, प्रशिक्षु आईएएस स्मृति मिश्रा, सभी उप जिलाधिकारी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बिनीत कटियार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

72 घंटे बाकी, तय होगा जनता ने किसको सौंपी 'चाभी'

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

● भाजपा और सपा प्रत्याशी में सीधी लड़ाई, लोग लगा रहे अंकगणित

● समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के मैदान में होने से देश भर की निगाहें

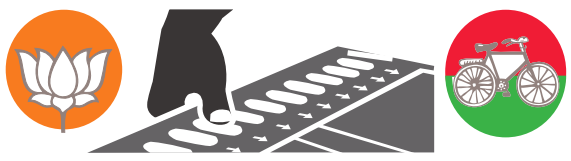

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना को बस करीब 72 घंटे का समय शेष है। प्रशासन ने मतगणना की तैयारियों में जुटा है। गुजरते समय के साथ ही प्रत्याशियों के साथ ही उनके समर्थकों की धड़कनें भी तेज हैं। लोगों में जब-तब चर्चा चल निकलती है कि इस बार कन्नौज अपना सांसद दोहराएगा या फिर 'पुराने' को अपनाएगा। आखिर यहां की सत्ता की 'चाभी' जनता ने किसको सौंपी है।

हर बार की तरह इस बार का भी लोकसभा चुनाव कन्नौज के लिए दिलचस्प और देश भर में चर्चा का विषय बना। सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी ने लगातार चौथी बार टिकट देकर मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक पर भरोसा जताया। टिकट की घोषणा भी सबसे पहले दो मार्च को कर दी जिससे उन्हें तैयारी का भरपूर मौका मिला। इसके बाद बहुजन समाज पार्टी ने इमरान बिन जफर को मैदान में उतारा। इससे पहले वर्ष 2019 के चुनाव में सपा से गठबंधन होने से बसपा का प्रत्याशी नहीं था।

इंडी गठबंधन में पहले से तय हो गया था कि यहां से समाजवादी पार्टी चुनाव लड़ेगी। संकट खड़ा हुआ कि जबर्दस्त राम-मोदी-योगी लहर से उबरने के लिए सामने योद्धा कौन होगा? इसको लेकर लंबे समय तक मंथन के साथ ही भाजपा प्रत्याशी के कटाक्ष भी जमकर चले। सपा समर्थकों का पहले से ही मत था कि पार्टी अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को ही चुनाव लड़ना चाहिए। वहीं खबर आई थी कि देश भर का चुनाव संभालने के चलते अखिलेश इस बार मैदान में नहीं आना चाहते।

सपाइयों की जिद के आगे झुके अखिलेश

■ तमाम असमंजस के बीच तेजप्रताप की उम्मीदवारी तय हुई तो भाजपा के लोगों की बांछें ही खिल गईं। इसके बाद सोशल मीडिया पर अखिलेश के न लड़ने को लेकर तंज शुरू हो गए। उधर, सपाई लखनऊ जाकर डट गए कि अखिलेश ही चुनाव मैदान में आएं। अंतत: 25 अप्रैल नामांकन के अंतिम दिवस उन्होंने यहां से उम्मीदवारी कर ली। अब भाजपा के पास भी मौका था यह कहने का कि सपा के पास मजबूत प्रत्याशी नहीं था तभी तो मुखिया को स्वयं आना पड़ा। देर से घोषणा के चलते सपा प्रत्याशी को प्रचार के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला लेकिन समर्थक जीत को लेकर आश्वस्त हैं।

भाजपा-सपा के पास जीत की अपनी-अपनी गणित

■ भाजपा की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कराए कार्य, सरकारी योजनाएं जन तक पहुंचाने आदि को लेकर जीत दोहराने का पूरा भरोसा है। बसपा की स्थिति राजनीति के जानकारों के अनुसार तीसरे नंबर के संघर्ष की मानी जा रही है। अब जब मतगणना को बस तीन दिन यानी 72 घंटे बाकी हैं तो सभी दावेदारों की धुकधकी बढ़ी है। मतदाता मौन तो है लेकिन गणित पूरी समझा देता है कि भाजपा की जीत कैसे होगी या फिर कौन से समीकरण सपा के लिए सकारात्मक होने वाले हैं। चार जून की दोपहर तक सब कुछ साफ हो जाएगा लेकिन हर गली-नुक्कड़, बाजार, दफ्तरों में जिज्ञासा है कि इस बार का 'सिकंदर' कौन?

मतगणना स्थल के इर्द-गिर्द नहीं नजर आने पाएंगे पार्टी समर्थक

मार्ग पर वाहनों का आवागमन रहेगा पूरी तरह बंद, सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम

मंडी के सामने रेलवे ट्रैक के किनारे लगाई गई टीनशेड। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। कड़ी सुरक्षा के बीच मंडी समिति में मतगणना होगी। इसके लिये पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किये हैं। मंडी के इर्द गिर्द पार्टी समर्थकों का हुजूम नजर नहीं आयेगा। रेलवे लाइन की ओर टिन के तख्ते लगा दिए गए हैं ताकि वहां लोगों का जमावड़ा न लग सके।

लोकसभा सामान्य निर्वाचन में चार जून को मंडी समिति में मतगणना होगी। इस दौरान मंडी के इर्द गिर्द किसी पार्टी का समर्थक नजर नहीं आयेगा। निकट की सभी दुकानें व होटल-ढाबे पूरी तरह से बंद रहेंगे। जीटी रोड पर दोनों ओर कई बैरियर लगाए जायेंगे। पूरी पड़ताल के बाद ही किसी व्यक्ति को मंडी की ओर जाने की इजाजत होगी। मंडी के बाहर भारी पुलिस व पीएसी वल का पहरा रहेगा।

हर चुनाव में मतगणना के दौरान पार्टी समर्थक रेलवे ट्रैक पर खड़े हो जाते और मौका मिलते ही गेट पर पहुंच जाते थे। इस बार ऐसा नहीं होगा। मंडी के सामने रेलवे ट्रैक के किनारे टिन के तख्तों से रोक लगा दी गई है। वहां पीएसी के जवान भी मुस्तैद रहेंगे। बिना पास के कोई भी व्यक्ति या प्रत्याशी समर्थक अंदर पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। सुरक्षा व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही पर ड्यूटी में लगे इंचार्ज के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई की जायेगी। इसका मैप पुलिस व प्रसाशनिक अधिकारियों ने तैयार कर लिया है।

दंगाइयों से निपटने को पुलिस ने बलवा ड्रिल का किया अभ्यास

कन्नौज। मतगणना के समय किसी भी स्थिति दंगे आदि से निपटने के लिये एसपी ने पुलिस लाइन में जवानों को बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया जिसमें सभी थानों की फोर्स रही। एसपी अमित कुमार आनंद ने मतगणना के दौरान अराजकता फैलाने वालों से निपटने की पूरी तैयारी की है। शुक्रवार को उन्होंने पुलिस लाइन में परेड की सलामी लेने के बाद अधिकारियों व कर्मचारियों को दंगा नियत्रंण उपकरणों के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया। समस्त थानों से आई पुलिस ने आकस्मिक परिस्थिति में सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था, भयमुक्त वातावरण बनाने के उद्देश्य से दंगा नियंत्रण का अभ्यास किया। सभी को बलवाइयों को खदेड़ने के लिए रबर बुलेट गन, लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले एंटी रायट गन, टियर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों के संबंध जानकारी दी गई। टियर स्मोक सेल व नेट आदि के प्रयोगों के समय बरती जाने वाली सावधानियों बारे में बताया गया। समस्त क्षेत्राधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारी को अपनी अपनी गाड़ियों में दंगा नियंत्रण उपकरण रखने के लिये निर्देशित किया गया।

पुलिस लाइन में दंगाइयों से निपटने का मॉक ड्रिल करती पुलिस।

शहर में खुले गेहूं क्रय केंद्र पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

आढ़त पर गेहूं का भाव अधिक क्रय केंद्र से बच रहे किसान

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

● लक्ष्य पाने के लिये किसानों के चक्कर काट रहे विपणन शाखा के कर्मचारी

अमृत विचार। गेहूं खरीद का लक्ष्य पाने के लिये विभाग के लोग किसानों के चक्कर काट रहे हैं। किसान सरकारी खरीद केंद्र पर गेहूं बेंचने को तैयार नहीं हैं। इसकी मुख्य वजह आढ़त पर भाव अधिक होना बताया जा रहा है।

जिले को मिले खरीद लक्ष्य को पाने के लिये विपणन शाखा परेशान है। जिले में खोले गये 42 केंद्रों पर अब सन्नाटा पसर गया है। पहले तो रेट कुछ ठीक होने पर किसान गेहूं बेंचने के लिये लाते रहे पर अब भाव में उछाल आ जाने से उन्होंने इसे रोक लिया है।

सरकार 2275 रुपये प्रति क्विंटल की दर गेहूं से खरीद रही है तो मंडी के आढ़ती 2300 से 2350 रुपये प्रति क्विंटल दे रहे हैं। सरकारी पैसा एक से दो सप्ताह में किसान को खाते में मिल रहा है लेकिन आढ़ती नकद दे रहा है। इससे केंद्रों पर गेहूं की खरीद पूरी तरह से बंद हो गई है।

जिले को गेहूं खरीद का लक्ष्य 29 हजार मीट्रिक टन दिया गया था। इसके सापेक्ष क्रय केंद्रों ने अब तक 25 हजार मीट्रिक टन से अधिक खरीद कर ली है। जो किसान बीते वर्ष क्रय केंद्रों पर धान व गेहूं लेकर पहुंचते रहे उनसे विभाग के लोग संपर्क कर रहे हैं। जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अनूप कुमार श्रीवास्तव का कहना है कि विभाग की ओर से लक्ष्य पाने का पूरा प्रयास किया जा रहा है।

सार-संक्षेप

तीन लाख रुपये न देने पर विवाहिता से मारपीट, रिपोर्ट

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम पांडेयपुर्वा निवासी शिवानी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि उसकी शादी ग्राम वदनापुर निवासी प्रदीप मिश्रा से हुई थी। शादी के बाद पति प्रदीप मिश्रा, ननद नीलू, शीलू, सरिता, देवर कुलदीप ने दहेज में तीन लाख रुपये की मांग कर उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया। मना करने पर 28 मई की सुबह लगभग 05 बजे गालीगलौज की और मारपीट कर घायल कर दिया। रुपये न लाने पर जान से मारने की धमकी दी।

आलू के रुपये मांगने पर युवक को पीटा

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम सराय बारामऊ निवासी अमन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 29 मई की शाम चार बजे वह अपने आलू का रुपया मांगने ग्राम सौसरापुर निवासी अरशद व हलामुददीन के पास गया था। रुपये मांगे तो आरोपियों ने अपने दरवाजे पर गालीगलौज की। मना करने पर मारपीट कर घायल कर दिया और धमकी दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

भूसा लदे ट्रैक्टरों को रवाना करते सीडीओ रामकृपाल सिंह, डीडीओ नरेंद्र द्विवेदी व सीवीओ डॉ. कर्णवीर सिंह। अमृत विचार

501 क्विंटल भूसा किया दान, सीडीओ ने दिखाई हरी झंडी

कन्नौज। जिले में स्थित गोशालाओं में गोवंश को भूखा न रहना पड़े इसको लेकर सरकार के स्तर से व्यवस्थाएं की जा रहीं हैं। इसके साथ ही जनसहयोग भी लिया जा रहा है। इस क्रम में शुक्रवार को डीसी मनरेगा /खंड विकास अधिकारी तिर्वा दयाराम यादव की प्रेरणा से कर्मचारियों ने प्रयास करके 501 क्विंटल भूसा का दान किया। इसमें लोगों से भी सहयोग से लिया गया। इसमें जल जीवन मिशन के अंतर्गत कार्य कर रहे संस्था जीवीपीआर ने भी 100 क्विंटल का योगदान किया। दान में मिले भूसे से लदी ट्रैक्टर ट्रालियों को सीडीओ रामकृपाल सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उनके साथ डीडीओ नरेंद्र देव द्विवेदी, सीवीओ डॉ. कर्णवीर सिंह व डीसी मनरेगा दयाराम यादव आदि भी रहे।

छिबरामऊ के वोटों के लिए लगीं 21 टेबलें

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

● तिर्वा और कन्नौज के वोटों की गिनती को लगेंगी 14-14 टेबल

अमृत विचार। मतगणना का समय धीरे-धीरे निकट आ रहा है। इसको लेकर प्रशासन की तैयारी तेज हो गई है। इस क्रम में छिबरामऊ विधानसभा बड़ी होने के चलते यहां के बूथों के वोट गिनने के लिए 21 टेबलें लगाई जाएंगी। वहीं तिर्वा-कन्नौज की गिनती 14-14 टेबलों पर ही की जाएगी।

प्रभारी अधिकारी कार्मिक/सीडीओ रामकृपाल सिंह ने बताया कि पूर्व में सभी विधानसभाओं में गिनती के लिए 14-14 टेबलों की ही व्यवस्था की गई थी। इसके अनुसार कार्मिकों की नियुक्ति, ड्यूटी वितरण के साथ ही एक प्रशिक्षण भी करा दिया गया था। चूंकि छिबरामऊ विधानसभा बड़ी है इसलिए यहां 545 बूथों के वोट गिने जाने हैं। इनकी गिनती 14 टेबलों पर होने से मतगणना समय अधिक लगता। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभ्रांत शुक्ल ने निर्वाचन आयोग से सात और टेबल लगाने की अनुमति मांगी थी। इसकी अनुमति गुरुवार की शाम को प्राप्त हो गई। कुल 28 मतगणना कार्मिकों की नियुक्ति करने के साथ ही ड्यूटी भी उपलब्ध करा दी गई है। इनका प्रशिक्षण एक जून को कराया जाएगा। कन्नौज में 485 जबकि तिर्वा में 487 बूथ हैं तो ऐसे में इनके वोटों की गिनती 14-14 टेबलों पर करा ली जाएगी। यदि छिबरामऊ के लिए टेबल की संख्या न बढ़ाई जाती तो कुल 39 चक्रों में वोटों की गिनती करानी पड़ती जिसमें समय भी अधिक लगता। अब मौजूदा स्थिति में कुल 27 चक्रों में वोटों की गिनती करा ली जाएगी। इसके साथ ही पहले चक्र की गणना साढ़े नौ बजे तक हो जाने की उम्मीद है। इसके साथ ही करीब 10 बजे के बाद से रुझान मिलना शुरू हो जाएंगे। बिधूना तथा रसूलाबाद विधानसभाओं के परिणाम ऑनलाइन लेकर चक्रवार स्थिति स्पष्ट की जाएगी। हालांकि फाइनल परिणाम के लिए संबंधित जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा हार्ड कॉपी किसी वाहक के द्वारा भेजी जाएगी।

1.37 करोड़ से होगा तालाब का सुंदरीकरण

छिबरामऊ। नगर पालिका प्रशासन ने गूदरगढ़हा तालाब के सुंदरीकरण का काम शुरू कर दिया है। पैमाइश के बाद पोकलेन मशीन से सफाई कराई गई। शुक्रवार को पालिकाध्यक्ष मनोज दुबे के नेतृत्व में सभासद सुशील पांडेय ने काम शुरू कराया। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि गूदरगढ़हा तालाब का 1.37 करोड़ से सुंदरीकरण किया जाएगा। सभासद ने इसकी मांग सबसे पहले की थी। पालिका ने इसके लिए बजट निर्धारित किया। उन्होंने बताया कि जल्द ही तालाब का सुंदरीकरण कर इसे विकसित किया जाएगा, जिसे देखने के लिए शाम को लोग आएंगे। यहां बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी।

तालाब की सफाई करती मशीन।

हनुमान मंदिर से घंटे और डेग चोरी

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। आसकरनपुर्वा गांव में बने हनुमान मंदिर का ताला काट कर चोरों ने पीतल के घंटे व डेग चोरी कर ली। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की है। मंदिर में इससे पहले भी चोरी हो चुकी है।

गुरुवार की रात चोरों ने आसकरनपुर्वा गांव के सामने तिर्वा-कन्नौज मार्ग पर बने हनुमान मंदिर को निशाना बनाया। मंदिर में लगे घण्टे व दान पात्र उखाड़ ले गए। भजन के लिए रखी इलेक्ट्रॉनिक मशीन भी ले गए। सुबह मंदिर की देखरेख करने वाले महेश पहुंचे तो दरवाजा पहले से खुला था। ताला टूटा था। मंदिर के अंदर दानपात्र व घण्टा गायब थे। घटना की सूचना महेश ने स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। बता दें कि मंदिर में इससे पहले भी चोरों ने चोरी की बारदात को अंजाम दिया था। तब डायल 112 पर चोरी की सूचना दी गई थी, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नही हुई। मंदिर में हुई चोरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जल्द घटना के खुलासे की मांग की है। चौकी इंचार्ज धीरेंद्र सिंह ने कहा कि मामले की जांच कर जल्द ही खुलासा कर चोर को पकड़ा जाएगा।

आसकरनपुर्वा गांव में तिर्वा-कन्नौज मार्ग पर बने हनुमान मंदिर में हुई चोरी।

सखी | तीन टीमों ने जिले भर में की कार्रवाई, तीन को कारण बताओ नोटिस

बीज की 42 दुकानों पर छापे, दो के लाइसेंस निलंबित

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

बीज की दुकान पर जांच करते जिला कृषि अधिकारी आवेश सिंह। अमृत विचार

अमृत विचार। शासन के निर्देश तथा जिलाधिकारी के आदेश से जिले भर में बीज की बीज की 42 दुकानों पर छापेमारी की गई। इस दौरान अनियमितता मिलने पर दो के लाइसेंस निलंबित किए गए जबकि तीन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके साथ ही 14 नमूने संकलित किए गए जिनको जांच के लिए भेजा जाएगा।

यह जानकारी देते हुए जिला कृषि अधिकारी आवेश सिंह ने बताया कि खरीफ सीजन के चलते गुरुवार को डीएम शुभ्रांत शुक्ल ने तीनों तहसीलों में छापेमारी के लिए टीमों का गठन किया था। इसमें तहसील कन्नौज में उप कृषि निदेशक प्रमोद सिरोही, तहसील छिबरामऊ में उन्हें एवं तहसील तिर्वा में उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी अविशांक सिंह को जिम्मेदारी दी गई। जिले भर में 42 दुकानों का निरीक्षण किया गया। इनसे 14 नमूने लिए गए जिनको जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। विभिन्न अनियमितताएं मिलने पर अंकुर बीज एजेंसी कन्नौज, अंकुर बीज भंडार कन्नौज के लाइसेंस को निलंबित किया गया तथा द्विवेदी बीज भंडार छिबरामऊ, न्यू बालाजी बीज एजेंसी छिबरामऊ एवं टूबा बीज भंडार सौरिख को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया।

बताया कि खरीफ सीजन प्रारंभ हो चुका है। किसान धान की नर्सरी डालने का कार्य कुछ दिनों में प्रारंभ करेंगे। ऐसे में किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराने के लिए छापेमारी की गई जो आगे भी जारी रहेगी। किसानों से अपील की कि वह बीज खरीदते समय दुकानदार से बिल अनिवार्य रूप से लें। कोई दुकानदार द्वारा कैश मेमो नहीं देता अथवा अन्य कोई समस्या है तो इसकी शिकायत वे उनके मोबाइल नंबर 8272 8930 15 पर कर सकते हैं। दुकानदारों द्वारा बिल नहीं देने अथवा मिलावटी-नकली बीज बिक्री की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

जिले में आज से पशुओं को लगाए जाएंगे गलाघोंटू रोग के टीके

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

● बरसात के मौसम में दुधारू पशुओं को चपेट में लेती है यह बीमारी

अमृत विचार। बरसात का मौसम आने को है और ऐसे में वातावरण में नमी अधिक रहती है। इस कारण से दुधारू पशुओं में गला घोंटू नाम का जान लेवा रोग हो जाता है। इससे बचाव के लिए पशु चिकित्सा विभाग की तरफ से एक जून से टीकाकरण कराया जाएगा।

यह जानकारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. कर्णवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि गायों तथा भैंसों में यह रोग बैक्टीरिया के संक्रमण से फैलता है। इस रोग में जानवर की लार गिरती है जिसे चाटने या संपर्क में आने या फिर जूठा खाने से दूसरे जानवर में भी संक्रमण हो जाता है। बताया कि यह जानलेवा रोग है तथा बचाव ज्यादा अच्छा उपाय है। टीका लगने से 20-21 दिन में जानवर में रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो जाती है। जो पालक हर साल टीकाकरण कराते हैं उनके पशुओं में यह क्षमता 10-11 दिन में ही आ जाती है। कहा कि जिले की गोशालाओं समेत कुल 5.99 लाख पशुओं में टीकाकरण का लक्ष्य है।

जनपद के सभी 19 अस्पतालों के कर्मचारी गांव-गांव जाकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। कहा कि पालक अपने पशुओं को टीके अवश्य लगवा लें क्योंकि यह रोग होने पर इसका इलाज काफी महंगा है। इसके साथ ही उसके ठीक होने की संभावना भी कम होती है। यह भी बताया कि चूंकि भैंसों का रंग काला होता है और पसीना नहीं आता है इसलिए वे इस रोग के प्रति ज्यादा संवेदनशील होतीं हैं। नमी के मौसम में यह रोग उन्हें जल्दी गिरफ्त में रहता है। कोई पालक यह संशय न रखे कि इस टीके से कोई नुकसान है।

15 से लगेंगे खुर व मुंहपका के टीके

■ पशुओं में खुर और मुंह पकने की बीमारी भी आम है जो बरसात के समय ही फैलती है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि 15 जून से इन रोगों से बचाव के लिए भी मवेशियों का टीकाकरण किया जाएगा।

घर में घुसकर मारपीट व धमकाने की रिपोर्ट

गुरसहायगंज, कन्नौज। ग्राम पकरा निवासी नागेन्द्र प्रताप सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि मोबाइल के माध्यम से सोशल मीडिया पर एक ऑडियो रिकार्डिंग वायरल हुई है। इसमें ग्राम यादव नगर निवासी राज यादव द्वारा सवर्ण समाज को जाति सूचक गालियां और जान से मारने की धमकी दी गई है। जब उसने 29 मई को राज से इसकी शिकायत की तो उसने गालीगलौज कर धमकी दी। शाम 05 बजे जब वह दरवाजे पर बैठा था तभी राज यादव, संदेश यादव, अंकित यादव, रंजीत यादव अन्य लोगों के साथ लाठी-डंडा, सरिया व असलहा लेकर दरवाजे पर आए और गालीगलौज की। मना करने पर घर में घुसकर मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। ग्रामीणों को आता देख धमकी देकर चले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एक नजर

आम के पेड़ से गिरकर युवक गंभीर रूप से घायल

फर्रुखाबाद। जिला एटा थाना अलीगंज क्षेत्र के गांव कालीधर निवासी वाहिद का 38 वर्षीय पुत्र परवेश आम के पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहा था ।तभी अचानक युवक परवेश आम के पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया ।वहां से डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल लोहिया के लिए रेफर कर दिया ।जिला अस्पताल लोहिया में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर भानु प्रताप सिंह ने बताया 108 एंबुलेंस से घायल युवक परवेश को लाया गया है। भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया गया है।

वरिष्ठ सहायक को दी गई भावभीनी विदाई

फर्रुखाबाद। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक संजय पालीवाल के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कार्यालय में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। बीएसए गौतम प्रसाद, वित्त एवं लेखाधिकारी छत्रपाल वर्मा समेत कार्यालय के अन्य कर्मचारियों ने संजय पालीवाल को फूलमाला पहनाकर और अंग वस्त्र आदि भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान संजय पालीवाल भावुक हो गए। अजय टंडन, अवधेश सिंह चौहान, सुमन मिश्रा, राजेश पाल, अरशद सिद्दीकी, अरविंद, विशाल गगन और नागेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

वृद्ध ने पुलिस पर मारपीट का लगाया आरोप

क़ायमगंज फर्रुखाबाद। थाना कम्पिल क्षेत्र के गाँव मिस्तनी निवासी दिवारीलाल ने शुक्रवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर एसपी विकास कुमार को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया ।उसमें बताया कि भतीजे से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था ।तभी पीड़ित वृद्ध दिवारीलाल ने थाना कम्पिल पहुंचकर भतीजे के खिलाफ शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। दिवारीलाल ने आरोप लगाया कि शिकायत करने के दौरान दरोगा उदयवीर और एक सिपाही ने मेरे साथ जमकर मारपीट की हैं। मेरी कोई सुनवाई भी नहीं की गई ।मजबूर होकर इसी के संबंध में एसपी विकास कुमार को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

नया आधार कार्ड बनाने को कहा तो पति ने कर दी पिटाई

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला हुसैनपुर नौखड़ा निवासी 23 वर्षीय खुशबू पत्नी प्रमोद से खुशबू ने कहा कि मेरा नया आधार कार्ड बनवा दो ।तभी पति प्रमोद ने पत्नी खुशबू को लाठी डंडों से पीट दिया। पत्नी खुशबू का आरोप है कि पति ने रस्सी से गले में फांसी लगाने का प्रयास किया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल महिला खुशबू को जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में भर्ती कराया तहरीर के आधार पर पुलिस ने महिला खुशबू का इलाज के बाद मेडिकल परीक्षण कराया है। महिला खुशबू की डेढ़ वर्ष पूर्व भी प्रमोद के साथ शादी हुई है। मामले पर फतेहगढ़ कोतवाल ने बताया कि मारपीट की तहरीर महिला खुशबू के द्वारा दी गई है। मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

दबंग ने अधेड़ को पीटकर किया घायल

फर्रुखाबाद। थाना कादरी गेट क्षेत्र के गांव नगला कलार निवासी संतराम के 40 वर्षीय पुत्र सतीश को गांव के ही दबंग कश्मीर ने किसी बात को लेकर लाठी डंडों से पीट कर घायल कर दिया। घायल सतीश ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल सतीश को जिला अस्पताल लोहिया की इमरजेंसी में भर्ती कराया ।उसके बाद सतीश थाना कादरीगेट में जाकर दबंग युवक कश्मीर के खिलाफ मारपीट की तहरीर दी। तहरीर के आधार पर सतीश का पुलिस ने जिला अस्पताल लोहिया में मेडिकल परीक्षण कराया है। मामले पर थानाध्यक्ष अवध नारायण पांडे ने बताया कि मारपीट की तहरीर दी गई है।

गर्मी का 'घातक' प्रहार, अस्पतालों में मरीजों के लिए बेड नहीं

लोहिया अस्पताल के सभी वार्ड गर्मी जनित रोगियों से फुल, 13 बेड्स पर भर्ती 17 बच्चे

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। जिले में गर्मी का सितम लगातार जारी है। गर्मी का सर्वाधिक असर बच्चों पर पढ़ रहा है। गर्मी की वजह से बच्चे डायरिया जैसे जानलेवा रोगों का शिकार हो रहे हैं। हालात यह है कि पीकू वार्ड में मौजूदा समय में 13 बेड है। जिन पर 17 बच्चे भर्ती है। गर्मी जनित रोगों से लोहिया अस्पताल के सभी वार्ड फुल चल रहे हैं । इमरजेंसी में भी उल्टी दस्त और तेज बुखार के रोगी आ रहे हैं। डॉक्टरों का मानना है कि गर्मी से यह लोग बीमार हो रहे हैं ।

डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर अनूप दीक्षित बताते हैं कि शुक्रवार ओपीडी में उनके पास 55 बाल रोगी आए ।जिन में 50 को डायरिया से पीड़ित पाया गया। डायरिया से पीड़ित रोगियों का भर्ती कर उपचार किया जा रहा है। डॉ अनूप दीक्षित बताते हैं कि यह गर्मी बच्चों के लिए भारी पड़ रही है। सर्वाधिक गर्मी का शिकार बच्चे हो रहे हैं। उनका कहना है कि सुबह 8 बजे से शाम 8:00 बजे तक बच्चों को बाहर न निकलने दे। सबसे खास बात यह है कि बाहर के भोजन या किसी तरह की खाने वाली चीज से परहेज करें। जिससे बच्चों को बीमारी से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ रहे तापमान की वजह से बच्चे गर्मी जनित रोगों का शिकार हो रहे हैं। इसका बचाव जरूरी है। उल्टी दस्त की शिकायत होने पर तत्काल प्रभाव से बच्चों को सरकारी डॉक्टर के पास ले जाएं और उसे उचित इलाज दिलाए ।डॉक्टर अनूप बताते हैं कि लोहिया अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन 55 से 60 के आसपास बाल रोगी आ रहे हैं। जिसकी खास वजह है कि बच्चे गर्मी का शिकार हो रहे हैं ।

इसी तरह डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डॉ प्रवीण कुमार बताते हैं की गर्मी से लोग बुखार, उल्टी, दस्त, पेट रोग का शिकार हो रहे हैं ।कभी-कभी रोगियों को चक्कर आने लगते हैं ।जिसकी भी वजह लू लगना होता है। लू लगने पर रोगी की हालत खराब हो जाती है। इस वजह से यदि इस मौसम में रोगी को बुखार आ रहा है तो उसे तत्काल प्रभाव से सरकारी अस्पताल ले जाना चाहिए ।डॉक्टर प्रवीण कुमार का कहना है कि उनके पास प्रतिदिन 125 के आसपास मरीज ओपीडी में आ रहे हैं। इनमें सर्वाधिक रोगी ऐसे पाए जा रहे हैं जो धूप में काम करने की वजह से बीमार हुए हैं। फिलहाल सभी रोगियों का उपचार किया जा रहा है। फिजिशियन डॉक्टर प्रवीण कुमार का कहना है कि यह गर्मी स्वास्थ्य के लिए सर्वाधिक हानिकारक है। इसका बचाव करना जरूरी है और इस गर्मी में ना तो भूखे पेट रहे और ना ही भरपेट खाना खाएं। शीतल पेय पदार्थ और फलों के रस का ज्यादा प्रयोग करें। छाछ पीना इस मौसम में बहुत ही अधिक लाभकारी है। दवाई से ज्यादा गर्मी का बचाव जरूरी है। यदि बचाव न किया तो जान जोखिम में पढ़ सकती है। डॉक्टर प्रवीण का कहना है कि डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में रोगियों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है और यहां के लगभग सभी वार्ड फुल हो चुके हैं।

पीकू वार्ड में भर्ती बच्चे। अमृत विचार

लोहिया अस्पताल का ऑक्सीजन प्लांट खराब

फर्रुखाबाद। डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल में यहां पड़ रही भीषण गर्मी के समय ऑक्सीजन प्लांट खराब हो गया ।भीषण गर्मी के समय ऑक्सीजन प्लांट खराब होने की वजह से रोगियों को ऑक्सीजन के लिए परेशान होना पड़ रहा है। उन्हें सिलेंडर मंगा कर ऑक्सीजन दी जा रही है। इस संबंध में डॉक्टर राम मनोहर लोहिया अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर अशोक प्रिय दर्शी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इंजीनियर को बुलाने के लिए प्रदेश मुख्यालय सूचना भेज दी गई है। इंजीनियर के आते ही ऑक्सीजन प्लांट सही हो जाएगा ।फिलहाल वह अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी नहीं होने दे रहे हैं। बाहर से सिलेंडर मंगा कर रोगियों को ऑक्सीजन दिया जा रहा है।

गर्मी से हर कोई हो गया बेहाल, पारा पहुंचा 44 डिग्री सेल्सियस के पार

गर्मी का कहर

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। इन दिनों जिले में गर्मी अपने रिकार्ड स्तर पर है। पिछले सात दिन से गर्मी ने हर किसी को परेशान कर रखा है। बुधवार को जहां रिकार्ड तापमान रहा वहीं गुरुवार को तापमान में हल्की गिरावट रही। शुक्रवार को पारा 44 डिग्री के पार पहुँच गया। उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। घर के बाहर हो या फिर अंदर, कहीं भी राहत मिलती नहीं दिखी। गर्म हवा और उमस ने लोगों को बेचैन कर दिया है। मई के आखिरी सप्ताह में गर्मी ने आम जनजीवन के साथ पशु-पक्षियों को बेहाल कर दिया है। गुरुवार को सुबह बदल छाए रहे, लेकिन हवा में गर्माहट रही, जिससे उमस ने पसीने से तरबतर किया। इस कारण शुक्रवार सुबह से ही लोगों को गर्मी ने बेहाल कर दिया। कामकाजी लोग गर्मी के कारण घर से समय से पहले निकले और कार्यस्थल पहुंचने के बाद वहां से शाम को ही बाहर निकले।

धूप से बचाव करते साइकिल सवार। अमृत विचार

पंखे और कूलर फेल, रात में भी चैन नहीं

- पंखे व कूलर हवा तो दे रहे हैं। पर गर्मी के कारण इससे राहत नहीं मिल रही है। उमस से लोग परेशान हैं। आसमान में बादल छाने से फौरी राहत मिली। शुक्रवार के दिन 2 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल रही है ।जिसने शरीर को झुलसा दिया है। एक भी पल राहत नहीं मिल पा रही है। सड़कों और बाजारों में सन्नाटा दिखाई दे रहा है। तो हर तरफ गर्मी का ही प्रकोप दिखाई दे रहा है। इतनी गर्मी पड़ रही है कि रात के समय लोगों को नींद भी नहीं आ रही है। एसी और कूलर फेल होते हुए दिखाई दे रहे है।

लिपिक से बनी चपरासी तो नहीं किया ज्वाइन

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। सिंचाई विभाग में मृतक आश्रित में लिपिक पद पर भर्ती हुई। महिला टाइप टेस्ट में फेल हो गई। उसे चतुर्थ श्रेणी पद पर वापस कर दिया गया। इस पर महिलाकर्मी ने कार्यालय में ज्वाइनिंग नहीं की है। गुपचुप तरीके से उसका सींचपाल पद पर आदेश बनाया गया। पोल खुली तो वह आदेश भी दबा दिया गया।

सिंचाई विभाग में तीन मृतक आश्रितों को लिपिक पद पर नौकरी दी गई। 2 वर्ष के अंदर उन्हें टाइप स्पीड टेस्ट पास करना था। मार्च में तीनों कर्मचारी टाइप टेस्ट में फेल हो गए। उन्हें एसआई कार्यालय कानपुर भेजा गया। वहां एक ने टेस्ट पास कर लिया। जबकि महिला सहित 2 कर्मचारियों के फेल होने पर अधीक्षण अभियंता ने 15 मार्च को चतुर्थ श्रेणी पद पर ज्वाइनिंग कराने के आदेश दिए। इनमें एक ने ज्वाइनिंग ले ली। वहीं, महिला कर्मचारी को विभागीय जिम्मेदारों ने सींचपाल पद पर ज्वाइनिंग कराने का आश्वासन देकर ट्रेनिंग शुरू करा दी। ढाई माह से महिला कर्मी ने कार्यालय के उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर नहीं किए। खास बात यह है कि लिपिक पद पर तैनाती के दौरान महिला कर्मी की वेतनवृद्धि भी कर दी गई थी। अब जिम्मेदारों की सिट्टी-पिट्टी गुम है। प्रशासनिक अधिकारी सत्यपाल ने बताया कि महिलाकर्मी की जनवरी 2023 में वेतनवृद्धि लगाई गई थी। जून 2023 में वेतनवृद्धि निरस्त कर दी गई। अधिशासी अभियंता दुर्ण कुमार ने बताया कि वेतनवृद्धि निरस्त कराने के साथ रिकवरी भी हो चुकी होगी। फिलहाल महिला कर्मचारी न्यायालय चली गई है।

मंडी सचिव और लिपिक में हुई नोकझोंक

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मंडी शुल्क जमा करने को लेकर शुक्रवार को सचिव व महिला लिपिक में विवाद हो गया। लिपिक ने कहा कि शुल्क जमा कराना है। तो कंप्यूटर दीजिएगा। इस पर सचिव बोले मोबाइल से जमा करो। काम तो करना ही पड़ेगा।

थाना कादरीगेट क्षेत्र में स्थित सातनपुर मंडी में सचिव व कर्मचारियों के बीच चल रही खींचतान कम होने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को एक आढ़ती 1 लाख 3 हजार रुपये मंडी शुल्क जमा करने पहुंचा। इस पर महिला लिपिक ने सचिव से कहा कि कंप्यूटर दिलवा दो। वह शुल्क जमा कर लेंगी। अभी तक वह घर से लैपटॉप लाकर काम कर रही थी। वह वापस कर दिया। इस पर सचिव ने व्यापारी से कहा कि लिपिक ने मंडी शुल्क जमा नहीं किया। यह बात लिखकर दो। व्यापारी ने पत्र लिखवाने की बात लिपिक को बता दी। बाहर बैठी लिपिक कार्यालय में सचिव के पास पहुंची। कहा कि बिना कंप्यूटर वह मंडी शुल्क कैसे जमा करें। उन्होंने मंडी शुल्क जमा करने से मना नहीं किया। उन पर गलत आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं। आलू व अनाज खंड का प्रभारी चपरासी को बनाया है। मंडी शुल्क जमा करने की जिम्मेदारी भी प्रभारी की होनी चाहिए। सचिव ने कहा कि कंप्यूटर नहीं दे पाएंगे। मंडी शुल्क जमा करना लिपिक का काम है। कैसे जमा करेगा। यह खुद ही सोचना पड़ेगा। मोबाइल से भी मंडी शुल्क जमा हो सकता है। इसको लेकर दोनों में जमकर नोकझोंक हुई। लिपिक ने कहा कि काम के नाम पर उत्पीड़न किया जा रहा है। मंडी सचिव रामसेवक वर्मा ने झूठे आरोप तो कोई भी लगा सकता है।

मंडी समिति सातनपुर। अमृत विचार

- सचिव का आरोप किया जा रहा उत्पीड़न

भाकियू ने समस्याओं पर दिया ज्ञापन

संवाददाता क़ायमगंज फर्रुखाबाद

अमृत विचार। भारतीय कृषक एसोसिएशन की पंचायत मोहल्ला जवाहरगंज कायमगंज स्थित प्रदेश कार्यालय पर प्रताप सिंह गंगवार की अध्यक्षता में हुई ।जिसका संचालन प्रांतीय महासचिव मुन्नालाल सक्सेना ने किया ।पंचायत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गयाकी डॉक्टरों को भगवान का दूसरा रुप समझा जाता है। पर कायमगंज के चिकित्सक मरीजों की जांच नहीं करते। वहीं कायमगंज के सरकारी अस्पताल के चिकित्सक मरीजों की सही जांच कर पर्याप्त दवा लिखते। प्राईवेट चिकित्सकों की डिस्पेंसरी की जांच कर इन्हें दंडित करें। वहीं फर्जी अस्पतालों को चिन्हित किया जाए। कस्बा कायमगंज में तंबाकू कारोबारियों के गोदामों में तम्बाकू की छनाई से कायमगंज की हवा जहरीली हो गई है। इससे लोग टीबी, कैंसर और सांस के मरीज हो रहे हैं। ऐसे गोदाम मालिकों पर कार्यवाही की जाए। प्रताप सिंह गंगवार, अमरीश शुक्ला,मुन्नालाल सक्सेना, रागिब हुसैन खां, विनीत कुमार, रामवीर सिंह, महिपाल सिंह राजपूत,जसवंत सिंह, विजय शाक्य,श्योराज शाक्य,अनुज, कुलवंत, रक्षपाल,आदि कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक करते किसान नेता। अमृत विचार

अचानक जलस्तर बढ़ा गंगा पुत्रों के घाट डूबे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पहाड़ों पर हो बारिश का असर देखने को मिला है ।गंगा नदी में पिछले दो दिनों में 12000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया ।जिससे गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि हुई है। गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से गंगा पुत्रों के कई घाट डूबे है ।जिससे काफी नुकसान हुआ है।

थाना कादरी गेट क्षेत्र स्थित पांचाल घाट गंगा तट पर उत्तरी तरफ गंगा पुत्रों के दर्जनों घाट हैं। 16 जून को गंगा दशहरा पड़ रहा है इसलिए गंगा पुत्र अपने घाटों को और बेहतर ढंग से बनाने में जुटे हुए हैं। दशहरा पर पांचाल घाट पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। वहीं गुरुवार व शुक्रवार को नरौरा बांध से दोनों दिन 6-6 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया ।जिससे गंगा नदी का जलस्तर बढ़ गया ।वही गंगा पुत्रों के घाट डूब गए।

पांचाल घाट पर मां गंगा की नियमित आरती करने वाले आचार्य प्रदीप शुक्ला ने बताया की गंगा पुत्र दशहरा की तैयारी में जुटे हैं, उसी क्रम में अपने अपने घाटों को तैयार कर रहे है। जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए।अब नई टाट, पतेल लगाकर अस्थाई घाट बनाने पड़ेंगे।

सार-संक्षेप

कुएं में पड़ा मिला नवजात, पुलिस ने अस्पताल भेजा

फर्रुखाबाद। मोहम्मदाबाद क्षेत्र में नवजात का कुएं में पड़ा पाया गया। थाना क्षेत्र के गांव मॉडल शंकरपुर में शुक्रवार सुबह गांव के किनारे उदय पाल सिंह चौहान के खेत में कुएं में नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनाई पड़ी। आवाज़ सुन उदय पाल के लड़के बलराम ने कुएं में झांक कर देखा तो नवजात शिशु को पड़ा देखा । जिसकी सूचना पुलिस को दी । सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात कन्या को बाहर निकाला कुएं में गिरने के कारण कन्या के सिर तथा मुंह पर चोट होने के कारण पुलिस उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जहानगंज ले गई ।जहां से उसे लोहिया रेफर कर दिया।

परिषदीय विद्यालयों के रसोइयों के मानदेय का बजट आया

फर्रुखाबाद। परिषदीय विद्यालयों में तैनात रसोइयों के अप्रैल माह के मानदेय का आधा बजट शासन ने भेज दिया है। आधा बजट मिलने से रसोइयों को एक-एक हजार रुपये ही खाते में भेजे जाएंगे। बची धनराशि बजट आने पर दी जाएगी। परिषदीय विद्यालयों में तैनात रसोइयों को सिर्फ दो हजार रुपये मानदेय मिलता है। उस पर भी समय से नहीं आता। अप्रैल माह के मानदेय के लिए शासन ने जनपद को 43.72 लाख का बजट भेजा है। इस बजट से रसोइयों को आधा मानदेय ही मिल सकेगा। यानी उनके खाते में सिर्फ एक हजार रुपये ही जाएंगे। बजट मिलने के बाद रसोइयों को मानदेय दिए जाने की तैयारी शुरू कर दी जाएगी। नगर शिक्षाधिकारी व मिडडे मील प्रभारी आईपी सिंह ने बताया कि रसोइयो को मानदेय दिए जाने के लिए आधा बजट ही मिला है। एक सप्ताह में रसोइयों के खाते में अप्रैल माह का आधा मानदेय भेज दिया जाएगा। शेष मानदेय बजट आने पर भेजा जाएगा। गौरतलब है कि जनपद में करीब 4372 रसोइया तैनात हैं।

भगवत प्राप्ति के लिए समर्पण हैं जरूरी

फर्रुखाबाद। श्रीमद्भगवत कथा के दौरान कथा व्यास नें बताया कि यदि भगवान प्राप्ति करनी है तो समर्पण भी गोपियों की तरह होना चाहिए । कथा के महासागर में श्रद्धालुओं नें आस्था के गोते लगाए। शहर कोतवाली क्षेत्र के रेलवे रोड पर स्थित पांडेश्वर नाथ शिवाला में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठी परिक्रमा के दिन सुबह सुनीता व उमेश मिश्रा के द्वारा आचार्य रामजी रवि व आचार्य नितिन नें पूजन कराया। नारदानंद संस्कृत महाविद्यालय के प्राचार्य श्याम शुक्ला ने सस्वर मूल पाठ किया। कथा व्यास पंडित बजरंगी महाराज नें बताया कि गोपियों जैसा समर्पण होनें पर भगवान श्रीकृष्ण प्राप्ति सम्भव है । उन्होंने कथा में आत्मा और परमात्मा के मिलन का रास्ता बताया । कथा में डॉक्टर जेएम वर्मा, डॉक्टर मनोज चतुर्वेदी, सेवा परमो धर्म: फाउन्डेशन के अध्यक्ष केदार शाह, विमल दीक्षित, सुनील कुमार, देश दीपक, उदित अग्रवाल , कृष्ण कुमार अनन्दप्रकाश गुप्ता उर्फ मुन्ना मौजूदरहे।

छेड़छाड़ के मामले में युवक गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। फतेहगढ कोतवाली पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का शोषण करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। जिला हरदोई थाना पचदेवरा क्षेत्र के गांव सेड़ामऊ निवासी 21 वर्षीय गौरव पुत्र अनन्तराम के खिलाफ फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी चचेरे मामा की लड़की ने युवक गौरव के खिलाफ फतेहगढ़ कोतवाली में तहरीर दी है। कि गौरव ने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसके बाद शादी करने से मना कर दिया। तभी फतेहगढ़ कोतवाली पुलिस ने युवक गौरव को गिरफ्तार कर लिया है›

राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर शोभायात्रा

फर्रुखाबाद। थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र में स्थित मुराहस कन्हैया प्रभात ढाबा से शुक्रवार को राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की 299वीं जयंती पर सेंट्रल जेल आरटीओ ऑफिस तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसका आयोजन जयदेव पाल एवं राहुल पाल समाजसेवी विमल यादव ने किया। शोभायात्रा को पाल समाज के वृद्ध नेता श्री गया सिंह पाल ने हरी झंडी दिखाकर शोभा यात्रा की शुरुआत की। शोभा यात्रा के मुख्य सहसंयोजक के रूप में आलोक पाल, अनिल पाल(अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज), आशीष पाल, सोनू पाल एवं समाजसेवी विमल यादव , अभिषेक राठौर समेत समस्त पाल समाज के लोग मौजूद रहे।

जेई पर लगा विद्युत बिल के नाम पर वसूली का आरोप

संवाददाता क़ायमगंज फर्रुखाबाद

- ट्यूबवेल के बिल को जीरो करने के नाम पर लिए एक लाख नकद रसीद दी 25,400 रुपये की

अमृत विचार। कंपिल थाना क्षेत्र में उपभोक्ताओं से अवैध वसूली के मामले में वैसे भी विद्युत विभाग चर्चा में रहता है ।लेकिन नया मामला विद्युत वितरण उपकेंद्र कंपिल का एक बार फिर सामने आया ।

निजामुद्दीनपुर निवासी सदादयाल ने आरोप लगाया कि 15 साल से उसका ट्यूबवेल बंद है। इसी बीच उसके पास 6 लाख बकाया नोटिस भेजी गई है1 उसने बताया कि नोटिस के बाद उससे कहा गया कि वह एक लाख का इंतजाम करके भिजवा दे तो उसका बिल जीरो दर्शाकर मामला समाप्त करा दिया जाएगा । सदादयाल ने बताया कि नाती रंजीत को एक लाख रुपये देकर वहां भेजा । पूरे एक लाख रुपये ले लिए लेकिन रसीद केबल 25,400 रुपये की ही उसे दी गई । शेष बचे 74,600 रुपये का ना तो हिसाब दिया और ना ही रुपए वापस किए । जब मामला चर्चा में आया तो एसएसओ सोमरत्न गौतम ने कहा कि रुपए लेकर रंजीत आया था। आगे जानकारी नहीं है । वहीं आरोपित अधिकारी ने इस प्रकरण को रफा दफा करने का प्रयास शुरू कर दिया । अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता ।

नई व्यवस्था यूपी पॉवर कारपोरेशन की साइट पर कनेक्शन का विस्तृत ब्योरा भरकर ऑनलाइन फीस जमा करते ही बढ़ जाएगा लोड

घरेलू बिजली उपभोक्ता अब ऑनलाइन घर बैठे बढ़ा सकेंगे लोड

कार्यालय संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। बिजली उपभोक्ता अपने घरेलू या कामर्शियल कनेक्शन का लोड अब घर बैठे बढ़ा सकते हैं। यूपीपीसीएल की साइट पर ब्योरा भरकर ऑनलाइन फीस जमा करते ही आपके कनेक्शन का लोड बढ़ जाएगा। इससे न ही विभाग के चक्कर लगाएं और न ही बिचौलियों का शिकार बनें।

भीषण गर्मी में बिजली की खपत भी बढ़ रही है। कम क्षमता के कनेक्शन पर अधिक क्षमता के उपकरण चलाने से उन्हें जुर्माना भी भरना पड़ रहा है। इससे वह कनेक्शन का लोड बढ़वाने के लिए विभाग के चक्कर लगाते हैं। कई बार तो बिचौलिये फंसाकर वास्तविक खर्च के अलावा 2000 से 10 हजार रुपये अधिक लेकर उपभोक्ताओं को चूना लगा रहे हैं। बिजली विभाग में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र तक प्रतिदिन करीब 500 उपभोक्ता लोड बढ़वाने के लिए चक्कर लगाते दिख रहे हैं। उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने अब उपभोक्ताओं को अपना लोड बढ़ाने के लिए स्वयं अधिकार दे दिये हैं। दो किलोवाट से लेकर 20 किलोवाट तक अपने मोबाइल से घर से ऑनलाइन लोड बढ़ा सकते हैं।

बाद में जमा होगी सिक्योरिटी राशि: यूपीपीसीएल के वाणिज्य निदेशक अमित श्रीवास्तव ने बताया कि एक से लेकर 20 किलोवाट तक उपभोक्ता अपने कनेक्शन का लोड तत्काल ऑनलाइन बढ़ा सकते हैं। सिर्फ प्रोसेसिंग फीस ऑनलाइन जमा करनी होगी। सिक्योरिटी राशि बिल में जुड़कर आ जाएगी। यदि मीटर बदलने की जरूरत होगी तो विभाग से नोटिस जाएगा। अन्य प्रक्रिया बाद में पूर्ण करने की जिम्मेदारी विभाग की होगी।

ओवरलोड होने पर दोगुना पड़ता है फिक्स चार्ज

गर्मी में घरों में कूलर, पंखा व एसी चलाई जा रही हैं। कई बार तो लोग दो किलोवाट के कनेक्शन पर एसी चला देते हैं। इससे कनेक्शन की क्षमता से अधिक लोड पहुंच जाता है। वैसे तो 110 रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से फिक्स चार्ज लगता है। यदि कनेक्शन क्षमता से अधिक लोड आने पर उपभोक्ता को दोगुना यानी 220 रुपये प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज चुकाना पड़ता है। यह बिल में ही जुड़कर आ जाता है।

मोबाइल से ऐसे बढ़ाएं कनेक्शन का लोड

- यदि आप अपने एक से 20 किलोवाट तक के घरेलू या कामर्शियल बिजली कनेक्शन का लोड बढ़ाना चाहते हैं तो अपने मोबाइल पर साइट खोलें। इसमें सेवा अनुरोध सूची पर जाएं और लोड परिवर्तन अनुरोध विकल्प पर क्लिक करें। खुलकर आई टेबल सबसे पहले डिस्काम का नंबर डालें। फिर कनेक्शन नंबर भरकर पासवर्ड डालें। कैप्चा इंटर करते ही पूछेगा कि कितना लोड बढ़ाना चाहते हैं। जरूरत के मुताबिक लोड भरते ही ऑनलाइन प्रासेसिंग फीस मांगेगा। वह फीस जमा करते ही आपके कनेक्शन का लोड बढ़ जाएगा और साइट पर धन्यवाद लिखकर आएगा। वह पीडीएफ लोड कर सुरक्षित रख लें। फिर विभाग के चक्कर लगाने की कोई जरूरत नहीं पड़ेगी।

सत्येन रक्ष्यते धर्मो विद्याऽभ्यासेन रक्ष्यते ।
मृज्यया रक्ष्यते रुपं कुलं वृत्तेन रक्ष्यते ॥

धर्म का रक्षण सत्य से, विद्या का अभ्यास से, रुप का सफाई से, और कुल का रक्षण आचरण करने से होता है ।

संपादकीय

शहरी विकास की चुनौतियां

शहरीकरण वैश्विक विकास की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति बनकर पूरी दुनिया में उभरा है। वैश्वीकरण के उपरांत शहरी विकास की अवधारणा समावेशी विकास की एक अनिवार्य शर्त बन गई है। शहरों के विकास को ही भारत के विकास की धुरी माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र की एक नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में विश्व की आधी आबादी शहरों में रहने लगी है और 2050 तक भारत की आधी आबादी महानगरों और शहरों में रहने लगेगी। भारत में शहरी क्षेत्रों में रहने वाली आबादी में तेजी से वृद्धि, अवसर और चुनौतियां दोनों है। शहरीकरण के कुछ सकारात्मक प्रभावों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना और आय के स्तर में वृद्धि शामिल है। शहरी जीवन में साक्षरता और शिक्षा का उच्च स्तर, बेहतर स्वास्थ्य, लंबी जीवन प्रत्याशा, सामाजिक सेवाओं तक अधिक पहुंच एवं सांस्कृतिक एवं राजनीतिक भागीदारी के अधिक अवसर प्राप्त होते हैं। भारत में शहरीकरण के नकारात्मक प्रभाव, मनोसामाजिक स्वास्थ्य समस्याएं, कचरा संग्रहण और निपटान, ध्वनि प्रदूषण और सड़क दुर्घटनाएं जैसी कई समस्याएं पैदा हुई हैं। साथ ही भारत के शहरी क्षेत्र गंभीर वायु प्रदूषण स्तर से जूझ रहे हैं, जिसका मुख्य कारण वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, औद्योगिक गतिविधियां और निर्माण परियोजनाएं हैं।

विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट के अनुसार विश्व के शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों में से नौ भारत में हैं। तीव्र शहरीकरण और निजी वाहनों के बढ़ते चलन के कारण यातायात भीड़ बढ़ गई है, यात्रा समय की वृद्धि हुई है और उत्पादकता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। तीव्र शहरीकरण और हरित स्थानों की कमी के कारण 'अर्बन हीट आइलैंड इफेक्ट' उत्पन्न हुआ है, जिससे तापमान और ऊर्जा की मांग में वृद्धि हुई है। शहरी विकास के साथ होने वाला एक बड़ा बदलाव ऊर्जा और पानी की बढ़ती मांग है। पानी और बिजली की खपत में यह अनुमानित वृद्धि सीधे भविष्य की शहरी आबादी की वृद्धि से संबंधित है - शहरी लोग काफी अधिक पानी और ऊर्जा का उपयोग करते हैं। कहा जा सकता है कि शहरी विकास के कारण होने वाले तीव्र परिवर्तन भी अस्थिर करने वाले हो सकते हैं, यदि उनका प्रबंधन ठीक से न किया जाए। ऐसे में भारत के शहरी परिदृश्य से संबंद्ध चुनौतियों की बात की जाए तो भारत में शहरी नियोजन के लिए एक ऐसे सूक्ष्म दृष्टिकोण को अपनाना समय की मांग है, जो आर्थिक विकास, सुरक्षा और नागरिकों के हित के बीच संतुलन स्थापित करता हो। यानि भारत में शहरी विकास की चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक रणनीतियों की आवश्यकता है।

जैविक खेती की बढ़ती स्वीकार्यता

अविनाश झा
डीएफएमओ, चित्रकूट

वस्तुत: जैविक या आर्गेनिक खेती के लिए पहला वैज्ञानिक दृष्टिकोण उतर वैदिक काल 1000 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व के वेदों में देखा जा सकता है। वास्तव में यह पारंपरिक भारतीय खेती ही है, जो सदियों से हम अपनाते आ रहे थे। वैश्विक स्तर पर इसका प्रारंभ 20 वीं सदी की शुरुआत में तेजी से बदलती कृषि पद्धतियों की प्रतिक्रिया स्वरूप हुई। आज जैविक कृषि लगभग 70 मिलियन हेक्टेयर में की जाती है।

खेती के आधुनिकीकरण, मशीनीकरण और अधिक उत्पादन के लिए अपनाए जाने वाले रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से एक ओर खाद्यान्न उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है, जो बढ़ती जनसंख्या को खिलाने के लिए आवश्यक भी था, परंतु दूसरी ओर इसने पर्यावरण, भूमि प्रदूषण, जल प्रदूषण और खाद्य स्वास्थ्य को क्षति पहुंचाकर मनुष्य के स्वास्थ्य पर खतरनाक असर भी डाला है।

कीटनाशकों का व्यापक स्तर पर प्रयोग, मिट्टी का कटाव और अन्य समस्याएं जलवायु परिवर्तन में विनाशकारी भूमिका निभा रहा है। मिट्टी भी रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग के चलते काफी अम्लीय हो गई है। इसने मनुष्य जाति को बाध्य किया है कि वो फिर से प्राकृतिक खेती या जैविक खेती या आर्गेनिक खेती की ओर अपना रुख करे। जैविक कृषि अर्थात् कृषि की ऐसी प्रणाली जिसमें रासायनिक खादों एवं कीटनाशक दवाओं का प्रयोग न हो, बल्कि उसके स्थान पर जैविक खाद या प्राकृतिक खादों का प्रयोग किया जाए। यह कृषि की एक ऐसी पारंपरिक विधि है जिसमें भूमि की उर्वरता में सुधार होने के साथ ही पर्यावरण प्रदूषण भी कम होता है। जैविक खेती से जैव विविधता के संरक्षण में सहायता मिलती है।

जैविक खेती के तीन मूलाधार हैं। पहला है परस्पर निर्भरता। जैविक खेती में एक खेत को पारिस्थिकी तंत्र के रूप में देखा जाता है और यह माना जाता है कि एक खेत पर किया गया परिवर्तन दूसरे खेत में प्रभाव अवश्य डालेगा। जैविक खेती का दूसरा सिद्धांत है विविधता। यह जैविक खेती मृदा में पोषक तत्वों में संतुलन बनाए रखने के लिए किया जाता है। जैविक खेती का तीसरा सिद्धांत है पुनः चक्रण है अर्थात् दुबारा से प्रयोग करना। इसमें पौधों व पशुओं के अवशेष पुनः प्रयोग में आ जाने के कारण खेतों के पोषक तत्वों को बनाए रखने में सहायक होते हैं। जैविक खेती में पानी का उपयोग कम होता है, जो जल संरक्षण को बढ़ावा देता है। रासायनिक खाद पर निर्भरता कम होने से लागत में कमी आती है और सरकार पर सब्सिडी का बोझ कम होता है। बढ़ती स्वास्थ्य चिंता के दृष्टिगत बाजार में जैविक उत्पादों की मांग निरंतर बढ़ने से किसानों की आय में भी निरंतर वृद्धि हो रही है।

जैविक खाद के उपयोग करने से भूमि की गुणवत्ता में सुधार आता है। भूमि की जल धारण क्षमता एवं भू जल स्तर में वृद्धि होती है। मिट्टी, खाद्य पदार्थ और जमीन में पानी के माध्यम से होने वाले प्रदूषण में कमी आती है। कचरे से खाद बनाने के चलते उससे होने वाली बीमारियों में कमी आती है।

वस्तुतः जैविक या आर्गेनिक खेती के लिए पहला वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्तर वैदिक काल 1000 ईसा पूर्व से 600 ईसा पूर्व के वेदों में देखा जा सकता है। वास्तव में यह पारंपरिक भारतीय खेती ही है, जो सदियों से हम अपनाते आ रहे थे। वैश्विक स्तर पर इसका प्रारंभ 20 वीं सदी के शुरुआत में तेजी से बदलती कृषि पद्धतियों की प्रतिक्रिया स्वरूप हुई। आज जैविक कृषि लगभग 70 मिलियन हेक्टेयर में की जाती है जिसमें से आधे से अधिक ऑस्ट्रेलिया में ही हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान जैविक खेती के अंतर्गत क्षेत्र, शोध तथा प्रकृति में उल्लेखनीय परिवर्तन दर्ज किया गया है।

2003-04 के दौरान प्रामाणिक जैविक खेती के अंतर्गत भारत में 42 हजार हेक्टेयर खेत आता था, जो 2008-09 में लगभग 25 गुना बढ़कर 1.2 मिलियन हेक्टेयर हो गया। मार्च 2022 तक लगभग 4.7 मिलियन हेक्टेयर तक पहुंच गया है, जो दुनिया में पांचवां सबसे बड़ा है। कुल कृषि भूमि में जैविक खेती के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि का हिस्सा 1.5 प्रतिशत है और पिछले दस वर्षों में भारत ने खेती के अंतर्गत अपनी जैविक कृषि भूमि में 145.1 प्रतिशत की वृद्धि की है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-2023 के अनुसार भारत में 4.43 मिलियन जैविक किसान हैं, जो दुनिया में सबसे अधिक हैं। भारत में मध्य प्रदेश जैविक खेती के क्षेत्रफल में सबसे आगे है। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में भी पिछले एक दशक में किसानों का जैविक खेती के प्रति आकर्षण बढ़ा है और सरकारी व गैर सरकारी प्रयासों के परिणामस्वरूप जैविक खेती का क्षेत्रफल 13 गुना से ज्यादा बढ़ गया है। बीते छह सालों में जैविक खेती करने वाले किसानों की संख्या में भी 10 गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जनवरी 1994 की सेवाग्राम घोषणा के बाद से भारत में जैविक खेती का तेजी से विस्तार हुआ है। राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत मानक और प्रमाणीकरण कार्यक्रम स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय जैविक खेती परियोजना के अंतर्गत जैविक प्रबंधन के प्रचार-प्रसार तथा जैविक खेती क्षेत्र के विस्तार हेतु अनेक योजनाएं शुरू की गई हैं। नौ से अधिक राज्यों ने जैविक खेती संबंधित कार्यक्रम को अपनाया। उत्तराखंड, नागालैंड, मिजोरम, सिक्किम आदि राज्यों में इसका तेजी से विस्तार हुआ है। किसानों को अपनी जैविक उत्पादों की जानकारी, विक्रय और विपणन के लिए जैविक खेती पोर्टल बनाया गया है, जहां लगभग 6.23 लाख किसानों ने पंजीयन किया है। पूंजी निवेश सब्सिडी योजना जिसके तहत आर्थिक सहायता देने के साथ-साथ कचरा प्रबंधन, जैविक अवशेषों को उर्वरक व खाद में परिवर्तन की विधि का ज्ञान दिया जाता हैं। जैविक उत्पादों की पहचान हेतु सरकार द्वारा जैविक उत्पादों के प्रमाणीकरण के उपरांत 'इंडिया ऑर्गेनिक' मार्क लगाया जाता है, जो उत्पादों के जैविक मानकों पर खरा होने की गारंटी है। जैविक खेती के विस्तार और विकास में एफपीओ और एफपीसी सदृश कृषि उत्पाद संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रोत्साहन के बावजूद जैविक खेती किसानों में लोकप्रिय नहीं हो पा रही है, क्योंकि ऐसी अवधारणा है कि रासायनिक खेती छोड़कर आर्गेनिक खेती करने पर शुरुआती सालों में फसल की उत्पादकता कम हो जाती है। हालांकि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने 'जैविक खेती से उत्पादन की कमी' की बात तो सिरे से नकार दिया है। वस्तुतः केमिकल फार्मिंग के मुकाबले जैविक खेती की उत्पादकता 20 से 25 प्रतिशत तक ज्यादा है। जैविक विधि से चावल की 12.82 प्रतिशत, गेहूं की 28.57 प्रतिशत, मूंगफली की 28.57 प्रतिशत, सोयाबीन की 45.09 प्रतिशत और फल-सब्जियों की उत्पादकता में 7.14 प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई है।

शोधों के अनुसार रसायनों के बढ़ते प्रयोग से ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा कम होती जा रही है। हरित क्रांति से पहले गंगा के मैदानी इलाकों में 0.5 प्रतिशत ऑर्गेनिक कार्बन उपलब्ध था, जो आज घटकर 0.2 प्रतिशत ही रह गया है। ये बंजर होती जा रही भूमि का सूचक है, जिसे जैविक खेती करके ही ठीक किया जा सकता है। जैविक खेती का सबसे बड़ा लाभ है कि रासायनिक उर्वरकों, पेस्टीसाइड्स के उपयोग न होने से खेती की लागत कम हो जाती है और दूसरी ओर बाजार में ऑर्गेनिक उत्पाद ज्यादा दाम पर बिकते हैं। जैविक खेती करने से ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा बढ़ती है, मिट्टी में जीवांशों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ उर्वरता भी बढ़ जाती है। जैविक खेती से जमीन में भूजल स्तर बेहतर बनता है और मिट्टी में नमी कायम रहती है। मिट्टी से पानी का वाष्पीकरण भी नहीं होता और सिंचाई की कम ही आवश्यकता होती है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2014-2020 अर्थात् 6 वर्ष की अवधि में जैविक उत्पादों की मांग 8.7 प्रतिशत तक बढ़ गई है जिसमें हर साल वृद्धि दर्ज हो रही है। यह किसानों के लिए अच्छा संकेत है, क्योंकि उनके खेत से निकले जैविक कृषि उत्पादों को सिर्फ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी पसंद किया जा रहा है। भारत में जैविक खेती का उत्पादन पूर्व वर्षों की तुलना में वर्ष 2022-23 में बढ़कर 2.90 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है।

जैविक उत्पादों की मांग में इसी प्रकार वृद्धि होती रही तो अमेरिकी कृषि विभाग के अनुसार भारत का जैविक उत्पाद बाजार-खाद्य और पेय पदार्थ, स्वास्थ्य और कल्याण, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल, तथा वस्त्र सहित, वर्ष 2026 तक बढ़कर 10.1 बिलियन डॉलर का हो जाएगा। जैविक खाद्य पदार्थों का वैश्विक बाजार लगभग 135 बिलियन डालर का जिसमें भारत का योगदान अभी सिर्फ 700 मिलियन डॉलर का है। स्वाभाविक रूप से इसमें विस्तार और वृद्धि की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

प्रसंगवश

ध्यान:शास्त्रीय और राजनीतिक

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

अष्टांग योग मार्ग में 'ध्यान' सप्तम सोपान है। महर्षि पतंजलि के अनुसार इसके पहले के सोपान यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार और धारणा हैं। ध्यान के बाद अंतिम सीढ़ी है 'समाधि', जहां आत्मा का परमात्मा से तादात्म्य हो जाता है, संसार छूट जाता है और जीव अखंड आनंद की स्थिति में हो जाता है।

भगवान कृष्ण से बड़ा कोई योगविद नहीं हुआ। वे योगेश्वर हैं। गीता में उन्होंने ध्यान के लिए व्यवस्था दी है कि एकांत और शुचि स्थान में वस्त्र नीचे, फिर मृगचर्म और ऊपर कुश रखकर आसन लगाएं। शास्त्रीय व्यवस्था तो यही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार समाप्त करके कन्याकुमारी के विवेकानंद रॉक मेमोरियल पर 30 मई की शाम से 45 घंटे के लिए ध्यानावस्थित होने चले गए। यह विश्व भर में प्रचारित हुआ और कैमरों ने पल-पल के फोटो कैद किए। सर्वविदित है कि यदि देश का सबसे बड़ा शासक न चाहे तो यह कैमरेबाजी नहीं हो सकती, लेकिन ऐसा हुआ और पिछले लोकसभा चुनाव के बाद का केदारनाथ गुफा का उनका ध्यान भी कैमरे की नजर से नहीं बचा था। ऐसे में ध्यान की अनिवार्य शर्त एकांत और शुचिता तो भंग हो ही गई। साथ ही पहले के छह सोपानो यम, नियम आदि का तो कहीं जिक्र आया नहीं। वे तो चुनाव प्रचार में लगे रहे। वे इन सोपानों का पालन कर ही नहीं सकते थे। यौगिक क्रियाओं, मंत्र और बीच में होने वाली अनुभूतियों को बहुत गोपनीय रखने के लिए आचार्यों और मनीषियों ने कहा है। "गोपनीयं गोपनीयं यथा हाटक पेटकम्"।

वन मार्ग में जाते हुए जैसे पथिक स्वर्ण पेटिका को गुप्त रखता है, वैसे ही यह क्रियाएं गुप्त रखी जाती हैं। अन्यत्र कहा गया है कि स्त्री अपनी योनि को जितना प्रच्छन्न रखती है, उतना ही उक्त क्रियाओं, अंतर्वर्ती अनुभवों को प्रच्छन्न रखा जाता है। यह प्रचार और फोटो वायरल कराने के विषय नहीं हैं। एक बात और, ध्यान के बाद वैसे अंतिम सीढ़ी समाधि होती है, किंतु इस केस में ऐसा नहीं होगा। वे फिर से सांसारिकता और राजकाज में लग जाएंगे। ऐसे में हमें शास्त्रीय और राजनीतिक ध्यान पद्धति को अलग-अलग करके देखना होगा।

कौन बनेगा प्रधानमंत्री, किसकी बनेगी सरकार

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

योगेंद्र यादव के मुताबिक इन चुनावों में भाजपा को 240-260 और एनडीए के साथी दलों को 35-45 सीटें मिल सकती हैं।

अब कयास लगेंगे कि देश में आने वाले समय में कौन सी पार्टी या गठबंधन की सरकार बनेगी? देश का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा? पहले की तरह से लोकसभा चुनावों की घोषणा के समय से ही राजनीतिक विश्लेषकों से लेकर ज्योतिषियों ने बताना शुरू कर दिया था कि देश को किस तरह के नतीजे मिलेंगे। सभी दलों के अपने-अपने दावे हैं।

पहले बात करते हैं चोटी के राजनीतिक चिंतक बताने वाले योगेंद्र यादव की। वे राहुल गांधी की एक पदयात्रा में भी शामिल हुए थे। योगेंद्र यादव के मुताबिक इन चुनावों में भाजपा को 240-260 और एनडीए के साथी दलों को 35-45 सीटें मिल सकती हैं। देश में सरकार बनाने के लिए 272 सीटें चाहिए। इस बीच मुंबई के जाने-माने लेखक और ज्योतिषी और स्तंभकार पंडित जेपी त्रिखा पिछले कम से कम दो लोकसभा चुनावों की सटीक भविष्यवाणी कर चुके हैं। उन्होंने 2014 और 2019 में एनडीए की सफलता की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने ज्योतिष विद्या के आधार पर 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों पर भी गहन शोध के बाद अपनी भविष्यवाणी कर दी है।

पंडित त्रिखा कहते हैं, "मेरा ज्योतिष अध्ययन स्पष्ट रूप से कहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली पार्टी बनने जा रही जा रही है। हां, नई सरकार के सामने लगातार चुनौतियां आती रहेंगी। नई सरकार को चुनौतियां का संभलकर सामना करना होगा।" इस बीच लोकनीति के संदीप शास्त्री ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर तो इस बार देश में 'मोदी लहर' देखने को नहीं मिली, लेकिन राज्यों में छोटी-छोटी लहरें जरूर हैं। राज्यों में 'मोदी हवा के झोंके', जरूर चल रहे हैं। 2004 का चुनाव परिणाम सामने आने के बारे में अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था- "कौन क्यों जीता पता नहीं और कौन क्यों हारा वो भी पता नहीं"। इस बार भी कुछ ऐसी ही स्थिति देखने को मिल रही है। वहीं, भाजपा का आंकड़ा 304 से ऊपर रहता है या नीचे जाता है, यह दो राज्य तय करेंगे। ये राज्य महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल हैं। संदीप शास्त्री ने इशारों ही इशारों में बता दिया कि देश में फिर एक बार मोदी सरकार आ सकती है।

हालांकि ये भी सच है कि इंडिया गठबंधन के नेता जैसे राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद, समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव वगैरह सब दावा कर रहे हैं कि देश में इस बार मोदी सरकार नहीं बनने जा रही है। इनका कहना है कि गठबंधन को 300 सीटें मिलने जा रही हैं। ये कह रहे हैं कि भाजपा को सिर्फ 220 सीटें मिल सकती हैं। प्रख्यात पॉलिटिकल कमेंटेटर और डेटा साइंटिस्ट सुरजीत भल्ला कह रहे हैं कि भाजपा को इस चुनाव में 350 तक सीटें मिल सकती हैं।

पंडित त्रिखा के अनुसार, " नरेंद्र मोदी की चंद्र राशि वृश्चिक है। उनका जन्म 17 सितंबर, 1950 को हुआ था। वे मंगल ग्रह से शासित हैं। वृश्चिक राशि वाले बहुत बुद्धिमान और चतुर होते हैं और उनमें नेतृत्व करने के गुण होते हैं। वे जन्मजात नेता होते हैं। मोदी जी ने इसे बार-बार साबित किया है।" बता दें कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी वृश्चिक राशि के हैं। वृश्चिक राशि के नेताओं को अक्सर उनके दृढ़ संकल्प के लिए जाना जाता है।

इस बीच चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर कांग्रेस को लेकर दावा कर रहे हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी तीन अंकों के आंकड़े तक नहीं पहुंचेगी। इसके साथ ही वे इस बात पर भी जोर दे रहे हैं कि भाजपा इस बार 2019 के आम चुनावों में प्राप्त अपनी सीटें दोहराने जा रही है या उससे भी आगे निकल सकती है। जब उनसे पूछा गया कि उन्हें भाजपा की तरफ से कितनी सीटें जीतने की उम्मीद है तो प्रशांत किशोर ने कहा कि मेरे पास जो भी अवलोकन और अनुभव है, उसके आधार मुझे नहीं लगता कि भाजपा की संख्या 2019 में जहां थी, वहां से कम हो जाएगी। वे दावा कर रहे हैं कि 2019 में भाजपा के पास जो संख्या थी, कमोबेश वही संख्या मुझे दोहराती हुई दिख रही है या शायद यह और भी बेहतर हो जाएगी।

यद्यपि उनके दावों पर बहुत बवाल भी मचा हुआ है। उनकी राय से इत्तेफाक न रखने वाले उन पर तमाम तरह के आरोप भी लगा रहे हैं। वैसे लोकसभा चुनाव के नतीजों की आधिकारिक घोषणा से पहले तो सिर्फ अनुमान ही लगाए जा सकते हैं। ये सब लोकतंत्र का हिस्सा हैं।

सोशल फोरम

एक स्वस्थ्य समाज के लिए

तजिंदर सिंघ
जमशेदपुर, झारखंड

मेरा स्पष्ट मानना है कि बच्चों की सारी पढ़ाई कोएड में ही होनी चाहिए। लड़के-लड़कियों के अलग स्कूल खत्म हो जाने चाहिए। सातवीं क्लास तक मैंने भी कोएड में ही शिक्षा ग्रहण की। जब विपरीत लिंग को सही में समझने की जरूरत थी। तब मुझे केवल लड़कों के स्कूल में भर्ती होना पड़ा। वहां जिस बात से सबसे पहले वास्ता पड़ा वो थी गालियां, लेकिन इतने विशाल ज्ञान भंडार के होते हुए भी आज तक कभी गाली निकालने का साहस नहीं कर पाया। ये सारा ज्ञान और समृद्ध शब्दकोश बेकार ही जा रहा है। खैर तो मैं बात कर रहा था कोएड की शिक्षा की। आप एक बात नोट कीजिए कि पुरुषों के समूह में एक स्त्री या स्त्रियों के समूह में एक पुरुष को रख दीजिए। तो पूरे समूह के व्यवहार में अभूतपूर्व परिवर्तन आ जाता है। लोग थोड़ा ज्यादा सलीकेदार, सभ्य और शरीफ दिखने की कोशिश करने लगते हैं और दोनों लिंगों को एक दूसरे को समझने बुझने के बेहतर मौके मिलते हैं। एक झिझक, एक संकोच सा जो दोनों के मन मे एक दूसरे के लिए होता है, वो दूर हो जाता है। लोग प्रेमी प्रेयसी के अतिरिक्त मित्रता के धरातल पर भी संबंध बनाने की सोचते हैं।

दोनों को अलग-अलग बाड़ों में रख पढ़ाने-लिखाने से बेहतर इन्हें एक ही बाड़े में रख एक दूसरे के लिए बेहतर समझ विकसित करने के मौके दिए जाएं, ताकि मानसिक रूप से एक परिपक्व समाज का निर्माण हो सके। मेरी पीढ़ी के बहुत लोग इस आपसी समझ को विकसित करने से वंचित रह गए। हमारे साथ के मित्रों को तो लड़की किसी एलियन के समान लगती थी। क्या बात करूं, कैसे करूं, कहां से शुरू करूं... तब तक लड़की ये जा और वो जा। ऐसा ही हाल कुछ उधर भी रहता था। आज के बच्चों में ये झिझक देखने को नहीं मिलती। उस वक्त कुछ एक्स्ट्रा स्मार्ट लड़के लड़की ही इससे बरी थे। वरना बाकी सब तो विपरीत लिंगी को देख मिमियाने लगते थे।

आज दोनों के बीच का भेद जब मिट रहा हो तो कोएड को शुरुआत से ही बाध्यकारी कर दोनों को एक दूसरे के प्रति एक बेहतर नजरिया विकसित करने के अवसर दिए जाने चाहिए। एक स्वस्थ्य समाज के लिए ये आज की जरूरत है। **-फेसबुक वॉल से**

ईमानदार आदमी बेवकूफ होता है

अनूप शुक्ल
कानपुर

एक बच्ची के हाथ में एक छोटा पक्षी दुबका सा बैठा था। बच्चों ने उसे रास्ते से उठाया था। पक्षी की पीठ में हल्का सा घाव था। उसकी हड्डियां दिख रहीं थीं। शायद किसी बड़े पक्षी ने उस पर हमला किया होगा।

सुबह नींद खुली साढ़े तीन बजे। मतलब तब जब ब्रह्ममुहूर्त भी ड्यूटी पर हाजिर नहीं हुआ था। कई लिखाई-पढ़ाई के काम याद आए। उनको याद करके फिर पलट के सो गए। सोचा थोड़ा और सो लिया जाए फिर उठा जाएगा। मतलब नींद की 'एक बाइट' और ले ली जाए। थोड़ा सोने के बाद नींद खुली तो पांच बज गए थे। मतलब नींद की 'एक बाइट डेढ़' घंटे की हुई।

'नींद की बाइट' भी हर एक के लिए अलग-अलग होती है। किसी की घंटे भर की, किसी की पांच मिनट की। यह तो बात हुई नींद की। उनके क्या हाल होते होंगे जिनको नींद नहीं आती या कम आती है। उनकी भी क्या 'उनींदे' की 'अनींद' की बाइट होती होगी? जगने के बाद टहलने निकले। सड़क पर इक्का-दुक्का लोग टहल रहे थे। पंछी हल्ला मचा रहे थे। क्या पता कह रहे हों हमारा नाम लेते हुए -'निकल लिया, निकल लिया आज भी टहलने निकल लिया।' सामने से एक महिला बीच सड़क पर टहलती आ रही थी। हाथ में छुटका तौलिया लिए थी। शायद पसीना पोंछने के लिए। पसीना अभी आया नहीं था, लेकिन महिला तौलिया चेहरे पर घुमाती जा रही थी। शायद पसीना सुखाने की नेट प्रैक्टिस कर रही हो। यह भी हो सकता है संभावित पसीने को धमका रही हो-'खबरदार, जैसे ही निकले, सुखा दिए जाओगे।'

एक दूसरी महिला टहलते हुए बगल से गुजरी तो दिखा की उसके कान में ईयरप्लग ठुंसा था और वह कोई प्रवचन टाइप सुन रही थी। बगल से गुजरते हुए प्रवचन के बोल मेरे भी कानों में जबरियन धंस गए। प्रवचनिया कह रहा था-'काम, क्रोध, मद, लोभ से बचकर रहना चाहिए।' महिला जब यह सुन रही थी तब वह इन सभी तथाकथित विकारों से एकदम मुक्त थी। कोई इंसान जब काम, क्रोध, मद, लोभ आदि विकारों से मुक्त हो तब उसको उनसे बचने के लिए कहा जाए तो सहज रूप से इनके बारे में सोचेगा। आगे के पार्क के बाहर पुलिया पर बैठे कुछ लोग अपने शरीर को टेढ़ा-मेढ़ा करते हुए बतिया भी रहे थे। एक की आवाज सुनाई पड़ी -'ईमानदार आदमी को कमजोर समझते हैं। सब समझते हैं कि ईमानदार आदमी बेवकूफ होता है। पहले ऐसा नहीं होता था।' 'ईमानदार' को 'ईमानदार' कहते हुए पूरे आत्मविश्वास से ईमानदारी को बेवकूफी का सीधा कनेक्शन करवा रहे थे। अगले ने भी कुछ कहा होगा। हम सुन नहीं पाए। हमको बस यही दिखा कि वह अपने पेट को कपड़े की तरह निचोड़ते हुए कसरतिया रहा था। वहीं सामने के पार्क में कुछ महिलाएं भी बच्चों के साथ हाथ और पेट घुमाते हुए कसरत कर रहीं थीं। चौराहे पर एक 'स्लिमिंग सेंटर' वाले अपना होर्डिंग लगाए खड़े थे। पतला होने की तरकीब बताने के लिए। कोर्स करवाने के लिए। एक आदमी ने अपना पुराना फोटो दिखाया जिसमें वह काफी स्वस्थ दिख रहा था। अभी वह 'स्लिम-ट्रिम' टाइप दिख रहा था। बताया कि ये थे ये हो गए हैं। हमको बोला -'खाली टहलने से नहीं होगा। खानपान ठीक करना होगा।' अपन आगे बढ़ गए। हड़बड़ी में वजन नहीं कम करना। फैट बुरा मान जाएगा। आहिस्ते से कम करेंगे। फुसलाते हुए। इतने दिन साथ दिया उसने मेरा। अब हम उसको झटके से दफा कर दें। ऐसे बेवफा हम हरगिज नहीं। लौटते हुए एक रेलिंग पर कुछ बच्चे बैठे दिखे। कल भी दिखे थे, लेकिन कल बात नहीं हुई थी। आज पास खड़े होकर बात की। पता चला कि स्कूल के घरों में रहते हैं। टहलने आए हैं तो आराम करने के लिए बैठ गए रेलिंग पर। रेलिंग पर बैठना बच्चों के थकने से ज्यादा बतियाने की मंशा से रहा होगा। तसल्ली से बतिया रहे थे वे। एक बच्चा अपना मोबाइल में कोई वाल पेपर छांट रहा था। हमने सबको रेलिंग पर बिठाकर फोटो खींचा। दिखाकर कहा -'इसे बना लो वाल पेपर। बच्चे मेरी बात पर हंसने लगे। हमको लगा कि देश में हमारा जिक्र करते हुए इस बात पर बहस न छिड़ जाए कि एक और भी नमूना है देश में जिस पर लोग हंसते हैं। एक बच्ची के हाथ में एक छोटा पक्षी दुबका सा बैठा था। बच्चों ने उसे रास्ते से उठाया था। पक्षी की पीठ में हल्का सा घाव था। उसकी हड्डियां दिख रहीं थीं। शायद किसी बड़े पक्षी ने उस पर हमला किया होगा। बच्ची कह रही थी-'इसे घर ले जाएंगे। इलाज करेंगे।' बच्चों से बात करने के बाद घर लौट आए। हमको पुलिया पर बैठे आदमी की बात याद आ रही है-'ईमानदार आदमी बेवकूफ होता है।' क्या सच में ऐसा होता है?

गांधीजी ने ग्यारह बार देखी काशी

प्रयाग पाण्डे
वरिष्ठ पत्रकार

राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी का वाराणसी से आत्मीय लगाव था। 1902 से 1942 तक चार दशक के कालखंड में राष्ट्रपिता ने वाराणसी का 11 बार दौरे किए थे। इस दौरान उन्होंने करीब सवा महीने तक काशी की पवित्र धरा पर विश्राम किया था। गांधी जी का काशी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रेणता महामना मदनमोहन मालवीय जी एवं बीएचयू के साथ विशेष लगाव था। आत्मीयता थी। गांधी जी 22-23 फरवरी, 1902 में पहली बार काशी पधारे। तब वे काशी के एक पंडे के निवास स्थान में रुके। गांधीजी ने गंगा स्नान किया। भगवान श्रीविश्वनाथ जी के दर्शन किए और एनी बेसेंट से भेंट की।

गांधीजी ने काशी का दूसरा दौरा 1916 में किया। तब वे बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना समारोह में भाग लेने के लिए 3 फरवरी, 1916 को वाराणसी गए। गांधीजी ने 3 फरवरी को भगवान श्री विश्वनाथ जी के दर्शन किए। 4 फरवरी, 1916 को उन्होंने हिन्दू विश्वविद्यालय स्थापना समारोह में प्रतिभाग किया। वहां भाषण दिया। 5 फरवरी को काशी में नागरी-प्रचारिणी सभा में भाषण दिया। 8 फरवरी, 1916 तक गांधीजी काशी में ही रहे। चार साल बाद 21 फरवरी, 1920 को गांधीजी ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों की सभा में भाग लिया और विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया। इसी साल 30 मई, 1920 को गांधीजी वाराणसी गए। उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की बैठक में भाग लिया। दो दिन तक वाराणसी में रहे। इसी वर्ष नवंबर के महीने में गांधीजी पुनः वाराणसी गए। 25 से 27 नवंबर, 1920 तक यहीं रहे। इस दौरान उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों की सभा में भाग लिया। 9 फरवरी, 1921 को गांधीजी ने वाराणसी के टाउन हॉल के मैदान में आयोजित सार्वजनिक सभा में भाषण दिया और अगले दिन 10 फरवरी, 1921 को काशी विद्यापीठ के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की। गांधीजी 17 अक्टूबर, 1925 को वाराणसी के दौरे पर गए। यह उनका सातवां काशी दौरा था। उन्होंने काशी विद्यापीठ की सभा में भाषण दिया। करीब डेढ़ साल बाद फरवरी, 1927 को गांधीजी काशी गए। 7 एवं 8 फरवरी, 1927 को वहीं रहे। इस दौरान उन्होंने गांधी आश्रम के वार्षिक समारोह में भाग लिया। गांधीजी का 1934 का वाराणसी दौरा सबसे अधिक दिनों का था। इस वर्ष वे 27 जुलाई से 2 अगस्त, 1934 तक वाराणसी में रहे। 28 फरवरी को गांधीजी काशी विद्यापीठ गए। 29 फरवरी को उन्होंने जिलों के प्रतिनिधि मंडलों से भेंट की। गांधीजी ने 30 जुलाई, 1934 को काशी में 'मौन दिवस' मनाया। अगले रोज सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। 1 अगस्त, 1934 को हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने गांधीजी को मानपत्र भेंट किया। इसी दिन गांधीजी ने कांग्रेस पार्टी की बैठक में भाग लिया। महिलाओं की सभा की। 2 अगस्त को गांधी जी ने कबीर मठ का निरीक्षण किया। इसी दिन काशी की पंडित मंडली ने गांधीजी को मानपत्र भेंट किया। अक्टूबर, 1936 में गांधी जी ने वाराणसी में भारत माता मंदिर का उदघाटन किया। कला भवन का निरीक्षण भी किया। जनवरी, 1942 में गांधी जी पुनः वाराणसी दौरे पर गए। यह गांधी जी की ग्यारहवीं काशी यात्रा थी। 21 जनवरी, 1942 को उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की जयंती समारोह में प्रतिभाग किया। 22 जनवरी, 1942 को कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात की।

दुस्साहस : पत्नी को डंडे से पीट-पीट कर मार डाला

पिता ने लगाया दहेज हत्या का आरोप, डंडे से पीटने का वीडियो भी हो रहा वायरल

संवाददाता बसरेहर, इटावा

अमृत विचार। चौबिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत खेड़ा हेलू गांव में एक युवक ने अपनी पत्नी को बड़ी बेरहमी से डंडे से पीट पीट कर उसकी हत्या कर दी। मृतका के पिता ने दहेज हत्या का आरोप लगाया है। डंडे से पीटने का वीडियो भी वायरल हो रहा है। हालांकि अमृत विचार वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मैनपुरी जिले के नगला कैथ निवासी बदन सिंह पुत्र बृजवासी लाल ने थाना चौबिया में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने अपनी पुत्री रेनू की शादी 2017 में चौबिया क्षेत्र के गांव खेड़ा हेलू निवासी अजीत कुमार पुत्र दुरबीन सिंह के साथ की थी। सामर्थ्य के अनुसार दहेज दिया था लेकिन दामाद अजीत व सास उर्मिला देवी द्वारा बाइक व पचास हजार रुपया की मांग की जा रही थी मांग पूरी न होने पर ससुरालीजन उसका उत्पीड़न कर रहे थे। गुरुवार को अजीत ने फोन पर जानकारी दी कि उसकी बेटी की मौत हो गई है इस पर वह तत्काल गांव में पहुंचे और जाकर देखा पुत्री रेनू घर के बाहर मृत अवस्था में पड़ी मिली।

उसने थाना चौबिया में दहेज हत्या का मामला दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। बाद में एक वीडियो वायरल हो गया जिसमें वह पत्नी को डंडों से पीट रहा है। थाना चौविया पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

महिला ने फांसी लगाकर जान दी

बकेवर, इटावा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव अहेरी पुर में घरेलू कारणों से परेशान एक महिला ने अपने घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव अहेरी पुर निवासी श्याम सिंह की पत्नी गुड़िया देवी 40 वर्ष ने घरेलू कारणों से परेशान होकर अपने घर के कमरे में फांसी लगा ली। जिससे उसकी मौत हो गई। जब परिजनों को जानकारी हुई तो उन्होंने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया

घर में पड़ा मिला हलवाई का शव, गर्दन पर मिले चोट के निशान

जसवंतनगर, इटावा। कस्बा के मोहल्ला रेल मंडी में एक हलवाई का शव घर के अंदर पड़ा मिला। उसकी गर्दन पर चोटों के निशान है इससे माना जा रहा है कि उसकी गर्दन पर प्रहार कर हत्या की गई है। उक्त मोहल्ला निवासी दर्शन सिंह हलवाई का काम करते थे। दो दिन से वह घर से नहीं निकले। उनकी पत्नी बाहर गई थीं। शुक्रवार को लोगों ने अंदर जाकर देखा तो उनका शव पड़ा था। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनकी गर्दन पर चोट के निशान थे माना जा रहा है कि उनकी गर्दन पर प्रहार कर हत्या कर दी गई है। एसएसपी संजय वर्मा ने बताया कि ऐसा लग रहा कि उनकी किसी परिचित ने हत्या की है। इस सम्बंध में कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है जल्द ही मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

शशांक अपनी माता भाजपा नेत्री विरला शाक्य के साथ। अमृत विचार

बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र में जिले के शशांक ने दिखाया दमखम

इटावा। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष विरला शाक्य के छोटे पुत्र शशांक शाक्य ने बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र में इटावा का नाम रोशन किया है। शशांक शाक्य ने नोएडा व दिल्ली में आयोजित बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में एनपीसी नेशनल फिजिक कमेटी राउंड में मिस्टर यूपी व मेन्स फिजिक जूनियर वर्ग में गोल्ड मेडल व क्लासिक फिजिक सीनियर वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किया।

बॉडी बिल्डिंग स्पोर्ट्स एसोसिएशन राउंड में मेन्स फिजिक जूनियर वर्ग व क्लासिक फिजिक में गोल्ड मेडल व मेन्स फिजिक सीनियर वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। डोमिनेटर क्लासिक राउंड में मेन्स फिजिक जूनियर व क्लासिक फिजिक जूनियर में गोल्ड मेडल हासिल किया। डायमंड कप एलीट क्लासिक राउंड के मेन्स फिजिक जूनियर में सिल्वर मेडल हासिल किया । उनके गुरु मुकेश गहलोत का कहना है कि शशांक बेहद मेहनती व स्ट्रिकटली डाइट को फॉलो करने वाला खिलाड़ी है । उनकी इस सफलता पर भाजपा मीडिया प्रभारी रोहित शाक्य समेत तमाम लोगों ने बधाई दी है।

सार-संक्षेप

पति छीन ले गया बच्चा, पुलिस ने वापस कराया

इटावा। तीन दिन पहले ससुराल आकर जबरन तीन साल के बेटे को ले जाने पर मां बेहाल हो गई। पीड़िता ने एसएसपी संजय वर्मा से बेटे को दिलाने की गुहार लगाई, उनकी पहल पर बेटा शुक्रवार को मां को मिल गया तो मां की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। थाना वैदपुरा क्षेत्र में रहने वाली नीलू की शादी मध्य प्रदेश में जिला भिंड क्षेत्र के गांव लाहन में रहने वाले महावीर सिंह से हुई थी। तीन साल पहले उसका बेटा हो गया जिसका नाम हर्ष रखा। कुछ दिनों पहले उसका पति से विवाद हो गया जिस पर वह मायके आ गई। बेटे के बगैर पिता महावीर सिंह भी नहीं रह पा रहा था, इसके चलते तीन दिन पहले वह ससुराल आकर मासूम बेटे हर्ष को जबरन ले गया। नीलू ने बुधवार को एसएसपी संजय वर्मा के समक्ष रोते हुए बेटे को वापस दिलाने की गुहार लगाई जिस पर उन्होंने छानबीन कराई तो पता चला कि महावीर सिंह बेटे को ग्वालियर ले गया है। एसएसपी मामले को गंभीरता से लेकर आपरेशन मुस्कान चलाकर स्वयं ही एसपी ग्वालियर से संपर्क करके बेटे को वापस मां को दिलाने की पहल की। जिस पर महावीर सिंह की कानूनी पाठ पढ़ाकर उससे मासूम बेटे हर्ष को वापस लेकर मां नीलू को सौंपा।

लू लगने से ट्रक चालक की गई जान

इटावा। इकदिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत हाईवे पर भाटिया पम्प के पास एक ट्रक चालक की लू लगने से मौत हो गई। उसका शव सीट पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। राजस्थान के बाडमेर जिले के रामदेरिया थाना सवाई मूलराज निवासी तेजा राम 45 वर्ष पुत्र टीका राम ट्रक चालक है वह ट्रक में सामान लादकर आ रहा था तभी इकदिल के पास लू लगने से उसकी मौत हो गई। ट्रक में जीपीएस लगा था। ट्रक मालिक ने चालक को फोन किया लेकिन उसका फोन नहीं उठा। काफी देर तक ट्रक एक ही स्थान पर खड़ा होने पर मालिक को शंका हुई। बाद में उसने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को उसका शव सीट पर पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

झोलाछाप ने काट दी गर्भवती की नस, बिगड़ी हालत

ताखा, इटावा। झोलाछाप ने गर्भवती महिला का गर्भपात करते समय नस काट दी। जिससे महिला की हालत बिगड़ गई। गंभीर हालत में दूसरे अस्पताल में ऑपरेशन से मरा हुआ शिशु निकाला गया तब उसकी जान बच पाई। ऊसराहार थाना में मैनपुरी के किशनी थाना क्षेत्र में कुढरा गांव के रहने वाले अशोक कुमार ने बताया कि पत्नी सरिता को चार माह का गर्भ था। अचानक दर्द होने पर वह किशनी के सरकारी अस्पताल में लेकर गया वहां नर्स ने बताया कि पेट में बच्चा मर चुका है। ऊसराहार के जानकी सर्जिकल नर्सिंग होम में ले जाए और सफाई करा दें। नर्स के कहने पर पत्नी को उक्त अस्पताल में लेकर पहुंचा, वहां डाक्टर ने गर्भपात के लिए पूरी रात अस्पताल में रखकर कहा कि मरा हुए बच्चा निकाल दिया है। आपरेशन कराना पड़ेगा इसलिए इटावा किसी अस्पताल में ले जाएं। दस हजार रुपये देकर इटावा पहुंचा तो डाक्टरों ने जांच करके बताया कि पेट से मरा हुआ बच्चा निकाला ही नहीं गया है। उल्टा कोई एक नस और काट दी गई है। डॉक्टरों ने आपरेशन करके मरे हुए बच्चे को निकालकर नस को जोड़ा तब पत्नी की जान बच पाई। थाना प्रभारी बेंचन सिंह ने बताया कि मामला स्वास्थ्य अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है जल्द ही फर्जी तरीके से अस्पताल संचालित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दफनाए गए शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

भरथना, इटावा। कस्बा के मुहल्ला महावीर नगर निवासी सुभाष चंद्र पांडेय ने अपनी पुत्री की हत्या की आशंका जताते हुए डीएम को प्रार्थना पत्र दिया। पुत्री की पांच दिन पहले मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि 27 मई के उसके परिवार में गमी हो जाने के कारण मुहल्ला ब्रजराज नगर में आयोजित तेरहवीं संस्कार कार्यक्रम में अपने परिवार व बच्चों सहित शामिल होकर शाम 6 बजे अपनी नाबालिग पुत्री गौरी उम्र करीब 16 वर्ष व छोटी बेटी उम्र करीब 10 वर्ष के साथ घर आ गया। बाद में वह तहसील तिराहे के समीप स्थित अपनी चाय की दुकान पर चला गया था। पत्नी व परिवार के अन्य सदस्य ब्रजराज नगर में रुक गए थे। जब उसका पुत्र घर लौटा तो उसने छोटी पुत्री से गौरी के बारे में पूछा। उसने बताया कि गौरी ऊपर कमरे में है। जब उसने जाकर देखा तो तो उसका शव फंदे पर लटका मिला। परिजन शव को उतारकर प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां पर डाक्टरों से उसे मृत घोषित कर दिया गया। बाद में बिना पुलिस को सूचना दिए शव को दफना दिया गया। बाद में पिता ने हत्या की आशंका व्यक्त करते हुए शव को निकलवाकर पोस्टमार्टम कराने का प्रार्थनापत्र डीएम को दिया। डीएम के आदेश पर शुक्रवार को गौरी के शव को निकलवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिएभेजा गया है। सीओ ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

रेस्क्यू कर सांड़ को पहुंचाया गया गौशाला

बसरेहर, इटावा। बसरेहर कस्बा में गुरुवार की सुबह 31 वर्षीय अनुज कुमार की गाय को रोटी खिलाते समय घूम रहे सांड़ के हमले के बाद मौत हो गई थी। वहीं घूम रहे गोवंशों को सड़कों से हटाने की मांग तेजी से उठने लगी। सदर एसडीएम विक्रम सिंह राघव ने बसरेहर क्षेत्र के आसपास घूम रहे अन्ना गोवंशों को पकड़ने की मुहिम को शुरू कर दिया है। शुक्रवार की सुबह सांड़ सहित दो गोवंशों को पकड़कर गौशाला पहुंचा दिया गया

पूर्व मंत्री विनय शाक्य की याद में होगी श्रद्धांजलि सभा

स्व. विनय शाक्य।

इटावा। पूर्व मंत्री विनय शाक्य की याद में स्मरण/श्रद्धांजलि सभा का आयोजन 2 जून को गौतम बुद्ध पार्क (नुमाइश पंडाल के पास) शाम चार बजे से होगा । स्मरण/श्रद्धांजलि सभा का आयोजन शाक्य अखिल भारतीय शाक्य महासभा की ओर से आयोजित किया जा रहा है। आयोजन समिति से जुड़े हुए रामकरन सिंह,अरविंद शाक्य,बदन सिंह,जितेंद्र सिंह शाक्य,विक्रम सिंह बौद्ध ने संयुक्त रूप से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्व मंत्री विनय शाक्य की ही प्रेरणा से इटावा में नुमाइश पंडाल के पास विशाल गौतम बुद्ध पार्क का निर्माण कराया गया है। पूर्व मंत्री विनय शाक्य का निधन 26 मई को हो गया था, सर्व समाज ने विनय शाक्य से जुड़े हुए सभी जनों से अपील की है कि स्मरण/श्रद्धांजलि में शामिल हो श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

शनि मंदिर पर जन्मोत्सव कार्यक्रम छह जून को

महेवा। ग्राम मतरामपुर में श्री शनिदेव महाराज जी सेवा समिति भरथना के तत्वावधान में सप्तम जन्मोत्सव कार्यक्रम आगामी 06 जून को आयोजित होगा । आयोजक श्री प्रकाश पोरवाल एडवोकेट ने बताया कि हनुमान मंदिर हवन पूजन ,कन्या पूजन ,सुंदर कांड एवं भंडारा होगा।

समाजसेवी का निधन

महेवा। ग्राम बहेड़ा निवासी वयोवृद्ध समाजसेवी पंडित हरिदत्त शर्मा का निधन हो गया। वह कथावाचक पंडित अमरनाथ शर्मा के बड़े भाई थे । उनके निधन पर प्रधान विजय प्रताप सिंह सेंगर ,सहकारी संघ महेवा के अध्यक्ष राजीव चौधरी ,पूर्व प्रधान राहुल तिवारी ,अनिल तिवारी ,सुरजन सिंह पाल, प्रधान महेवा कुमुद सिंह , क्षेत्र पंचायत सदस्य बहेड़ा शशि दिवाकर , कमलेश अग्निहोत्री , राजू दुबे ,संतोष शर्मा ,डाक्टर हरी चौबे आदि ने शोक व्यक्त किया है।

विषाक्त पदार्थ के सेवन से हुई वृद्ध की मौत

संवाददाता जसवंतनगर, इटावा

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव नगला अर्जुन निवासी एक व्यक्ति ने घरेलू कारणों से परेशान एक व्यक्ति ने किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगडने पर उसे पीजीआई में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उक्त गांव निवासी चंदी लाल 55 वर्ष पुत्र खेमाराम ने गृह क्लेश के चलते अपने घर पर ही किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगडने पर परिवार के लोगों को इसकी जानकारी हुई तो परिवार के लोगों ने उसे पीजीआई में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। चंदी लाल की मौत होने से परिवार में कोहराम मच गया पत्नी नेकसी देवी समेत परिवारजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आंधी में छत से गिरकर गई बच्ची की जान

जसवंतनगर, इटावा। क्षेत्र के गांव देवीपुरा निवासी धर्मेंद्र कुमार की तीन वर्षीय पुत्री गौरी गुरुवार शाम अपने दो मंजिला घर की छत पर कुछ बच्चों के साथ खेल रही थी। उसी समय आंधी आ गई। आंधी आने पर अन्य बच्चे तो छत से नीचे उतर आए थे। लेकिन गौरी छत पर रह गई थी। आंधी में गौरी छत से नीचे पक्के फर्श पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी होने पर परिवार के लोग उसे इलाज के लिए पीजीआई ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

गौरी।

धोखाधड़ी के मामले में सींचपाल समेत पांच को सात साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, इटावा

- कोर्ट ने सभी पर साढ़े ग्यारह-साढ़े ग्यारह हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

अमृत विचार। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय आरती द्विवेदी ने चौदह साल पुराने धोखाधडी के एक मामले की सुनवाई करते हुए सींचपाल व उसकी पत्नी सहित पांच लोगों को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने सभी को सात-सात साल की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने उन पर साढ़े ग्यारह – साढ़े ग्यारह हजार रुपया का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना अदा न करने पर उन्हें दो माह का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा।

अभियोजन पक्ष के अनुसार जसवंत नगर निवासी उदयभान सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि उसने वर्ष 2010 में सिपाही भर्ती के लिए आवेदन किया था। उसके बाद उसने परीक्षा दी। इसी बीच कस्बा में रहने वाले सींचपाल के पद पर तैनात उमेश चंद्र पुत्र शिव दयाल निवासी मोहन पुर मैनपुरी हाल पता जसवंत नगर से उसकी

मुलाकात हुई। इसी बीच उसने आई जी के पेशकार से सम्बंध होने की बाद कही। इसके अलावा सींचपाल के साथी रामबीर पुत्र राम रतन रेल मंडी जसवंत नगर राधेश्याम पुत्र मूल चंद्र निवासी बिचपुरी खेडा वैदपुरा व साला अजय पाल निवासी राम नगर थाना नयागांव एटा भी इस योजना में शामिल हो गए। उसने 24 अप्रैल 2010 को उसे चार लाख रुपया दे दिए। कुछ समय बाद उसका रिजल्ट आया तो वह फेल हो गया। बाद में जब उसे अपने रुपया वापस मांगे तो वह लोग आना कानी करते रहे। पांच फरवरी 2012 को वह सींचपाल के घर रूपया मांगने गया तो उसने रुपया देने से इंकार कर दिया। विरोध करने पर सींचपाल उमेश चंद्र उसकी पत्नी श्री देवी राम वीर राधेश्याम व अजय ने उसके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। इस सम्बंध में उसने कोर्ट में वाद दायर किया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने उमेश चंद्र सीचपाल उसकी पत्नी श्रीदेवी राम वीर राधेश्याम व अजय के खिलाफधोखाधड़ी व जान से मारने की धाराओं में मामला दर्ज किया।

मामले की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय की कोर्ट में हुई। अभियोजन अधिकारी संगीता सिंह के द्वारा पेश किए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर कोर्ट ने उमेश चंद्र सीचपाल, श्री देवी, राधेश्याम, रामवीर व अजय को दोषी पाया और उन्हे सात सात साल की सजा सुनाई। इसके अलावा कोर्ट ने उन पर साढ़े ग्यारह हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया।

खुद को गोली मारने वाला भेजा गया जेल

इटावा। ऊसराहार थाना क्षेत्र के गांव ताखा के पास एक षडयंत्र के तहत खुद को गोली मारने बाद में कार सवार लोगों पर गोली मारने का आरोप लगाने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने तमंचा व कारतसू भी बरामद कर लिए। बाद में आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने उसे जेल भेज दिया।

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा तत्काल घटना में संलिप्त मन्नू तिवारी के पिता राजेन्द्र सिंह से पूछताछ की गयी तो उसने बताया कि वर्ष 2023 में मनोज कुमार पुत्र सुभाष ने एक महिन्द्रा ट्रैक्टर सात लाख चालीस हजार रूपये में फाइनेन्स कराया था। जिसकी 35,000 रुपये की 02 किस्तें मनोज कुमार के द्वारा जमा की गयी थी परन्तु शेष किस्तों का भुगतान न करने पर 06 माह पूर्व एजेन्सी के द्वारा ट्रैक्टर को एजेन्सी पर खड़ा करा लिया गया था। मनोज कुमार के द्वारा इसी रंजिश को लेकर दबाव बनाने के उद्देश्य से यह झूठी घटना घटित की गयी है ।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आये युवा पीढ़ी : ईओ

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। सरस्वती इंटर कॉलेज मोतीझील इटावा में समर कैंप का भव्य तरीके से समापन हुआ। बच्चों ने गीत, नृत्य और नाट्य कला पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। 12 दिनों तक चले समर कैंप में विभिन्न प्रकार की रचनात्मक , कलात्मक, तकनीकी ज्ञानकौशल आदि गतिविधियों में छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी विनय मणि त्रिपाठी ने बच्चों के प्रस्तुति की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पर्यावरण संरक्षण के बारे में बच्चों को खासतौर पर सतर्क रहना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये युवा पीढ़ी को आगे आना होगा। आरएसएस के सह प्रांत कार्यवाह डॉ प्रदीप सिंह भदौरिया ने समर कैंप का आयोजन छात्रों के लिए समय का उचित प्रयोग बताया । भारत विकास परिषद के अध्यक्ष इन्द्रनारायण पांडे ने कहा की पढ़ाई के साथ -साथ छात्रों को अन्य तमाम प्रकार के कामों में भी निपुण होना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकार बंधुओ का प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मान भी किया गया । समर कैंप में प्रशिक्षक सुंदरम , विदुषी गुप्ता , कृति कसेरा , विमल जी , सतीश चंद्र शर्मा को उनके उत्कृष्ट प्रशिक्षण के लिए अंगवस्त्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया ।

छात्र को पुरस्कृत करते ईओ नगर पालिका विनय मणि त्रिपाठी। अमृत विचार

- सरस्वती इंटर कालेज में समर कैंप का हुआ समापन

प्रधानाचार्य शोभाराम तिवारी, प्रबंधक संतोष हयारण ने अतिथियों व प्रशिक्षको का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन चंद्रशेखर राजपूत ने किया । छायांकन शैलेश व शिवम ने किया । इस कार्यक्रम में पदम सिंह नरूका मंत्री बालकल्याण समिति , कोषाध्यक्ष वीरेश मिश्र, उपाध्यक्ष सुरेंद्र दीक्षित , सदस्य विमल गुप्ता ,निशा गुप्ता, जागेश्वर अग्रवाल (अध्यक्ष व्यापार मंडल), डा संतोष, सर्वेश , मीना राजपूत,संजीव भदौरिया , पत्रकार विनीत कुमार, पत्रकार भूपेंद्र सिंह, पत्रकार ऋषि तिवारी, गजेंद्र सिंह सेंगर, अरुण शर्मा, अरविंद त्रिपाठी, धर्मेंद्र बाजपेई, अखिलेश मिश्रा, शांति, अर्चना, प्रतिमा सेंगर, प्रतिमा भदौरिया अन्य विद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।

नशा जैसी कुरीतियों से रहें दूर और योग करें

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती एवं विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर भारत विकास परिषद इटावा तुलसी एवं कौशल्या देवी उमा विद्यालय टिमरूआ के सहयोग से नगर के पक्का तालाब पर संचालित नशा मुक्ति केंद्र में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

मुख्य वक्ता गोविंद माधव शुक्ला ने नशा से दूर रहने का संकल्प दिलाया। जिला आबकारी अधिकारी विकास द्विवेदी ने कहा कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रति वर्ष सिर्फ नशे के कारण ही लाखों लोग असमय काल के गाल में समा जाते हैं। स्वतंत्र पत्रकार गणेश ज्ञानार्थी ने कहा कि हमें स्वयं नशे से दूर रहना होगा। प्रीतम खन्ना ने कहा कि हम योग प्राणायाम के जरिए अपने को स्वस्थ व विकारों से मुक्त रख सकते हैं। अनुराग श्रीवास्तव ने तंबाकू से होने वाली कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों के चित्र दिखाते हुए लोगों को जागरूक किया। तुलसी शाखा अध्यक्ष कैलाश यादव ने उपस्थिति लोगों को नशा त्यागने की शपथ दिलाई। रामनरेश आचार्य ने देवी अहिल्या बाई के जीवन पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता ब्राह्मण महासभा के संरक्षक चंद्र मोहन तिवारी ने की । संचालन डी डी बाथम ने किया । डॉ ध्रुव कुमार गुप्ता, शमीम बेगम,अंजू चौधरी, मंजू सिंह, संगीता पाल, मौसमी पाल, अत्रि पाण्डे एवं पंकज सिंह मौजूद रहे।

आफत

बिजली न आने से परेशान हुए उपभोक्ता और बिजलीकर्मी , कहीं-कहीं पर लोगों को रात भर रुलाया

आंधी-पानी आने के बाद हुए धड़ाधड़ फाल्ट

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। गुरुवार की शाम को चली तेज आंधी के बाद और 8 बजे के करीब हुई बारिश से बिजली व्यवस्था बिगड़ गई। इसके चलते कई स्थानों पर फाल्ट हो गए जिससे बिजली सप्लाई बहाल करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थिति यह रही कि आंधी पानी के बाद बिजली गायब हो गई। मध्य रात्रि तक शहर की बिजली व्यवस्था सामान्य हो पाई। इसके चलते उपभोक्ता खासे परेशान रहे । उनकी नींद पूरी नहीं हो सकी दूसरी ओर विभाग भी मरंमत में जुटा रहा।

आंधी और बारिश के समय बिजली व्यवस्था सप्लाई बंद कर दी गई थी । आंधी पानी के बाद जब बिजली सप्लाई चालू की गई तो कई स्थानों पर फॉल्ट निकले। स्थिति यह थी की थोड़ी-थोड़ी दूर पर केवल में फॉल्ट मिल रहे थे। जिन्हे ठीक करके बिजली सप्लाई थोड़े-थोड़े क्षेत्र की चालू की जाती रही। फिर भी 10 बजे के बाद ही कुछ क्षेत्रों की बिजली सप्लाई चालू हो पाई उसके बाद अन्य क्षेत्रों में धीरे-धीरे करके बिजली सप्लाई चालू होती रही।

फ्रेंड्स कॉलोनी क्षेत्र में रात करीब 10 बजे बिजली सप्लाई बहाल की गई इसके बाद सिविल लाइन और चौगुर्जी की क्षेत्र की बिजली सप्लाई बहाल हुई। आवास विकास कॉलोनी की बिजली सप्लाई तो सुबह के समय बहाल हो सकी। जैसे ही बिजली चालू की जाती कहीं ना कहीं फाल्ट का पता चल जाता इससे कर्मी परेशान रहे और किसी तरह बिजली सप्लाई करने में जुटे रहे। विभाग के फोन घनघनाते रहे और मोहल्ले के मोहल्ले अंधेरे में डूबे रहे। वहीं लोग एक दूसरे से बिजली के बारे में पूछते रहे।

एक घंटे बाधित रहेगी बिजली

इटावा। एक जून को 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र मैनपुरी फाटक ,गुरु तेग बहादुर और रामलीला रोड की 33केवी लाइन के संपर्क में आने वाले पेड़ो की छंटाई संबंधी कार्य किया जाएगा। इसके चलते विद्युत उपकेंद्र 33/11केवी मैनपुरी फाटक, गुरु तेग बहादुर और रामलीला से संबंधित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति सुबह 9 बजे से 10बजे तक बाधित रहेगी ।

हाई वोल्टेज से फुंके घरों के विद्युत उपकरण

इटावा। रामगंज और मकसूदपुरा मोहल्ले में हाई-लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ता परेशान रहे। रामगंज और मकसूदपुरा के निवासियों ने बताया कि हाई-लो वोल्टेज की समस्या होने पर उनके बिजली से चलने वाले उपकरण जैसे कि पंखे, कूलर, एसी, पानी की मोटर, फ्रिज आदि फुंक गए। फ्रिज और एसी में लोग स्टेबलाइजर का प्रयोग करते हैं। उसके बाद भी उपकरण के फूंकने से कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रामगंज फूटी सराय निवासी मकसूद अहमद ने बताया कि उनके घर में तीन पंखे लगे हुए हैं। इनमें से एक पंखा काम ही नहीं कर रहा है और दो अन्य पंखे भी काफी धीमी गति से चल रहे हैं। स्थानीय वासियों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से गुहार लगाई है कि जल्द ही हाई-लो वोल्टेज की समस्या का समाधान किया जाए। कई बार सुंदरपुर फीडर के एसडीओ, जेई, लाइनमैन और अधिशाषी अभियंता को स्थानीय वासियों ने फोन कर समस्या बताई। इसका कोई निदान नहीं हो सका।

मतगणना कार्मिकों को दिया प्रशिक्षण

कार्यालय संवाददाता, इटावा

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव की मतगणना 4 जून को कराई जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसके लिए मतगणना कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है और गुरुवार को इन कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान उन्हे बताया गया कि मतगणना किस तरीके से की जानी है। कर्मचारियों को पूरी तरह से प्रशिक्षित कर दिया गया है ताकि मतगणना के दौरान उन्हे किसी तरह की कठिनाईना हो।

सीडीओ अजय कुमार गौतम ने प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होने कर्मचारियों से यह भी पूछा कि उन्होंने क्या सीखा है और अब उन्हे मतगणना में कोई परेशानी तो नहीं होगी। मतगणना चक्र के हिसाब से की जाएगी। इटावा विधानसभा क्षेत्र की मतगणना सबसे पहले पूरी हो जाने की संभावना है क्योंकि यहां मतगणना के 30 राउंड होंगे,जबकि जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र में 33 राउंड और भरथना विधानसभा क्षेत्र में 34 राउंड की मतगणना कराई जाएगी।

आरओ एआरओ की टेबल लगेगी अतिरिक्त कर्मचारियों भी तैनात किए गए हैं। जसवंत नगर विधानसभा क्षेत्र में 7 मई को मतदान कराया गया था तथा इटावा व भरथना विधानसभा क्षेत्र में 13 मई को मतदान कराए जाने के बाद सभी मतपेटियों को सुरक्षित नई मंडी के स्ट्रांग रूम में रखा गया है।

मतगणना प्रशिक्षण के दौरान जानकारी हासिल करते सीडीओ। अमृत विचार

प्रत्येक विधानसभा की 14-14 टेबल पर होगी मतगणना

जिले की तीन विधानसभा में बिधूना के वोट कन्नौज व औरैया एवं दिबियापुर विधानसभा के वोट इटावा सांसद के लिए गिने जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। जिला मजिस्ट्रेट व जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश के निर्देशन में लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 की प्रक्रिया के तहत आगामी 04 जून को संपन्न होने वाली मतगणना की व्यवस्थाओं के संबंध में एक बैठक का आयोजन किया गया।

अपर जिला मजिस्ट्रेट उप जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र पाल सिंह ने 4 जून को संपन्न होने वाली मतगणना को शांतिपूर्वक व पारदर्शिता के साथ निष्पक्ष रूप से संपन्न कराए जाने के लिए की गई तैयारियों के संबंध में प्रत्याशियों/ अभिकर्ता के साथ बैठक करते हुए कहा कि मतगणना कार्य के दौरान यदि किसी प्रकार की कोई समस्या आती है तो तत्काल अवगत करायें, जिससे उसका समय से निस्तारण किया जा सके। उन्होंने कहा कि मतगणना पंडाल में भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा प्रतिबंधित सामग्री यथा, मोबाइल फोन, केलकुलेटर, स्मार्ट वॉच आदि मतगणना पंडाल में पूर्णतः वर्जित रहेगा।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि प्रशासन द्वारा जारी प्रवेश पत्र अवश्य साथ रखें जिससे कोई रोकने न पाए। उन्होंने कहा कि 18 प्रपत्र भरकर एजेंट बनने के लिए प्रपत्र में पूर्ण प्रविष्टियां करते हुए संबंधित आरओ को उपलब्ध करा दें जिससे समय से कार्यवाही सुनिश्चित हो सके। साथ ही मतगणना एजेंट भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप ही नामित किए जाएं।

उन्होंने बैठक में उपस्थित उम्मीदवारों/ निर्वाचन अभिकर्ताओं को अवगत कराया कि नवीन गल्ला मंडी स्थित मतगणना पंडाल में 04 जून 2024 को प्रातः 8:00 बजे से भिन्न-भिन्न पंडालों यथा 202- विधूना, 203 - दिबियापुर, तथा 204 - औरैया में चाक चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के साथ प्रातः 8:00 बजे से प्रारंभ होकर कार्य समाप्ति तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विधानसभा में 14 - 14 टेबल लगायी गयी है। इसके साथ ही एक-एक टेबल मतगणना मजिस्ट्रेट के लिए भी लगाई गयी है। उन्होंने बताया कि मतगणना के कार्य की निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी/ वीडियो ग्राफी भी करायी जाएगी। उन्होंने बताया कि काउंटिंग के पश्चात सीयू,वीवी पैट को स्ट्रांग रूम में जमा कराया जाएगा। उन्होंने सभी से अपेक्षा की, कि मतगणना के दौरान कोई भी अशांति उत्पन्न न करे और यदि कोई समस्या है तो अवगत करायें जिससे तत्काल उसका समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने कहा कि मतगणना पंडाल में की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं जैसे आवागमन के निर्धारित रास्ते, पेयजल, बैठने का स्थान, पंखा, कूलर, मतगणना परिणामों की घोषणा हेतु स्थापित साउंड सिस्टम, मीडिया सेंटर आदि के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि सभी संबंधित प्रत्याशी/ निर्वाचन अभिकर्ता अपने-अपने एजेंट हेतु समय से पास जारी कराने हेतु कार्यवाही पूर्ण कर लें जिससे उनके परिचय पत्र समय से निर्गत किये जा सकें। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक दिगंबर कुशवाहा ने अवगत कराया की मतगणना को शांतिपूर्वक संपन्न करने के लिए निर्धारित बैरीकेडिंग व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है जिससे किसी को कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। बैठक में समस्त उप जिलाधिकारी, समस्त तहसीलदार, सपा जिला अध्यक्ष सर्वेश गौतम, सपा प्रत्याशी जितेंद्र दोहरे, जिला महामंत्री भाजपा कुलदीप दुबे, बहुजन समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष कमल गौतम, बहुजन मुक्ति पार्टी प्रत्याशी मुलायम सिंह, जनता समाजवादी पार्टी प्रत्याशी विवेक राज सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में बैठक लेते एडीएम व एएसपी। अमृत विचार

बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व अधिकारी। अमृत विचार

सड़क सुरक्षा को लेकर जन जागरुकता कार्यक्रम चलाएं

जिलाधिकारी नेहा प्रकाश ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में जिला सड़क सुरक्षा की आयोजित बैठक में यातायात नियमों को अनदेखी के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने व कम करने के लिए किए जाने वाले जागरुकता संबंधी अन्य कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि आमजन में जागरूकता लायें। बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि0रा0) /जिला निर्वाचन अधिकारी महेंद्र पाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी /प्रभारी अधिकारी कार्मिक अनिल कुमार सिंह, अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद सहित संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अपनी-अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्य करें : डीएम

कार्यालय संवाददाता,औरैया

अमृत विचार। जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश ने दिनांक चार जून को नवीन गल्ला मंडी में संपन्न होने वाली सामान्य निर्वाचन 2024 की मतगणना संबंधित तैयारियों की कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में एक बैठक का आयोजन कराया। नोडल अधिकारियों से जानकारी प्राप्त करते हुए निर्देशित किया की अपनी-अपनी जिम्मेदारी को भली भांति समझते हुए कार्य करें।

भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार टेंट, बैरीकेडिंग, टेबलिक , कार्मिकों, प्रत्याशियों/ अभिकर्ताओं के आवागमन के अलग-अलग रास्ते आदि को समय रहते पूर्ण कर लिया जाए ताकि किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने कहा कि जहां आवश्यक हो वहां आपसी समन्वय के साथ कार्य पूर्ण कराये और किसी प्रकार की कोई समस्या हो तो उसका समय रहते निराकरण कराये। जिला मजिस्ट्रेट ने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त पेयजलापूर्ति व साफ- सफाई हेतु अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद औरैया, बेरीकेटिंग व टेंट आदि के कार्य के लिए अधिषाशी अभियंता लोक निर्माण विभाग, विद्युत व्यवस्था हेतु अधिशासी अभियंता विद्युत को अतिरिक्त ट्राली ट्रांसफार्मर की व्यवस्था लोड के अनुसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएमओ पर्याप्त टीमों के साथ तीन डॉक्टरों की टीम परिसर में रखें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की अनियमितता बरती जाएगी तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही होगी। बैठक में अपर जिला मजिस्ट्रेट (वि०/रा०)/ उप निर्वाचन अधिकारी महेंद्र पाल सिंह, मुख्य विकास अधिकारी/ प्रभारी अधिकारी कार्मिक अनिल कुमार सिंह रहे।

मतगणना स्थल पर कंट्रोल रूम बनाया गया

जिला मजिस्ट्रेट/ जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा प्रकाश ने लोक सभा सामान्य निर्वाचन - 2024 हेतु जनपद औरैया में मतगणना कार्य दिनांक 04 जून 2024 (प्रातः 8:00 बजे से कार्य समाप्ति तक) को नवीन मंडी स्थल औरैया में संपादित कराया जाएगा। मतगणना से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं मतगणना संबंधित शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु नवीन मंडी स्थल औरैया में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसके नोडल अधिकारी बब्बन प्रसाद मौर्य, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी औरैया मो0 9838297035, 9140627792) है कंट्रोल रूम का लैंडलाइन नंबर 05683-297104 है।

गर्मी के चलते सड़क पर पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

गर्मी से बचने के लिये सिर पर दुपट्टा डाल कर जातीं युवतियां।

मुंह ढककर जाते वाहन सवार। अमृत विचार

शुक्रवार को पारा पहुंचा 46 के पार, गर्मी से मचा हाहाकार

कार्यालय संवाददाता,औरैया

अमृत विचार। सूरज ने ऐसी आंखे तरेरी कि शुक्रवार का दिन पिछले दिनों की अपेक्षा अधिक गर्म रहा। अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जबकि नौतपा के चलते लोगों को अहसास हुआ जैसे पारा 47 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका हो।

इस बार गर्मी रिकार्ड तोड़ने की ओर तेजी से बढ़ रही है। मई माह के शुरुआत से गर्मी देखने को मिल रही है। इधर नौतपा शुरू होने से गर्मी का असर और बढ़ गया है। शुक्रवार की सुबह आठ बजे से ही सूरज के तेवर तीखे देखने को मिले। सुबह 10 बजे से ही सड़कों पर सन्नाटा दिखाई दिया। इससे शहर के गौशाला रोड बाजार, किराना बाजार, लेडीज मार्केट, बजरिया, होमगंज, फूलमती मार्केट, जेसीज चौराहा के निकट बाजारों में सन्नाटा पूरे ही दिन देखने को मिला। वहीं शहर के मुख्य मार्गों पर वाहनों की संख्या भी न के बराबर ही दिखी। जो लोग घरों से निकले वह धूप से बचाव के लिए छाता, अंगौछा आदि का प्रयोग करते नजर आए अधिकतम तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक 4- डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया है। हवाओं की औसत गति से सात किलो प्रति घंटा उत्तर- दिशा में दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक डॉ. अनंत कुमार ने बताया कि नौ दिनों तक गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। दिन और रात तापमान में सामान्य से अधिक होने आसार हैं और लू चलने की संभावना भी है।

उन्होंने ये सलाह भी दी कि शरीर को गर्मी से बचायें और जलीय पदार्थो का सेवन अधिक से अधिक करें जिससे शरीर के अंदर का तापमान 35 डिग्री से अधिक न हो।

- सुबह 10 बजे से ही सड़कों पर दिखाई देने लगा सन्नाटा

गैर इरादतन हत्या के दो दोषियों को दस साल का कारावास

कार्यालय संवाददाता औरैया

अमृत विचार। अपर सत्र न्यायाधीश (प्रथम) विकास गोस्वामी ने थाना बिधूना क्षेत्र के ग्राम चमरपुर में पांच वर्ष पूर्व गैर इरादतन हत्या के मामले में दोषी गीता एवं जगदीश को 10-10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। साथ ही दोनों पर 25-25 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है।

उक्त मामले की अभियोजन की ओर से पैरवी कर रहे डीजीसी अभिषेक मिश्रा एवं एडीजीसी चंद्रभूषण तिवारी ने बताया कि दो फरवरी 2019 को वादी वीरेंद्र सिंह निवासी रुरुगंज ने बिधूना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। वादी ने कहा था कि उसका लड़का ओमनरायन राठौर कल शाम घर से गया और शराब पीकर चमरपुर निवासी हरिश्चंद्र व उनके भाई महेश चंद्र के घर बैठ गया। वहां पर पहले से आता-जाता था। किसी बात को लेकर हरिश्चंद्र की पत्नी गीता ने जगदीश की मदद से उसके लड़के ओमनरायन को डंडा मारकर खदेड़ दिया। बाद में उसके लड़के का शव लाही के खेत में पड़ा मिला। वादी ने लिखा कि उसे पूरा विश्वास है कि उसके लड़के की मृत्यु हरिश्चंद्र की पत्नी गीता व उसके साथियों द्वारा पहुंचाई गई चोटों से हुई है। तहरीर के आधार पर गैरइरादतन हत्या का मामला पंजीकृत हुआ। यह मुकदमा अपर सत्र न्यायालय (प्रथम) में चला। शुक्रवार को इसका निर्णय सुनाया गया। दोनों पक्षकारों को सुनने के बाद एडीजे विकास गोस्वामी ने अभियुक्तगण गीता पत्नी हरिश्चंद्र, जगदीश पुत्र दुलारे लाल निवासी ग्राम चमरपुर (बिधूना) को 10 वर्ष के कठोर करावास की सजा से दंडित किया। दोनों पर 25-25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया। अर्थदंड अदा न करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भोगना पड़ेगा। कोर्ट ने अर्थदंड की राशि में से 25 हजार रुपये मृतक के पिता वादी वीरेंद्र सिंह को बतौर प्रतिकर राशि के रूप में देने का भी आदेश दिया।

- थाना बिधूना क्षेत्र के चमरपुर का पांच वर्ष पुराना मामला

गैस टैंकर से प्रेशर लीक होने पर मची अफरा-तफरी

फफूंद, औरैया। शुक्रवार को रसूलाबाद निवासी टैंकर चालक गोविंद गेल प्लांट से एलपीजी गैस टैंकर में लोड करके लखनऊ ले जाने के लिए लाया और खानपुर में बनी गेल की टैंकर पार्किंग में टैंकर खड़ा करके कहीं चला गया।

दोपहर को खड़े टैंकर से तेज आवाज के साथ लीकेज होने लगा लीकेज की आवाज सुनकर पार्किंग में अफरा तफरी मच गई लोग समझे कि गैस लीक होने लगी है आनन फानन में गेल प्रशासन को सूचना दी गई, सूचना पर गेल की ऑपरेशन और फायर एंड सेफ्टी की टीम टैंकर पार्किंग में पहुंची घटना स्थल पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी और एम्बुलेंस को भी बुला लिया गया था गेल के ऑपरेशन विभाग के धर्मवीर, हुसैन ने बताया कि तेज धूप के कारण टैंकर का प्रेशर बढ़ गया था। सुरक्षा कर्मियों ने गैस टैंकर के ऊपर चढ़कर वाल्व को सही किया तथा बढ़ा हुआ प्रेशर टैंकर से निकला फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने गैस टैंकर पर पानी की बौछार डालकर प्रेशर को सामान्य किया।

- सूचना पर गेल प्लांट से फायर एंड सेफ्टी की टीम पहुंची

धूम्रपान से बचने को किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता,औरैया

अमृत विचार। एक विचित्र पहल सेवा समिति औरैया द्वारा शुक्रवार को शाम 4 बजे फूलमती मंदिर के पीछे स्थित क्रॉनिक एकेडमी औरैया में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि 31 मई 1988 से समूचे विश्व में तंबाकू निषेध दिवस का आयोजन हर वर्ष 31 मई को किया जाता है, जिसका उद्देश्य तंबाकू, धूम्रपान आदि व्यसनों के दुष्परिणामों को उजागर करते हुए लोगों को धूम्रपान से बचने का संदेश देते हुए जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन एक बुरी लत हैं, अपनी स्वास्थ्य रक्षा की परवाह किए बिना अनभिज्ञता के चलते तंबाकू के सेवन का प्रचलन निरंतर बढ़ता जा रहा हैं, जिससे खासतौर पर युवा पीढ़ी व शहर व ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी चपेट में आ रही हैं। देश की लगभग 28 फ़ीसदी से अधिक आबादी धूम्रपान के अलावा गुटखा, खैनी व पान मसाले की चपेट में है। तंबाकू का सेवन करने से कोलेस्ट्रोल की मात्रा बढ़ने पर उच्च रक्तचाप की समस्या बढ़ जाती है, जिससे मुंह व फेफड़ो में कैंसर आदि बीमारियों के कारण पूरी दुनिया में प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख जबकि भारत में लगभग 13 लाख लोगमर जाते हैं। कार्यक्रम संयोजक कपिल गुप्ता ने तंबाकू का सेवन करने वाले लोगों से अपने परिवार की सुख शांति व बच्चों की सलामती हेतु जानलेवा धूम्रपान से दूर रहने की अपील की है। गोष्ठी के अंतर्गत मौजूद लोगों ने स्वयं व्यसन न करने की शपथ ली। गोष्ठी में प्रमुख रूप से कपिल गुप्ता, मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट, व्यापारी नेता नीरज पोरवाल, देवेंद्र आर्य, राजीव पोरवाल (रानू), राजीव शुक्ला, आदित्य पोरवाल, संजय आदि रहे।

तम्बाकू सेवन न करने की शपथ लेते संस्था के सदस्य। अमृत विचार

सार-संक्षेप

विज्ञान की अलख जगाने वाले शिक्षाविद का निधन

औरैया। ग्रामीण इलाकों में विज्ञान शिक्षा की अलख जगाने वाले शिक्षाविद ने शुक्रवार की सुबह अंतिम सांस ली। उनके निधन से जिले के शिक्षाविदो और राजनैतिक लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।15 जनवरी वर्ष 1947 को जन्मे शेष नारायण चतुर्वेदी मूल रूप से औरैया स्थित ग्राम शहाबदा के निवासी थे। वे स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज सहार में भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता थे। शेष नारायण ने ग्रामीण इलाकों में विज्ञान शिक्षा की अलख जगाई। 2009 में रिटायर्ड होने के बाद वह दिबियापुर में निवास करने लगे। शुक्रवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली। दिबियापुर स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके बेटे व वरिष्ठ पत्रकार गौरव चतुर्वेदी ने मुखाग्नि दी। उनके निधन पर नगर पंचायत अध्यक्ष राघव मिश्रा धीरज शुक्ल मनोज दुबे वरिष्ठ पत्रकार शैलेन्द्र अवस्थी हिमांशु गुप्ता,लल्लू शुक्ला,संजू तिवारी,सुरेश चंद्र दुबे,राधाकृष्ण शास्त्री,सतीश चंद्र शुक्ला,पंकज तिवारी समेत नगर के लोग मौजूद रहे।

शेष नारायण चतुर्वेदी।

संदिग्ध परिस्थितियों में वृद्ध की गई जान

अछल्दा, औरैया। थाना क्षेत्र के सुभानपुर गांव में एक वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों मे घर के अंदर मौत हो गई । भाई की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम ले लिए भेजा। थाना क्षेत्र के गांव सुभानपुर निवासी रामप्रकाश पुत्र महादेव उम्र 55 साल की घर के अंदर मृत्यु हो गई। मृतक के भाई रामशंकर ने पुलिस को बताया कि मै पिछले दो दिन से भाई को फोन कर रहा था लेकिन किसी ने भी फोन नही उठाया । तब जाके आज मै गांव पहुंचा तो घर का दरवाजा अंदर से बन्द था और बदबू आ रही थी। ग्रामीणों की मदद से जब दरवाजा तोड़ कर देखा तो ये चारपाई पर मृत अवस्था में पड़े थे। थाना प्रभारी अशोक उपाध्याय ने बताया कि सूचना पर पहुंच कर शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

बिजली कर्मियों ने ट्रांसफार्मर का लोड चेक किया

अछल्दा, औरैया। ओवर लोडिग की समस्या से जूझ रहे कस्बे में अब बेहतर आपूर्ति दिए जाने की कवायद शुरू हो गई है। संबंधित ट्रांसफार्मरों का लोड चेक कराया जा रहा है। जरूरत पड़ने पर क्षमता वृद्धि कराए जाने के प्रबंध निदेशक स्तर से निर्देश दिए गए हैं। गर्मी बढ़ने की वजह से कस्बे में ट्रांसफार्मर में ओवर लोडिंग की वजह से फाल्ट बढ़े हैं, जिससे कस्बे में फाल्ट होने से सप्लाई बाधित होती है। आये दिन फाल्ट होने की समस्या को देखते हुए अब बिजली विभाग द्वारा मेंटीनेंस वर्क तेज कर दिया है। कस्बे से लेकर गांवों तक हर जगह ट्रांसफार्मरों पर लोड की जांच कराई जा रही है। अधिकांश में निर्धारित क्षमता से ज्यादा लोड मिल रहा है। जेई प्रभुदयाल का कहना है कि इससे हमें यह पता चल रहा है कि हर ट्रांसफार्मर पर लोड बढ़ा हुआ है। बिजली चोरी से इन्कार नहीं किया जा सकता। जहां बड़ी बस्तियां हैं और वहां लोड ज्यादा है, ऐसे स्थानों पर ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाई जा रही है। ढीले और जर्जर तारों को भी बदलवाया जा रहा है। अचानक लोड बढ़ने से ही फाल्ट की समस्या हो रही है। स्वयं प्रबंध निदेशक के स्तर से भी बिजली आपूर्ति को लेकर मानीटरिंग कराई जा रही है। उनके स्तर से भी खामियों को दूर कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रांसफार्मर में ओवरलोड को चेक करने में जेई प्रभुदयाल व शोहित, व लाइन मैन आलोक,शिवकुमार, दीपू आदि रहे।

ट्रांसफार्मर का लोड चेक करते विद्युतकर्मी।

भक्ति-भावना श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का किया स्वागत

कलश यात्रा के साथ भागवत कथा की हुई शुरुआत

संवाददाता अयाना, औरैया

अमृत विचार। कस्बा स्थित कौशल्या वाटिया में गुरुवार देर शाम को भागवत कथा की शुरुआत हुई। इससे पहले गांव में गाजे- बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें रथ पर मौजूद राम दरबार की झांकी आकर्षण का केंद्र रही।

कथा पंडाल से शुरू हुई कलश यात्रा बस स्टैंड से होती हुई काली माता मदिंर, मुख्य चौराहा, बड़ी माता मंदिर, राम जानकी मंदिर से होते हुए प्राचीन कुएं पर पहुंची। वहां से कलश में जल भरने के बाद यात्रा गांव की मुख्य गलियों से होती हुई कथा पंडाल में पहुंचकर पूर्ण हुई। भक्तों ने कलश यात्रा पर पुष्पवर्षा किया। यात्रा में परीक्षित छोटेलाल गुप्ता व मीरा गुप्ता सिर पर भागवत पोथी लेकर आगे चल रहे थे। वहीं महिलाएं सिर पर कलश लेकर पीछे चल रहीं थीं। श्रद्धालुओं ने जगह- जगह रथ पर सवार राम दरबार की झांकी पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। यात्रा पूर्ण होने पर आचार्य श्यामजी द्विवेदी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापित करवाकर भागवत कथा का शुभारंभ किया। इस दौरान राधे गुप्ता, सुरेंद्र, प्रदीप गुप्ता, श्यामजी, रजत, राजू गुप्ता, लला, अत्ते भदौरिया, मिनी भदौरिया, सत्य नारायण दुबे, जीतू शुक्ला, डीसी आदि मौजूद रहे।

कलशयात्रा में श्रीमद्भागवत को सिर पर रखे चल रहे परीक्षित दंपति। अमृत विचार

प्रभु का नाम लेने से मिलती है मुक्ति : आचार्य

ककोर। जिला मुख्यालय के पास स्थित गोगा जाहरवीर मंदिर कनारपुर गांव में चल रही नौ दिवसीय कथा के अंतिम दिन बृंदावन से पधारे । अनिल कुमार शास्त्री ने गोगा जाहरवीर विवाह की कथा का वर्णन किया। आचार्य ने कहा भगवान गोगाजी महाराज अपनी बारात लेकर क्योटरा ताल श्रीयल से विवाह करने पहुंच गए। वहीं अपनी बारात लेकर तारा सिंह पहुंच गए। दोनो लोग आमने सामने हो गए और गोगा जी की सेना और तारा सिंह की सेना में युद्ध हुआ। गोगाजी की सेना ने तारा सिंह की सेना को हरा दिया। उधर श्रीयल माता की सखियां गीता गाने लगी और हाथों मे मेंहदी लगाने लगी। श्रीयल माता जी ने गोगा जी को जयमाला पहनाकर सात फेरे लिये।

जज ने किया जिला कारागार का निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता औरैया

अमृत विचार। जनपद न्यायाधीश ग्रीश कुमार वैश्य के आदेशानुसार स्वाति चंद्रा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, औरैया द्वारा शुक्रवार को जिला कारागार इटावा /औरैया का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में समस्त बंदियों से उनके मुकदमों में होने वाली पैरवी, अंडर ट्रायल रिव्यू कैंपेन 2024 से संबंधित बंदियों ,पैनल अधिवक्ताओं के कार्य तथा बंदीगण की जमानत में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी ली गई, जिसमें एक बंदी द्वारा समस्या से अवगत कराया गया तथा उसकी समस्या के तुरंत निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। जेल अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि जिला कारागार में निरुद्ध बंदीगण जिनकी जमानत संबंधित न्यायालय से हो चुकी है कि यदि एक सप्ताह के अंदर रिहाई नहीं होती है तो कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अवगत कराया जाए, जिससे उक्त बंदियों की समय से रिहाई कराई जा सके। जिला कारागार की रसोई तथा अस्पताल का भी निरीक्षण किया गया जिसमें साफ सफाई का अभाव मिला, जिसके लिए संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। उक्त निरीक्षण में मुख्य रूप से जेल अधीक्षक कुलदीप सिंह, डिप्टी जेलर प्रणय कुमार तथा लीगल एड डिफेंस कॉन्सिल गगन जैन तथा कार्यालय प्रभारी दिलीप कुमार रहे।

- जनपद न्यायाधीश के आदेश पर देखी गईं व्यवस्थाएं

एक नजर

गोवंशों को हीट वेव से बचाने के लिए करें निगरानी

अमृत विचार,लखनऊ : गोवंशों को हीट वेव से बचाने के लिए गोशालाओं की दिन-रात निगरानी करें। आग की घटना रोकने के इंतजाम करने के साथ फायर स्टेशन के नंबर दर्ज कराएं। गोवंशों को छायादार जगह पर रखें। यह निर्देश शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन से सभी खंड विकास अधिकारी व अधिशासी अधिकारी को दिए हैं। कहा कि गोवंशों को गर्मी व लू से बचाएं। टीनशेड, तिरपाल, टाटपट्टी, बोरे आदि परिसर में लगाएं और बराबर पानी का छिड़काव करें। ताजा पानी ही पिलाएं। बीमार गोवंश को अलग छायादार जगह पर रखें। रात में चौकीदार लगाकर निगरानी कराएं। आगजनी की घटना को रोकने के इंतजाम करें और गोशालाओं पर फायर स्टेशन के नंबर लिखाएं। बिजली व पानी की आपूर्ति बराबर रहे। फोटो समेत गोशालाओं की तीन दिन में रिपोर्ट दें।

राजस्व ग्रामों को मॉडल बनाने का सीखा तरीका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- डीपीआरओ ने 16 गांवों का किया प्रस्तुतिकरण
- जिले के 322 राजस्व ग्रामों को बनाना है मॉडल

अमृत विचार : स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत राजस्व ग्राम को मॉडल बनाने का प्रस्तुतिकरण किया गया। वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक व सफाई कर्मियों ने अभियान को जाना और गांवों में कार्य कराने के तौर-तरीके सीखे।

जिले में इस वर्ष 322 राजस्व ग्राम मॉडल बनाए जाने हैं। इनमें शुक्रवार को विकास भवन स्थित कार्यालय से जिला पंचायत राज अधिकारी हिमांशू शेखर ठाकुर ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से 16 राजस्व ग्राम को मॉडल बनाने का प्रस्तुतिकरण किया। निदेशालय के अधिकारी भी जुड़े। संबंधित गांवों के प्रधान, सचिव, पंचायत सहायक व सफाई कर्मियों को प्रदेश में मॉडल बने राजस्व ग्रामों की तस्वीर और कार्यों को दर्शाकर जानकारी दी गई। गांव में मनरेगा के तहत अधिक से अधिक जल संरक्षण को लेकर सोखपिट, नाडेफ व वर्मी कंपोस्ट बनाने पर जोर दिया। इससे गांव की आय बढ़ना बताया। जिला समन्वयक अभिनव त्रिपाठी व अभिषेक गुप्ता ने बताया कि तालाब में जो नाली के सहारे गंदा पानी जाता है वहां फिल्टर चैंबर लगाएं।

जुर्म की कमाई से संपत्ति नहीं बना पाए पांच हजार गैंगस्टर

पुलिस की छानबीन में सामने आई सच्चाई, अपराधियों पर लगातार हो रही कार्रवाई

विनय सिंह, लखनऊ

- सवा दो वर्षों में 1,555 गैंगस्टर के मामले दर्ज किए गए
- दर्ज मामलों में अपराधियों की कुल संख्या 5,819 है

658 गैंगस्टर पर लखनऊ जोन की पुलिस ने की कार्रवाई

911 करोड़ की अवैध संपत्ति की जा चुकी है जब्त

अमृत विचार: लखनऊ जोन में पाच हजार ऐसे गिरोहबंद अपराधी हैं जो अपराध के दम पर संपत्ति नही अर्जित कर पाए। गैंगस्टर की सूची में शामिल इन अपराधियों की संपत्ति जब्त करने के लिए पुलिस ने छानबीन की तो यह सच सामने आया। पुलिस अब पता लगा रही कि इन अपराधियों ने जुर्म की कमाई को रिश्तेदारों या करीबियों के जरिए तो नहीं निवेश किया है।

पुलिस की जांच में अब तक सामने आया कि इन अपराधियों ने अलग-अलग गिरोह में शामिल होकर घटनाओं को तो अंजाम दिया, लेकिन किसी तरह की संपत्ति नहीं बना पाए। हालांकि पुलिस ऐसे अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए 911 करोड़ की संपत्तियों को जब्त भी किया है।

लखनऊ जोन के अयोध्या एवं लखनऊ परिक्षेत्र में विगत सवा दो वर्षों में 1,555 गैंगस्टर के मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में अपराधियों की कुल संख्या 5,819 है। दोनों परिक्षेत्रों की पुलिस गैंगस्टर पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इस कार्रवाई में अब तक गैंगस्टर एक्ट के तहत 658 बदमाशों की संपत्तियों को जब्त किया गया। कार्रवाई में अब तक 911.29 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई। 5,134 अपराधी ऐसे हैं, जिनकी संपत्तियों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक इन अपराधियों के पास कोई संपत्ति नहीं पाई गई है। यह सभी गिरोह से जुड़कर घटनाओं को अंजाम तो दे रहे थे, लेकिन संपत्ति नहीं बना सके। इनमें किसी अभियुक्त के खिलाफ चार मुकदमें दर्ज हैं तो किसी के खिलाफ पांच से छह मुकदमें।

सर्वाधिक गैंगस्टर बाराबंकी में

गैंगस्टर की संख्या पर गौर किया जाए तो सर्वाधिक 1,203 गैंगस्टर बाराबंकी में हैं। यहां की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 308 करोड़ की संपत्तियां जब्त की। अमेठी में गैंगस्टर की संख्या सबसे कम 230 हैं। यहां की पुलिस ने 11.23 करोड़ की संपत्ति जब्त की। इसी तरह हरदोई में 450, खीरी में 823, रायबरेली में 448, सीतापुर में 858, उन्नाव में 530, अयोध्या में 452, सुल्तानपुर में 424 और अंबेडकरनगर में 401 गैंगस्टर एक्ट के अपराधी है। इनमें से अधिकतर अभियुक्त जेलों में बंद हैं।

ओएचई लाइन टूटी, पांच घंटे तक खड़ी रहीं चार ट्रेनें

अमृत विचार,लखनऊ : पूर्वोत्तर रेलवे के मैलानी से बांकेगंज रेलखंड पर गुरुवार की रात करीब 8:30 बजे पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई, जिसकी वजह से इस रेलखंड पर चल रही रही चार ट्रेनें अलग-अलग जगहों पर बीच रास्ते खड़ी हो गई।

जानकारी के मुताबिक रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से ओएचई लाइन टूट गई थी। इस दौरान चार ट्रेनों को विभिन्न स्थानों पर रोकना पड़ा। इस वजह से ट्रेन नंबर 15010 मैलानी-गोरखपुर एक्सप्रेस, 15060 आनंद विहार लालकुआं एक्सप्रेस, 05493 शाहगढ़-डालीगंज एक्सप्रेस पांच-पांच घंटे लेट पहुंची। जबकि ट्रेन नंबर 05492 डालीगंज-शाहगढ़ पैसेंजर ढाई घंटे लेट रही।

7वां चरण: मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां पहुंचीं

भीषण गर्मी और लू से मतदाताओं व मतदान कर्मियों को बचाने के लिए किए गए व्यापक इंतजाम

वरिष्ठ संवाददाता, लखनऊ

अंतिम चरण के निर्वाचन की जानकारी देते मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा।

अमृत विचार: प्रदेश में सातवें व अंतिम चरण के मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को मतदान केंद्रों पर पहुंच गईं। भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं व मतदान कर्मियों को भीषण गर्मी व लू से बचाव के व्यापक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस चरण में 13 लोकसभा सीटों व दुद्धी विधानसभा के लिए मतदान होना है। निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान की तैयारी पूरी कर ली गई है।

इस चरण में प्रदेश के महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (अजा), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर व रॉबर्ट्सगंज (अजा) लोकसभा क्षेत्रों के साथ ही विधानसभा उपनिर्वाचन क्षेत्र दुद्धी में मतदान होगा। लोकसभा सीटों पर मतदान सुबह सात बजे से लेकर शाम छह बजे तक चलेगा, जबकि दुद्धी विधानसभा सीट पर मतदान सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक होगा।

राबर्ट्सगंज (अजा) लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से तीन में मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक, जबकि दो विधानसभा राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र व दुद्धी निर्वाचन क्षेत्र में मतदान का समय सुबह सात बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा। मतदेय स्थलों पर जो मतदाता मतदान अवधि के अंत में पोलिंग बूथ पर कतार में उपस्थित रहेंगे, वे सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

दो करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि इस चरण में लोकसभा सीटों पर कुल दो करोड़ 50 लाख 56 हजार 877 मतदाता हैं, जिसमें एक करोड़ 33 लाख 10 हजार 897 पुरुष व एक करोड़ 17 लाख 44 हजार 922 महिला और 1058 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। मतदाताओं की संख्या की दृष्टि से सबसे अधिक 20 लाख 97 हजार 202 मतदाता गोरखपुर व सबसे कम 17 लाख 76 हजार 982 मतदाता सलेमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में कुल 144 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 134 पुरुष व 10 महिला प्रत्याशी हैं। सबसे अधिक 28 प्रत्याशी घोसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में व सबसे कम सात प्रत्याशी देवरिया व वाराणसी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में हैं।

निगरानी के लिए प्रेक्षक तैनात

मतदान पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए निर्वाचन आयोग की ओर तीन विशेष प्रेक्षक, 13 सामान्य प्रेक्षक, 8 पुलिस प्रेक्षक व 14 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1861 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 243 जोनल मजिस्ट्रेट, 130 स्टैटिक मजिस्ट्रेट व 2550 माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं।

उप निर्वाचन में 3.44 लाख से अधिक मतदाता

विधानसभा उप निर्वाचन क्षेत्र दुद्धी में कुल 3 लाख 44 हजार 840 मतदाता हैं, जिसमें एक लाख 81 हजार 250 पुरुष, एक लाख 63 हजार 581 महिला व नौ थर्ड जेंडर मतदाता हैं। 361 मतदेय स्थल हैं, जिनमें 80 संवेदनशील हैं। कुल 216 मतदान केन्द्र हैं। कुल छह प्रत्याशी मैदान में हैं।

मिश्रित आबादी में भेजी गई अतिरिक्त फोर्स

अमृत विचार,लखनऊ: अंतिम यानी सातवें चरण के चुनाव में पुलिस चौकन्नी हो गई है। पुलिस मुख्यालय को आशंका है कि मिश्रित आबादी होने के कारण कहीं कोई अनहोनी न हो जाए। ऐसे में प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के अलावा चंदौली, गाजीपुर और मिर्जापुर में अतिरिक्त फोर्स भेजी गई है।

डीजीपी मुख्यालय स्तर से भी पुलिस अधिकारियों को चुनाव ड्यूटी में मुस्तैद किया गया है। प्रचार थमते ही सोशल मीडिया की निगरानी भी बढ़ा दी गई है। भ्रामक व भड़काऊ संदेशों पर नजर रखी जा रही है। डीजीपी मुख्यालय स्थित कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी जिलों में चल रही गतिविधियों व घटनाओं की जानकारी ली जा रही है। डीजीपी प्रशांत कुमार ने छोटे विवाद को भी पूरी गंभीरता से लेकर आरोपियों के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है।

ऊंचाहार व सिंगरौली में इकाइयां ठप, बिजली संकट गहराया

वरिष्ठ संवाददाता, लखनऊ, रायबरेली

- उप्र समेत कई राज्यों की भी बिजली आपूर्ति प्रभावित

अमृत विचार: भीषण गर्मी में बढ़ी हुई बिजली की मांग के बीच एनटीपीसी की ऊंचाहार परियोजना में पांच सौ मेगावाट की इकाई व सिंगरौली की पांच सौ मेगावाट की इकाई तकनीकी खराबी के कारण बंद हो गई है। इस कारण प्रदेश समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बिजली संकट गहरा गया है।

ऊंचाहार परियोजना में पांच सौ मेगावाट क्षमता वाली इकाई संख्या छह में शुक्रवार की सुबह खराबी आ गई। इकाई के ब्वायलर ट्यूब में गैस रिसाव हो रहा था। यह रिसाव गुरुवार से शुरू हुआ था, पर शुक्रवार की सुबह रिसाव इतना बढ़ गया कि इकाई को बंद करना पड़ा। इसके बंद होने से उन राज्यों में बिजली आपूर्ति पर असर पड़ा है, जिन राज्यों को ऊंचाहार परियोजना से बिजली आपूर्ति की जाती है। इकाई बंद होने के बाद ब्वायलर के तापमान को सामान्य किया जा रहा है ताकि इसके मरम्मत का काम हो सके।

ऊंचाहार परियोजना में कुल छह इकाइयां स्थापित है। इसमें पांच इकाइयों में प्रत्येक इकाई की उत्पादन क्षमता 210 मेगावाट है, जबकि छठी यूनिट की उत्पादन क्षमता पांच मेगावाट है। ऊंचाहार परियोजना से देश के उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश समेत कुल नौ राज्यों को बिजली आपूर्ति की जाती है। बंद हुई दोनों इकाइयों के तीन जून तक चालू होने की संभावना जताई जा रही है।

दो एसीएस, एक कमिश्नर और 25 सचिवालय सेवा के अधिकारी सेवानिवृत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र। अमृत विचार

- विदाई समारोह में पहुंचे मुख्य सचिव, नई पारी की दी शुभकामनाएं

अमृत विचार: शुक्रवार को तीन आईएएस अधिकारी एवं सचिवालय सेवा के 25 कार्मिक सेवानिवृत्त हो गए। इस दौरान आयोजित विदाई समारोह में मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता एवं अनीता सिंह सहित विशेष सचिव राकेश कुमार मिश्रा तथा सचिवालय सेवा के 25 कार्मिकों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं देवीपाटन मंडल के कमिश्नर योगेश्वर राम मिश्रा भी शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए।

मुख्य सचिव ने कहा कि रिटायरमेंट का समय निश्चित है, लेकिन व्यक्ति रिटायर कभी नहीं होता है। हमारे शरीर का धर्म है कर्म, इसलिए कर्म जरूर करते रहें। अपने शरीर और मस्तिष्क को क्रियाशील रखें, ताकि चैतन्यता बनी रहे। अपर मुख्य सचिव महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लगभग 36 वर्ष 9 माह के सेवाकाल में अनुभव का पिटारा मिला है। समस्या में ही समाधान छिपा होता है। अपर मुख्य सचिव अनीता सिंह ने कहा कि यह हम सभी के लिए विशेष अवसर है। इस सेवा से बेहतर और कोई सेवा नहीं है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन के रवीन्द्र नायक, प्रमुख सचिव श्रम अनिल कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नरेंद्र को प्रमुख सचिव ऊर्जा का अतिरिक्त प्रभार

अपर मुख्य सचिव अनीता सिंह के रिटायर होने के पश्चात आईएएस पी गुरुप्रसाद को एफएसडीए का भी प्रभार दिया गया है जबकि आईएएस नरेंद्र भूषण को प्रमुख सचिव ऊर्जा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तीन आईपीएस सेवानिवृत डीजीपी ने भेंट किया मोमेंटो

उधर तीन आईपीएस अधिकारी भी शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो गए। पुलिस मुख्यालय में आयोजित समारोह में डीजीपी प्रशांत कुमार ने सेवानिवृत हो रहे अफसरों को मोमेंटो भेटकर उन्हें नई पारी की शुभकामनाएं दी। रिटायर होने वाले अफसरों में विनोद कुमार मिश्रा डीआईजी भ्रष्टाचार निवारण संगठन, शफीक अहमद डीआईजी आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन एवं रामयज्ञ पुलिस अधीक्षक विशेष जांच शामिल हैं।

अवैध निर्माण कर टीले वाली मस्जिद को विस्तार देने का आरोप

विधि संवाददाता,लखनऊ

- याचिका के लम्बित रहने से अवैध निर्माण हटाने के आदेश पर असर नहीं
- जनहित याचिका में अवैध निर्माण हटाने की गई है मांग

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में एक जनहित याचिका दाखिल कर आरोप लगाया गया है कि लक्ष्मण टीला स्थित टीले वाली मस्जिद के विकास के नाम पर अवैध निर्माण कर के मस्जिद को विस्तार दे दिया गया है। इस सम्बंध में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का आदेश प्रस्तुत कर, उक्त कथित अवैध निर्माण को हटाने की मांग की गई है। याचिका पर न्यायालय ने एएसआई व राज्य सरकार समेत जिलाधिकारी लखनऊ को जवाबी हलफ़नामा प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। साथ ही न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान याचिका के लम्बित होने से अवैध निर्माण हटाने सम्बंधी एएसआई के आदेश पर कोई असर नहीं होगा।

यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की खंडपीठ ने रिषी कुमार त्रिवेदी व अन्य की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। याचियों की ओर से पेश होते हुए, अधिवक्ता हरी शंकर जैन ने दलील दी कि 20 सितंबर 2016 को एएसआई ने उक्त अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश पारित कर रखा था, जिसका अनुपालन नहीं किया गया, तत्पश्चात पुनः 6 दिसम्बर 2023 को एएसआई ने आदेश जारी किया, हालांकि इसका भी अनुपालन अब तक नहीं हो सका है। याचिका में एएसआई के आदेश का अनुपालन कराने की मांग की गई है। वहीं राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि एएसआई के आदेश के अनुपालन की जिम्मेदारी जिलाधिकारी, लखनऊ की है, हालांकि इस सम्बंध में कोई निर्देश प्राप्त नहीं हुआ है। इस पर न्यायालय ने विपक्षी पक्षकारों को जवाबी हलफ़नामा दाखिल करने का आदेश दिया और साथ ही एएसआई से मस्जिद के मौलाना फजलुल मन्नान राहमानी को नोटिस तामीला सम्बंधी साक्ष्य भी देने का आदेश दिया है।

वर्ग पहेली-87

बाएं से दाएं

1. जिसकी आयु सबसे अधिक हो।
3. 1. अवतार ग्रहण करने वाला 2. अवतार या अवतार-ग्रहण से संबंधित 3. ईश्वर या किसी देवता के अवतार के रूप में जिसकी प्रसिद्धि हो 4. अवतार की तरह का चमत्कारी अथवा प्रभाव रखने वाला।
4. बलि देने की जगह, वह स्थल जहां पूजा या यज्ञ आदि में पशु की बलि दी जाती है।
6. रास्ते में पड़ने वाला उतार, ढाल।
7. आंख की पलक के ऊपर होने वाली फुंसी, बिलनी।

ऊपर से नीचे

1. प्रकट, स्पष्ट 2. खुला हुआ।
3. जहां प्रकाश न किया गया हो, अंधेरा
4. वन या जंगल में उपजने वाले पेड़-पौधों के फूल।
5. देवताओं का राजा, इंद्र।
6. 1. हिमालय की पुत्री, पार्वती, गौरी, शिव की पत्नी 2. कांति, शोभा।

वर्ग पहेली -86 का हल

	1 अ	नि	य	मि	2 त
3 आ	जा	नु			र
		बो		4 ता	फ़
5 सं	बं	ध	यो	ज	क
व		क		दा	
ह				6 र	7 का बी
न		8 छाँ	द		ठा

सुडोकू-166

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				3				
7								
		2		8				
						4		
		9						
					3			
								1
	5							

सुडोकू -165 का हल

1	6	5	7	8	2	3	9	4
2	7	8	9	3	4	5	1	6
3	4	9	5	1	6	7	8	2
6	8	7	4	9	3	1	2	5
5	9	3	6	2	1	8	4	7
4	2	1	8	5	7	9	6	3
9	5	2	3	6	8	4	7	1
8	1	4	2	7	5	6	3	9
7	3	6	1	4	9	2	5	8

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 1 जून शनिवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तिथि-नवमी 07 .24 तक तत्पश्चात दशमी 2 जून 05 .04 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

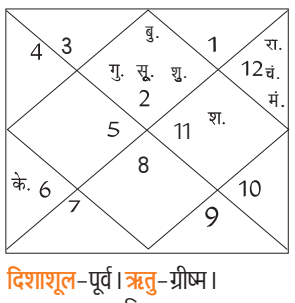

दिशाशूल-पूर्व। ऋतु-ग्रीष्म। चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 2 जून 03 .16 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष आज आप अपने इष्ट मित्रों से चर्चा कर सकते हैं। धन के विषय में सोच-विचारकर ही निर्णय लें। पिता के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। आपके मन में स्वयं के द्वारा की गयी गलतियों के प्रति आत्मग्लानि का भाव उत्पन्न हो सकता है।

वृष आज व्यवसाय में आपके प्रयास सफल रहेंगे। प्रेम संबंधों को लेकर दिन शुभ रहेगा। जॉब को लेकर परेशानी दूर होगी। विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होगा। दिन की शुरुआत काफी सुखद रहेगी। अच्छे लोगों से मिलना हो सकता है।

मिथुन आज विदेश यात्रा से आपको काफी अच्छा लाभ होगा। नकारात्मक लोगों की संगत से दूर रहें। राजनीतिक लोगों का सामाजिक सम्मान बढ़ेगा। दैनिक कार्यों में काफी व्यस्त रहने वाले है। अधिकारी वर्ग के लोग आपसे काफी संतुष्ट रहेंगे।

कर्क आज ऐसे कार्यों से दूरी बनाकर रखें जो अवैधानिक हों। सरकारी नियमों का कड़ाई पूर्वक पालन करें। दिन आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। शोधकार्यों से जुड़े लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

सिंह आज अनावश्यक चर्चाओं में समय बर्बाद होगा। लोगों की बातों में आकर तात्कालिक निर्णय न लें। आपका मन अशांत रहेगा। जीवनसाथी से नोंक-झोंक संभव है। नशे की सामग्रियों का सेवन न करें।

कन्या आज दूसरों के ऊपर आप काफी ज्यादा निर्भर रहेंगे। वित्तीय लेन-देन में कुछ सावधानी रखने की आवश्यकता है। अपनी जीवनशैली में काफी धन खर्च कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे। कई सारी परेशानियों का समाधान आपको मिलेगा।

तुला आज आपको मित्रों का उत्तम सहयोग मिलेगा। शत्रुओं के कमजोर पड़ने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नया व्यवसाय शुरू करने की योजना पर काम करेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। जो आप चाह रहे थे, वह आपको प्राप्त हो सकता है।

वृश्चिक आज कमीशन से जुड़े कार्यों में नुकसान हो सकता है। संतान के व्यवहार से मन व्यथित हो सकता है। व्यवसाय में आप काफी व्यस्त हो सकते हैं। इसके कारण आप अपने कुछ महत्वपूर्ण कार्यों की भी अनदेखी कर सकते हैं।

धनु आज आपकी तुलना गलत लोगों के साथ की जा सकती है, लेकिन इस पर आपको धैर्य रखना चाहिए। मन में ज्यादा विचार लाने से बचें। संपत्ति के मामलों में जोरदार विवाद हो सकता है। कानूनी मामलों को लेकर सावधान रहें।

मकर आज नया वाहन खरीद सकते हैं। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग बन रहे हैं। आईटी क्षेत्र से जुड़े लोग जॉब बदलने की तैयारी कर सकते हैं। विवाह से जुड़े मामलों को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। संतान की उन्नति से मन प्रसन्न होगा।

कुंभ आज व्यवसाय में सहयोगियों के प्रति मन में अविश्वास की भावना उत्पन्न हो सकती है। अभद्र भाषा का प्रयोग आपकी प्रतिष्ठा के लिए खतरा हो सकता है। आप धन को लेकर कुछ चिंता में हो सकते हैं। आपको लोगों पर ज्यादा विश्वास नहीं होगा।

मीन आज बुद्धिमान मित्रों की संगत प्राप्त होगी। फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों को अचानक कोई बड़ा काम मिल सकता है। दूसरों की ज्यादा परवाह न करें। स्वयं में प्रसन्न रहने का प्रयास करें। आप नए उद्यम या कार्यों को लेकर उत्साहित रहेंगे।

आज की फिल्में

तकदीर का तमाशा
सुबह : 10 .00

खेल
शाम : 05 .40

सैटेलाइट शंकर
सुबह : 10 .10

भूल भूलैया 2
शाम : 06 .15

द रैड 2
सुबह : 12 .34

65
रात : 09 .00

थैंक गॉड
सुबह : 10 .44

सूर्यवंशी
रात : 08 .00

कल हो न हो
दोपहर : 02 .02

चैन्नई एक्सप्रेस
रात : 09 .21

आज की सुपरहिट फिल्म

जी सिनेमा पर रात : 08 .00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

गप्पू ऑफिस में लेट पहुंचा
बॉस- कहां थे अब तक?
गप्पू- जी वो गर्लफ्रेंड को कॉलेज छोड़ने गया था।
बॉस- शटअप, कल से ऑफिस टाइम से आना, नहीं तो खैर नहीं...
गप्पू-ठीक है तो फिर अपनी बेटी को खुद ही कॉलेज छोड़ देना।

पिता - पेपर कैसा गया?
बेटा - पहला सवाल छूट गया, तीसरा आता नहीं था, चौथा करना भूल गया, पांचवां नजर नहीं आया।
पिता- और सवाल दो?
बेटा - बस सिर्फ वो ही गलत हो गया।
बेटे की बात सुनकर पिता ने अपना सिर पीट लिया।

किसको मिलेंगी कितनी सीटें और किसकी बनेगी सरकार

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार: आज आखिरी चरण के मतदान के साथ देश चार जून का इंतजार शुरू कर देगा, जब 18 वीं लोकसभा के लिए वोटों की गिनती शुरू होगी और चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। हालांकि इससे पहले मतदान खत्म होने के बाद शाम साढ़े छह बजे से विभिन्न मीडिया चैनल और सर्वे एजेंसियां एग्जिट पोल के माध्यम से अपने अनुमानों का आंकड़ा जारी करेंगी। लेकिन कौन सरकार बनाएगा और किस दल को कितनी सीटें मिलेंगी, इसके लिए सबकी नजरें चुनाव आयोग पर ही रहेंगी, जो मंगलवार को 543 सदस्यीय लोकसभा में 542 सीटों के परिणाम जारी करने के लिए सुबह आठ बजे से मतगणना का काम शुरू कराएगा। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा के मुकेश दलाल को पहले ही निर्विरोध निर्वाचित किया जा चुका है। इस बार भाजपा ने जहां अपनी जीत की हैट्रिक के साथ पार्टी के लिए 370 सीटें जीतने और एनडीए गठबंधन के लिए 400 पार का नारा दे रखा है, वहीं तीसरे चरण के मतदान के बाद से उत्साहित इंडिया गठबंधन भी अब सरकार बनाने की बात कर रहा है। अब इसे जीत के लिए इंडिया गठबंधन का आश्वस्त होना कहा जाए या उतावलापन कि उसने अंतिम चरण के मतदान के दौरान ही प्रधानमंत्री के चेहरे का चुनाव करने के लिए बैठक बुला ली है। इंडिया गठबंधन के सबसे बड़े घटक दल कांग्रेस को 2019 के चुनाव में 52 और भाजपा को 303 सीटें मिली थीं।

भाजपा ने दिया है चार सौ पार का नारा, इंडिया गठबंधन ने प्रधानमंत्री का चेहरा तय करने को बुलाई बैठक

यूपी में सातवें चरण का गणित

- 13 में 11 सीटें एनडीए ने जीती थीं 2019 में
- 2 सीटों पर बसपा को मिली थी जीत
- 2 सीटें 15 हजार के अंतर से ही जीती थी भाजपा
- 6 सीटों पर 2 से 4.79 लाख तक था भाजपा की जीत का अंतर

- 2019 में कांग्रेस को मिलीं थीं 52 लोकसभा सीटें
- भाजपा ने 2019 में 303 सीटों पर जीत दर्ज की थी, इस बार पार्टी का लक्ष्य 370 सीटों पर जीत दर्ज करने का है

75 दिन प्रचार के – किसने कितना लगाया जोर

- 206 – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैलियों को संबोधित किया। इसमें रोड शो और प्रचार अभियान से जुड़े कार्यक्रम भी शामिल रहे।
- 188 – गृह मंत्री अमित शाह ने चुनावी रैलियां और रोड शो किए।
- 101 – रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने रोड शो और चुनावी रैलियां कीं
- 160 – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रैलियां, सभाएं, रोड शो किए।
- 87 – भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चुनावी रैलियां कीं
- 107 – राहुल गांधी ने चुनावी रैलियां, सभाएं और रोड शो किए
- 108 – प्रियंका गांधी ने रैलियां और रोड शो किए
- 102 – मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष ने की सभाएं और रैलियां
- 251 – तेजस्वी यादव ने जनसभाओं को संबोधित किया
- 73 – सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रैलियां और रोड शो किए।
- 75 – मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रैलियां, रोड शो और पद यात्राएं कीं

11 सौ का एक वोट, सवा लाख करोड़ चुनाव खर्च

- देश में इस समय 96.8 करोड़ मतदाता हैं और इस बार चुनाव का खर्च सवा लाख करोड़ के आसपास रहने वाला है। इस लिहाज से एक वोट पर करीब 1100 रुपये खर्च बैठता है। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के मुताबिक हर लोकसभा चुनाव अपना पिछला रिकार्ड तोड़कर दोगुने खर्च तक पहुंच जाता है। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री चुने गए थे, लोकसभा चुनाव कराने में 3870 करोड़ रुपये खर्च हुए थे। सेंटर आफ मीडिया स्टडीज (सीएमएस) की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले आम चुनाव साल 2019 में लागत बढ़कर 50 हजार करोड़ से ऊपर चली गई थी। इस बार अब तक हुए चुनावी खर्च के आधार पर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि पिछले चुनाव के दोगुना से भी ज्यादा खर्च होगा। अंतिम आकलन अभी नहीं आया है, लेकिन माना जा रहा है कि साल 2024 के चुनाव में एक लाख 20 हजार करोड़ रुपये से कम नहीं खर्च होने वाले हैं।

डिजिटल प्रचार में इस बार कांग्रेस ने किया भाजपा का मुकाबला

- देश में लोकसभा चुनाव भले ही हर दल ने अपनी सियासी जमीन पर झंडे, बैनर और डोर टू डोर जनसंपर्क के जरिए लड़ा हो, लेकिन इस बार चुनाव डिजिटल मोड में इंटरनेट पर भी जमकर लड़ा गया है। 2014 और 2019 के चुनाव में डिजिटल प्रचार में भाजपा सब पर भारी पड़ी थी, लेकिन इस बार कांग्रेस भी मुकाबले में नजर आई। प्रचंड गर्मी के कारण इस बार के लोकसभा चुनाव में सड़क पर राजनीतिक दलों के बीच छिड़ा घमासान थोड़ा कम दिखाई दिया हो, लेकिन ऑनलाइन और सोशल मीडिया पर डिजिटल चुनाव प्रचार चरम पर रहा है।

39 करोड़ रुपये खर्च करने के साथ कांग्रेस डिजिटल विज्ञापन देने के मामले में दूसरे नंबर पर है

100 करोड़ रुपये भाजपा ने जनवरी से मई के अंतिम सप्ताह तक गूगल को डिजिटल विज्ञापन के लिए दिए

ऑन लाइन प्रचार में दो तिहाई से ज्यादा हिस्सा वीडियो विज्ञापन का

- लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए मीडिया स्रोत के मुताबिक गूगल ने इस साल पहली जनवरी से मई के अंतिम सप्ताह तक केवल राजनीतिक विज्ञापनों से करीब 265 करोड़ रुपये की कमाई की है। अप्रैल और मई में ही 160 करोड़ रुपये से अधिक के राजनीतिक विज्ञापन अकेले गूगल को दिए गए। इनमें दो-तिहाई से अधिक वीडियो विज्ञापन हैं। गूगल के एड ट्रांसपेरेंसी डेटा के अनुसार भाजपा ने जनवरी से मई के अंतिम सप्ताह तक गूगल विज्ञापनों पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसमें 40 करोड़ रुपये से अधिक केवल मई माह में ही खर्च किए गए। कांग्रेस डिजिटल विज्ञापन देने के मामले में 39 करोड़ रुपये खर्च करने के साथ दूसरे नंबर पर है। मई माह में कांग्रेस ने करीब 12 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

दुद्धी में भाजपा पर जीत दोहराने का दबाव

अमृत विचार । उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित दो विधानसभा सीटों में से एक दुद्धी पर उपचुनाव के लिए भी पहली जून को मतदान होना है। यहां 2022 के चुनाव में पहली बार रामदुलार गोंड ने भाजपा को जीत दिलाई थी। लेकिन वह कार्यकाल पूरा नहीं कर सके और किशोरी से दुष्कर्म के मामले में जेल चले गए। उपचुनाव में भाजपा ने युवा चेहरे श्रवण सिंह गोंड को मैदान में उतारा है। उनके सामने सपा से विजय सिंह गोंड की चुनौती है। विजय सिंह गोंड इस सीट से लगातार सात बार विधायक रह चुके हैं। दुद्धी में आदिवासी मतदाताओं की सबसे ज्यादा आबादी है। उप चुनाव जीतकर सपा खोया जनाधार वापस पाना चाहती है तो भाजपा पर विश्वास जीतने की चुनौती है।

बिहार की आठ सीटों पर किसके पक्ष में झुकेगा पलड़ा

दिग्विजय सिंह

अमृत विचार। सातवें और अंतिम चरण में बिहार की आठ सीटों पर भी वोट पड़ेंगे, जिनमें इस बार मुकाबला कठिन नजर आ रहा है। बिहार में मतदान वाली सभी आठ सीटों पर भाजपा व जदयू काबिज है। भाजपा को उम्मीद है कि वह जदयू के साथ मिलकर सभी सीटों पर फिर से जीत दर्ज कर लेगी। जबकि महागठबंधन के दलों को उम्मीद है कि वे सभी सीटें जीतकर भाजपा को एक बार फिर से केंद्र की सत्ता में आने से रोक लेंगे। इस चरण में सासाराम, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र और पटना साहिब सीट पर भाजपा के उम्मीदवार लड़ रहे हैं तो नालंदा और जहानाबाद पर जदयू और काराकाट सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा मैदान में हैं। इंडिया महागठबंधन की सहयोगी भाकपा माले ने काराकाट, आरा और नालंदा सीट तो राजद ने जहानाबाद, पाटलिपुत्र और बक्सर से उम्मीदवार उतारे हैं। यहां मतदाता मौन दिख रहे हैं।

मीसा भारती को हार का सिलसिला टूटने की आस

- पाटिलपुत्र सीट से मैदान में उतरीं मीसा भारती को उम्मीद है कि वह इस बार हार का सिलसिला खत्म करने में कामयाब होंगी। उनके सामने भाजपा से रामकृपाल यादव मैदान में हैं जो लगातार दो बार से जीत रहे हैं और इस बार हैट्रिक लगाने के लिए मैदान में हैं। मीसा भारती इस सीट पर रामकृपाल से 2014 और 2019 में हारीं। 2009 में लालू प्रसाद यादव को हार का सामना करना पड़ा था। तब जदयू के रंजन प्रसाद यादव ने उनहें हराया था। लालू को लगता है कि बेटी मीसा भारती इस बार जरूर जीतेंगी। इसीलिए लालू प्रसाद यादव ने यहां प्रचार में कुछ ज्यादा ही फोकस किया है। यहां के मतदाताओं से उन्होंने संविधान बचाने के नाम पर वोट मांगा है।

काराकाट में कुशवाहा की राह में पवन सिंह का कांटा

- काराकाट लोकसभा सीट इस बार कुछ ज्यादा ही चर्चा में है। यहां से भाजपा के बागी एवं फिल्म अभिनेता पवन सिंह निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं। पवन सिंह यहां साथी फिल्म अभिनेताओं और अभिनेत्रियों से प्रचार कराते रहे। सभाओं और रोड शो में जुटी भीड़ से विरोधी परेशान हैं। यहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा मैदान में हैं। राजग से उम्मीदवार होने के नाते उनकी जीत के लिए मुख्यमंत्री नितीश कुमार हों या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहां सभाएं कीं। लेकिन कहा जा रहा है कि उनकी जीत की राह में सबसे बड़ा कांटा पवन सिंह हैं। यहां से महागठबंधन की सहयोगी भाकपा माले के राजाराम सिंह उन्हें कड़ी टक्कर दे रहे हैं।

सासाराम में भाजपा को हैट्रिक की उम्मीद

- भाजपा ने सासाराम लोकसभा सीट से शिवेश राम के मैदान में उतारा है। शिवेश राम को यहां मोदी के नाम का सहारा है। पार्टी के उम्मीदवार छेदी पासवान यहां से लगातार दो बार सांसद बने पर उनके स्थान पर इस बार शिवेश उतरे हैं। कांग्रेस ने मनोज भारती को टिकट दिया है। हालांकि कांग्रेस उम्मीदवार को यहां भितरघात का सामना करना पड़ रहा है। मनोज भारती बसपा से आए हैं। ऐसे में कार्यकर्ता उन्हें पचा नहीं पा रहे हैं। यहां भाजपा जीत की हैट्रिक न लगा पाए इसके लिए महागठबंधन ने पूरी ताकत झोंक दी है।

अश्विनी चौबे की नाराजगी न पड़ जाए मिथिलेश पर भारी

- भाजपा ने बक्सर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे का टिकट काट काटकर मिथिलेश तिवारी को मैदान में उतारा है। टिकट कटने पर अश्विनी चौबे भी सार्वजनिक रूप से नाराजगी जता चुके हैं। पार्टी के कार्यक्रमों में वे मंचों पर दिखते हैं पर उनकी नाराजगी किसी से छिपी नहीं है। उनके समर्थक भी नाराज बताए जाते हैं। ऐसे में भाजपा के रणनीतिकार भी इस बात से डरे हुए हैं कि कहीं यहां भितरघात न हो जाए। हालांकि मिथिलेश तिवारी को उम्मीद है कि मोदी के नाम और विकास कार्यों के दम पर वे इस सीट को जीत लेंगे।

पिछली बार आधा दर्जन सीटों पर हुआ था कड़ा मुकाबला

चुनाव डेस्क

अमृत विचार। साल 2019 के पिछले चुनाव में सातवें चरण की जिन छह लोकसभा सीटों पर काफी कड़ा मुकाबला हुआ था, उनमें पंजाब में जालंधर, बठिंडा, उत्तर प्रदेश की बलिया और चंदौली तो ओडिशा की बालासोर और बिहार की जहानाबाद सीट शामिल है। इन सीटों पर जीत-हार का अंतर दो प्रतिशत से भी कम रहा था। बिहार के जहानाबाद में जनता दल (यू) के चंद्रशेखर ने सिर्फ 1,751 वोटों से जीत दर्ज की थी।

उत्तर प्रदेश की चंदौली लोकसभा सीट पर भाजपा के महेंद्रनाथ पांडेय ने 13,959 वोटों से जीत हासिल की थी। ओडिशा की बालासोर सीट पर भाजपा के प्रताप चंद्र 12,956 वोटों से जीते थे। उत्तर पर्देश की बलिया सीट पर भाजपा के वीरेंद्र सिंह मस्त को 15,519 वोटों से जीत मिली थी। पंजाब की बठिंडा सीट पर अकाली दल की हरसिमरत कौर ने 21,772 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी, जबकि जालंधर लोकसभा सीट पर कांग्रेस के संतोख सिंह 19,491 वोटों से चुनाव जीते थे।

11 सीटों पर होता रहा है जीत-हार का उलटफेर

- सातवें चरण के मतदान वाली लोकसभा सीटों में 11 सीटें ऐसी रही थीं, जहां पिछले तीन चुनाव में कोई दल अपनी सीट नहीं बचा पाया था। इसमें उत्तर प्रदेश की गाजीपुर, घोसी, रॉबर्ट्सगंज और मिर्जापुर सीट हैं। पंजाब में आनंदपुर साहिब, फरीदकोट, फतेहगढ़ साहिब और पटियाला सीट हैं। इसके अलावा ओडिशा में बालासोर और बिहार की जहानाबाद और काराकाट सीट है। 2019 में इनमें दो सीटें भाजपा, 2 सीटें अपना दल (एस), दो सीटें बसपा जबकि 4 सीटें कांग्रेस ने जीती थीं। एक सीट जेडीयू को मिली थी।

पोस्टर-पंपलेट, बिल्ला-बिंदी गायब, इस बार छाया रहा डिजिटल प्रचार

अमृत विचार। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दलों ने अपने स्टार प्रचारकों की रैलियों और सभाओं के बाद चुनावी अभियान में सबसे ज्यादा डिजिटल प्रचार पर भरोसा जताया। इसके चलते परंपरागत प्रचार माध्यमों में सिर्फ झंडों और फ्लेक्स होर्डिंग का बाजार तो ऊंचा रहा, लेकिन पोस्टर, पंपलेट, हैंड बिल, बिल्ला, बैनर और स्टीकर आदि गायब जैसे नजर आए। पिछले दो दशक से प्रचार का बड़ा हिस्सा बनी टोपी और टी-शर्ट की मांग भी बीते दो चुनावों के मुकाबले इस बार कमजोर दिखी। साफ नजर आया कि पिछले दस साल में तेजी से बढ़े डिजिटल माध्यम ने चुनाव प्रचार के परंपरागत बाजार को कोने में समेट दिया है।

- डिजिटल कैंपेनिंग के लिए बड़ी कंपनियों के साथ युवाओं के नयी सोच वाले स्टार्ट अप भी आगे आए
- प्रत्याशियों की ओर से रील्स की सबसे ज्यादा मांग रही, सभाओं और रैलियों की रील्स में हुए नए प्रयोग
- इस बार के चुनाव में यूनीपोल पर फ्लैक्स की मांग साल 2019 के मुकाबले 30 से 35 फीसदी तक घटी
- झंडों का बाजार रहा बेअसर पर टीशर्ट व टोपी पहले से हुई कम, आयोग की सख्ती से शोर पर लगी लगाम

चुनाव को कारोबार के लिहाज से सहालग जैसा मानने वाले प्रिंटिंग कारोबार को सियासी प्रचार के बदले चलन से सबसे बड़ी चोट पहुंची है। इस बार के चुनाव में डिजिटल कैंपेनिंग के लिए कई बड़ी कंपनियों के साथ युवाओं के नयी सोच वाले स्टार्ट अप भी उपलब्ध थे। पहले चुनाव के दौरान दीवारों पोस्टर चस्पा किए जाते थे। लेकिन अब इनकी जगह मीम्स और डिजिटल पोस्टर ने ले ली है। प्रत्याशियों की ओर से रील्स की सबसे ज्यादा डिमांड है। चुनावी सभाओं और रैलियों की रील्स में नए प्रयोग कर तैयार हो रहे हैं।

इसी तरह पिछले चुनाव तक यूनीपोल से प्रचार की भारी मांग रहती थी। पहले से इसके लिए प्रमुख स्थानों की बुकिंग हो जाती थी। लेकिन विज्ञापन एजेंसियों की माने तो इस बार के चुनाव में यूनीपोल पर फ्लैक्स की मांग साल 2019 के चुनाव के मुकाबले करीब 30 से 35 फीसदी तक घट गई। सबसे बड़ा झटका प्रिंटिंग प्रेस को लगा, प्रचार सामग्री छपवाने के आर्डर पिछले चुनाव की अपेक्षा आधे से भी कम रह गए। डिजिटल प्रचार के दौर में इंटरनेट मीडिया से कैंपेनिंग का प्रभाव बढ़ने से ऐसा देखने को मिला। कानपुर, आगरा और मेरठ के कई प्रिंटिंग प्रेस संचालकों के मुताबिक मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इस बार डिजिटल प्लेटफार्म का दायरा काफी बढ़ गया। इस बदलते ट्रेंड का प्रभाव परंपरागत तरीकों से प्रचार में प्रयुक्त होने वाले प्रिंटिंग कारोबार पर सबसे ज्यादा पड़ा है। चुनाव प्रचार के बाजार में झंडा, बैनर, बिल्ला और स्टीकर जैसी प्रचार सामग्री की मांग तेजी से घट गई है। चुनाव प्रचार सामग्री के थोक कारोबारियों का कहना है कि पहले राजनीतिक दलों और प्रत्याशियों की तरफ से झंडे, बिल्ले, टोपी, टी शर्ट और महिलाओं के लिए पार्टी के चुनाव चिह्न वाली बिंदी जैसी सामग्री के ऑर्डर खूब मिलते थे। प्रत्याशी अपनी और पार्टी के बड़े नेता की फोटो के साथ पोस्टर या कपड़े के छोटे बैनर छपवाने के लिए परेशान रहते थे। लेकिन इस बार ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। पहले चुनाव के दौरान पोस्टरों को दीवारों पर चस्पा किया जाता था। लेकिन अब इसे लेकर चुनाव आयोग ने कई नियम लागू कर दिए हैं, जिसके चलते प्रत्याशी इससे किनारा करने लगे हैं। वैसे भी अब मीम्स और डिजिटल पोस्टर का जमाना है। इसी की मांग बाजार में ज्यादा दिखाई देती रही। प्रत्याशियों की ओर से भी रील्स बनाने की मांग खूब आती रही है। ऐसे में चुनावी सभाओं और रैलियों की रील्स तैयार करने में नए प्रयोग किए गए। कहीं भीड़ को इस अंदाज में दिखाया गया कि मानो जन सैलाब उमड़ आया हो, तो कहीं उन्हें पार्टी के गीतों से जोड़ दिया गया। कुल मिलाकर डिजिटल कैंपेनिंग ने प्रचार का तरीका पूरी तरह बदल दिया, जिसके कारण बाजार में परंपरागत नहीं नवाचर की मांग ज्यादा रही।

सातवें चरण की 57 में 30 सीटें एनडीए ने जीती थीं

चुनाव डेस्क

- सबसे बड़ा चुनाव वाराणसी में जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार मैदान में

अमृत विचार। सातवें और आखिरी चरण में शनिवार को 57 सीटों पर मतदान होने जा रहा है। साल 2019 में इन 57 सीटों में भाजपा ने 25 सीटें जीती थीं और एनडीए ने 30 सीटों पर अपना परचम फहराया था। इस चरण में सबसे बड़ा चुनाव वाराणसी में हो रहा है, जहां से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने अपनी उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय को मैदान में उतारा है।

प्रधानमंत्री मोदी के अलावा जिन सीटों पर सबकी नजर है, उनमें गोरखपुर से अभिनेता रवि किशन के खिलाफ सपा से काजल निषाद मैदान में हैं। हिमाचल की मंडी सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत के खिलाफ पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विक्रमादित्य कांग्रेस उम्मीदवार हैं। हिमाचल की ही हमीरपुर सीट से केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर चुनाव लड़ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की डायमंड हार्बर सीट से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी जालंधर और हरसिमरत कौर बादल भटिंडा से चुनाव लड़ रही हैं।

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 965 फ्लैग 1080 डीएमओ 850 बोल्ड 1140, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 975 फ्लैग 1100 बोल्ड 1150 डीएमओ 855।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2400-2450
आरआर 21	2550-2600
गेहूंफ़ारम	2600-2700
जौ	2000 -2100
ज्वार	2000 -4000
बाजरा	2100-2150
मकाई	2200 -2400

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	6200 -6400
अरहर	9000 -10000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -11000
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	7900 -8000

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	17500-17600
अरहरस्पेशल1	14800-14900
चनादाल	8000-8100
मटरदाल	4850-4950
मसूरमलका	7300-7350
मसूरदाल	7500-7550
उड़द्दाल	9000- 13000
उड़द धोवा	10000- 13000
मूँगदाल	8600 -9500
मूँग धोवा	9700-11000

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1380-1430
मैदा	1350-1400
सूजी	1410-1430

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1325-1350

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	5600-5800
अलसी	4500 -4600 रुपये।

6.2% रही बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर

अप्रैल में प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली का उत्पादन बेहतर होने से हुई बढ़ोत्तरी

नई दिल्ली, एजेंसी

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अप्रैल में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल महीने में प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और बिजली का उत्पादन बेहतर होने से बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर अच्छी रही है।

मार्च में इन आठ उद्योगों की वृद्धि दर छह प्रतिशत थी जबकि एक साल पहले अप्रैल, 2023 में यह 4.6 प्रतिशत रही थी। कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली को बुनियादी उद्योगों में गिना जाता है। इनकी देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में सम्मिलित रूप से 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों से पता चलता है कि उर्वरक क्षेत्र का उत्पादन अप्रैल में गिर गया जबकि कोयला, इस्पात और सीमेंट क्षेत्रों की वृद्धि दर में सुस्ती दर्ज की गई। कोयला उद्योग की वृद्धि दर नरम पड़कर 7.5 प्रतिशत रह गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 9.1 प्रतिशत थी। इस्पात उद्योग की वृद्धि दर 16.6 प्रतिशत से घटकर 7.1 प्रतिशत पर आ गई जबकि सीमेंट उद्योग साल भर पहले के 12.4 प्रतिशत से घटकर 0.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा है।

राजकोषीय घाटा बीते वर्ष 2023-24 में सुधरकर जीडीपी के 5.63 प्रतिशत पर पहुंचा

सरकार का राजकोषीय घाटा बीते वित्त वर्ष में जीडीपी का 5.63 प्रतिशत रहा। यह केंद्रीय बजट में जताए गए 5.8 प्रतिशत के अनुमान से कुछ कम है। वास्तविक रूप से राजकोषीय घाटा यानी व्यय और राजस्व के बीच अंतर 16.53 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार ने एक फरवरी को पेश अंतरिम बजट में 2023-24 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटा 17.34 लाख करोड़ रुपये यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। महालेखा नियंत्रक के आंकड़ों के अनुसार, सरकार राजस्व संग्रह के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाब रही है। शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 2023-24 में 23.36 लाख करोड़ रुपये जबकि व्यय 44.42 लाख करोड़ रुपये रहा। सरकार द्वारा करों के हिस्से के हस्तांतरण के रूप में राज्य सरकारों को 11,29,494 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1,81,088 करोड़ रुपये अधिक है। सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय 44,42,542 करोड़ रुपये रहा है जिसमें से 34,94,036 करोड़ राजस्व खाते से और 9,48,506 करोड़ रुपये पूंजी खाते से व्यय किया गया है। कुल राजस्व व्यय में से 10,63,871 करोड़ ब्याज भुगतान में और 4,13,542 करोड़ प्रमुख सब्सिडी के तौर पर हुआ है।

टीआईएल और पूर्व अधिकारियों पर लगा 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने टीआईएल लि. और तीन पूर्व अधिकारियों पर बिक्री और राजस्व को बढ़ा-चढ़ाकर बताने के लिए 2.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला 2019-20 और 2020-21 में कथित फर्जी खरीद-बिक्री से बिक्री और राजस्व को बढ़ा-चढ़ाकर बताने से जुड़ा है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि जुर्माना 45 दिन के भीतर चुकाया जाना चाहिए। नियामक ने व्यक्तिगत रूप से टीआईएल और सुमित मजूमदार पर एक-एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। सुमित मजूमदार उल्लंघन के समय कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक थे। इसके अलावा, तत्कालीन मुख्य कार्यपालक अधिकारी रमेश अग्रवाल और पूर्व मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) शिबादित्य घोष पर 25-25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

2024 में 6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी भारत की जीडीपी

नई दिल्ली, एजेंसी

- मूडीज रेटिंग्स एजेंसी ने जताई है संभावना

मूडीज रेटिंग्स ने मजबूत आर्थिक वृद्धि और चुनाव के बाद नीतिगत निरंतरता रहने की उम्मीद पर भारत की वृद्धि दर 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारत की वास्तविक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वर्ष 2023 में 7.7 प्रतिशत बढ़ी थी, जबकि 2022 में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर थी। सरकार के सशक्त पूंजीगत व्यय और मजबूत विनिर्माण गतिविधियों के दम पर यह संभव हो पाया।

मूडीज ने वैश्विक व्यापक-आर्थिक परिदृश्य 2024-25 में कहा-हमारा मानना है कि भारतीय अर्थव्यवस्था को आ सानी से छह-सात प्रतिशत की दर से बढ़ना चाहिए। हम इस साल करीब 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद नीति निरंतरता होने के साथ मजबूत, व्यापक-आधारित वृद्धि को बनाए रखा जा सकेगा। मूडीज ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 11.1 लाख करोड़ रुपये यानी जीडीपी का 3.4 प्रतिशत पूंजीगत व्यय आवंटन का लक्ष्य रखा गया है, जो 2023-24 के अनुमान से 16.9 प्रतिशत अधिक है। कहा-हम आम चुनाव के बाद बुनियादी ढांचे के वृद्धि पर निरंतर ध्यान केंद्रित करने की उम्मीद करते हैं।

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	94,650
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	95,000
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	100000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	74,200
गिन्नी (प्रति नग)	55,300-55,500
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	72,950
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	72,800
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	90,000
चांदी तैयार	90,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	72,900
सोना जेवरात गिन्नी	71,900
चांदी पक्की	890 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	73,100
चांदी आभूषण	91,000।

विदेशी मुद्रा भंडार दो अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलर

मुंबई, एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 24 मई को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर घटकर 646.67 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पूर्व के सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 4.55 अरब डॉलर की तेजी के साथ 648.7 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 24 मई को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.51 अरब डॉलर घटकर 567.49 अरब डॉलर रह गई। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 48.2 करोड़ डॉलर घटकर 56.71 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 18.13 अरब डॉलर रहा।

भारत ने ब्रिटेन से 100 टन सोना घरेलू तिजोरियों में पहुंचाया

मुंबई। भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन में रखे अपने 100 टन सोने को घरेलू तिजोरियों में पहुंचाया है। सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह 1991 के बाद सोने का सबसे बड़ा स्थानांतरण है। वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में देश के कुल स्वर्ण भंडार में 27.46 टन की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 822 टन हो गया। सूत्रों ने कहा कि सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेश में जमा है।

मोदी सरकार ने बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट कर 10 लाख करोड़ से अधिक डूबा कर्ज वसूला : सीतारमण

नई दिल्ली, एजेंसी

- वित्त मंत्री ने बताया-ईडी ने करीब 1,105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार ने विभिन्न सुधारों और बेहतर प्रशासन के जरिए बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट किया है। इसके दम पर बैंकों ने 2014 से 2023 के बीच 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक डूबे कर्ज की वसूली की है।

उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय ने करीब 1,105 बैंक धोखाधड़ी मामलों की जांच की है, जिसके परिणामस्वरूप 64,920 करोड़ रुपये की अपराध आय जब्त की गई है। दिसंबर 2023 तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) को 15,183 करोड़ रुपये की संपत्ति वापस कर दी गई है। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा-हाल ही में, भारत के बैंकिंग क्षेत्र ने तीन लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करते हुए अपना अब तक का सबसे अधिक शुद्ध लाभ दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और निर्णायक नेतृत्व के दम पर बैंकिंग क्षेत्र का कायापलट हुआ। हमारी सरकार ने व्यापक तथा दीर्घकालिक सुधारों के जरिए बैंकिंग क्षेत्र में संप्रग के पापों का प्रायश्चित किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने डूब कर्ज (खासकर बड़े डिफॉल्टर से) की वसूली में कोई ढील नहीं बरती और यह प्रक्रिया जारी है।

राष्ट्रीय

देश में जलाशयों का जल स्तर गिरकर 23% रह गया

केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण में लगातार गिरावट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

31 मई तक घटकर रही गई 5.864 बीसीएम क्षमता

सीडब्ल्यूसी बुलेटिन के अनुसार 16 मई से 31 मई के सप्ताह के लिए यह घटकर 5.864 बीसीएम (कुल क्षमता का 30 प्रतिशत) रह गई है। पिछले वर्ष इसी अवधि में जल भंडारण कुल क्षमता का 38 प्रतिशत था। वर्ष के इस समय सामान्य जल संग्रहण 31 प्रतिशत होता है।

देश में भीषण गर्मी के बीच 150 प्रमुख जलाशयों के भंडारण स्तर में लगातार गिरावट जारी है और यह कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत रह गया है। पिछले वर्ष समान अवधि के दौरान के जल स्तर के मुकाबले मौजूदा जल स्तर में 77 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी सामने आई है। सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक जलाशयों का मौजूदा जलस्तर पिछले वर्ष के स्तर का मात्र 77 प्रतिशत तथा सामान्य जलस्तर का 94 प्रतिशत है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने शुक्रवार को देश भर के 150 प्रमुख जलाशयों के ताजा भंडारण स्तर की स्थिति पर अपना साप्ताहिक बुलेटिन जारी करते हुए एक बयान में कहा-इन जलाशयों में कुल उपलब्ध भंडारण 41.705 अरब घन मीटर (बीसीएम) है, जो इन जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता का 23 प्रतिशत है। आयोग ने कहा-यह पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए 53.832 बीसीएम तथा सामान्य भंडारण क्षमता 44.511 बीसीएम से काफी कम है। परिणामस्वरूप, मौजूदा भंडारण पिछले वर्ष के स्तर का केवल 77 प्रतिशत तथा सामान्य भंडारण का 94 प्रतिशत है। सीडब्ल्यूसी द्वारा निगरानी किये जाने वाले 150 मुख्य जलाशयों की कुल भंडारण क्षमता 178.784 बीसीएम है, जो देश में निर्मित कुल भंडारण क्षमता का लगभग 69.35 प्रतिशत है। देश के 150 जलाशयों में से दस उत्तरी क्षेत्र - हिमाचल प्रदेश, पंजाब और राजस्थान - में स्थित हैं और इनकी भंडारण क्षमता 19.663 बीसीएम है।

सीडब्ल्यूसी के मुताबिक पूर्वी क्षेत्र में - असम, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, नागालैंड और बिहार में कुल 23 जलाशय हैं, जिनकी कुल जल भंडारण क्षमता 20.430 बीसीएम है। आयोग ने कहा कि उपलब्ध जल भंडारण 5.645 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 28 प्रतिशत है। पश्चिमी क्षेत्र - गुजरात और महाराष्ट्र - में कुल 49 जलाशय हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 37.130 बीसीएम है। इन जलाशयों का मौजूदा भंडारण 8.833 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 24 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष के 28 प्रतिशत से कम है, लेकिन सामान्य भंडारण 23 प्रतिशत से बेहतर है।

वहीं मध्य क्षेत्र-उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़-में 26 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 48.227 बीसीएम है। वर्तमान में उपलब्ध भंडारण क्षमता 14.046 बीसीएम है, जो कुल क्षमता का 29.1 प्रतिशत है। पिछले वर्ष भंडारण क्षमता 37 प्रतिशत थी। इन जलाशयों की सामान्य भंडारण क्षमता 29.4 प्रतिशत होती है।

भारी बारिश से मणिपुर के राजभवन परिसर में जलभराव

इंफाल। चक्रवात रेमल के प्रभाव से पिछले कुछ दिनों में हुई मूसलाधार बारिश के कारण मणिपुर के राजभवन परिसर में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इंफाल घाटी में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन लोगों की मौत हो गई है,जबकि हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इंफाल नदी के तटबंध विभिन्न स्थानों पर टूटने के बाद राजभवन परिसर में पानी एकत्र हो गया। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों की तुलना में राजभवन की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। इस बीच, मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एमपीसीसी) के प्रवक्ता निंगोम्बम बुपेंद्र ने 'एक्स' पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा-राजभवन बाढ़ के पानी में डूब रहा है।

योगी सबसे योग्य मुख्यमंत्री, उन्हें हटाने के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता : नड्डा

लखनऊ/नई दिल्ली, एजेंसी

- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने साक्षात्कार में की सीएम की तारीफ

तिहाड़ जेल से बेल पर छूटे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर दिए गए विवादित बयान पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने करारा जवाब दिया है। एक निजी टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में जेपी नड्डा ने कहा कि पूरे देश में योगी आदित्यनाथ जैसा मुख्यमंत्री कोई नहीं है। वह सबसे योग्य मुख्यमंत्री हैं। उनकी काबिलियत पर हर किसी को भरोसा है। उन्हें हटाने के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता है।

साक्षात्कार के दौरान जब जेपी नड्डा से केजरीवाल के उस बयान के विषय में पूछा गया कि जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव के बाद सीएम योगी को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से हटा देंगे तो इस पर जेपी नड्डा ने कहा कि सीएम योगी का काम पूरे देश में सबसे शानदार रहा है। उन्होंने जिस कुशलता के साथ प्रदेश की बागडोर संभाली है, वह उन्हें सबसे योग्य मुख्यमंत्री साबित करती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उनके विषय में ऐसी बातें करने वाला व्यक्ति कोई अज्ञानी ही होगा। केजरीवाल पागल हो गए हैं। उनकी कुटिल चालों को देश की जनता अच्छी तरह समझती है।

एक नजर

अदालत ने नीरव माल्या व चोकसी को लेकर ईडी की खिंचाई

मुंबई। महाराष्ट्र में धन शोधन निवारण अधिनियम की एक विशेष अदालत ने नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चोकसी को पकड़ने में विफलता के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की खिंचाई की। सुनवाई के दौरान अदालत ने चार्टर्ड अकाउंट व्योमेश शाह की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें उन्होंने विदेश यात्रा के लिए अदालत की पूर्व अनुमति को खत्म करने की मांग की थी। शाह पर गरवारे इंडस्ट्रीज के निहाल गरवारे के लिए धन शोधन का आरोप है, जिसे पिछले साल जेएंडके बैंक को एक सौ करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

मप्र में सरपंच का पति घूस लेते पकड़ा गया

इंदौर। लोकायुक्त पुलिस ने मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में एक गांव की सरपंच के पति को शुक्रवार को 95,000 रुपये की कथित घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) आरडी मिश्रा ने बताया, "व्यासखेड़ी गांव की सरपंच सुंदरबाई के पति राहुल रावत (28) को कनाड़िया रोड के एक अस्पताल के बाहर जाल बिछा कर रंगे हाथों पकड़ा गया है।

ईडी को सात जून तक पूरक आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को भारतीय रेलवे में कथित तौर पर नौकरी के बदले जमीन घोटाले से संबंधित धनशोधन मामले में सात जून तक पूरक आरोप-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया। कथित घोटाले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद और उनके परिवार के कई सदस्य शामिल हैं।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ महीनों में कार्यवाही के दौरान कई बार ईडी से जांच पूरी होने के बारे में पूछा है। न्यायाधीश ने कहा कि ईडी के वकील ने बार-बार कहा है कि आगे की जांच अग्रिम चरण में है और जल्द ही पूरी होने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि 12 अप्रैल को पारित अपने आदेश में अदालत ने ईडी को दो सप्ताह के भीतर किसी भी शेष जांच के निष्कर्ष को अंतिम रूप देने का प्रयास करने का निर्देश दिया था। हालांकि, आज तक कोई और पूरक आरोप-पत्र दायर नहीं किया गया। न्यायाधीश ने कहा-यह अदालत उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सांसदों/विधायकों से संबंधित सभी मामलों में तेजी लाने के लिए अधिकृत है। न्यायाधीश ने कहा कि सभी आरोपियों के खिलाफ आरोप धनशोधन की कथित प्रकृति में परस्पर जुड़े तथ्यों और लेन-देन का एक समूह हैं, भले ही ये अब तक आगे बढ़ाए गए हों या नहीं। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए सात जून की तारीख तय करते हुए ईडी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि वह पूरक आरोप-पत्र अगली तारीख तक दाखिल करे। न्यायाधीश ने 29 मई को कथित घोटाले में अंतिम आरोप पत्र दाखिल करने में देरी के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की खिंचाई की थी। विशेष न्यायाधीश ने आरोप-पत्र दाखिल करने के लिए हर तारीख पर सीबीआई द्वारा अतिरिक्त वक्त मांगे जाने पर नाखुशी जताई थी। सीबीआई ने मार्च में तीन आरोपियों-अशोक कुमार, बबीता और भोला यादव के खिलाफ पूरक आरोप-पत्र दाखिल किया था।

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन का मामला

किशोरियों की बिक्री के मुद्दे पर राजस्थान को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- मानवाधिकार आयोग ने दिए कार्रवाई के निर्देश

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने राजस्थान की किशोरियों को दूसरे राज्यों में बेचने की शिकायतों के संबंध में राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

आयोग ने राज्य सरकार को बालिकाओं की तस्करी और वेश्यावृत्ति के कृत्यों पर अंकुश लगाने के लिये राज्य स्तरीय मानव तस्करी विरोधी नोडल अधिकारी नियुक्त करने और उसे जिला मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (डीएएचटीयू) के सहयोग के साथ मिलकर इस तरह के अपराधों को रोकने के लिये काम करने को कहा है। आयोग की शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उसने राज्य सरकार द्वारा हाल की कुछ ऐसी घटनाओं में मामला दर्ज किये जाने की बात स्वीकार की है लेकिन कहा है कि ऐसा लगता है कि किशोरियों की तस्करी की घटनाएं जारी हैं। आयोग ने मानव तस्करी रोकने और पीड़ितों के पुनर्वास जैसे कार्यों के लिये केन्द्रीय गृह मंत्रालय की व्यापक योजना के तहत गठित की जाने वाली डीएएचटीयू को प्रभावी रूप से लागू करने के लिये सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को नोटिस भेजें हैं।

अदालत ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 3 जुलाई तक बढ़ा दी। सिसोदिया की न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद उन्हें जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किया गया और विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उनकी रिमांड बढ़ा दी। न्यायाधीश ने ईडी से हाल में दायर आरोपपत्र की प्रति सिसोदिया और अन्य सह-आरोपियों को देने को भी कहा। न्यायाधीश ने मामले में इन आरोपियों के वकील को ईडी कार्यालय में दस्तावेज देखने के लिए एक महीने का समय दिया। सह-आरोपी और आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की तरफ से पक्ष रख रहे वकील ने अदालत से कहा कि दस्तावेज का अध्ययन करने में 90 से 100 घंटे लग सकते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में पुनर्मतदान की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के मुंगेर में कथित तौर पर कई मतदान केंद्रों पर कब्जे और कमजोर वर्ग के लोगों को मतदान नहीं करने देने का आरोप लगाते हुए उन जगहों पर पुनर्मतदान का निर्देश चुनाव आयोग को देने की मांग वाली एक याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की अवकाशकालीन पीठ ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए इसे खारिज करने का आदेश पारित किया। पीठ ने याचिकाकर्ता कुमारी अनीता की ओर से पहले पटना उच्च न्यायालय से फरियाद करने का विकल्प नहीं अपनाने पर आपत्ति जताई है।

भाजपा हरियाणा-यूपी सरकारों से पानी उपलब्ध कराने को कहे

नई दिल्ली, एजेंसी

- अरविंद केजरीवाल ने आग्रह करते हुए कहा-यह राजनीति करने का समय नहीं है

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को भाजपा से आग्रह किया कि वह हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी सरकारों से राष्ट्रीय राजधानी को एक महीने तक पानी उपलब्ध कराने के लिए कहे। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। राष्ट्रीय राजधानी गंभीर जल संकट का सामना कर रही है।

वहीं जल संसाधन मंत्री आतिशी ने हरियाणा पर दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ने का आरोप लगाया है। आप सरकार के खिलाफ भाजपा द्वारा आज प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इससे समस्या का समाधान नहीं होगा। केजरीवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा-मेरी सभी से हाथ जोड़ कर विनती है कि इस वक़्त राजनीति करने की बजाय, आइये, मिलकर दिल्ली के लोगों को राहत दिलवायें। उन्होंने कहा, "अगर भाजपा हरियाणा और उत्तर प्रदेश की अपनी सरकारों से बात करके एक महीने के लिए दिल्ली को कुछ पानी दिलवा दे तो दिल्ली वाले भाजपा के इस कदम की खूब सराहना करेंगे। इतनी भीषण गर्मी किसी के हाथ की बात नहीं। लेकिन हम सब मिलकर काम करें तो लोगों को इससे राहत तो दिलवा सकते हैं।

दिल्ली सरकार ने अधिक पानी की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का किया रुख

दिल्ली सरकार ने भीषण गर्मी के दौरान जल संकट से जूझ रही राष्ट्रीय राजधानी को अधिक पानी की आपूर्ति करने के लिए हरियाणा को निर्देश देने का अनुरोध करते हुए शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया। आम आदमी पार्टी (आप) नीत दिल्ली सरकार ने हरियाणा को हिमाचल से मिलने वाले अतिरिक्त जल को राष्ट्रीय राजधानी को देने की मांग की है। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी की ओर से दायर याचिका में केंद्र, भाजपा शासित हरियाणा और कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश को पक्षकार बनाया गया है। याचिका में कहा गया है कि पानी बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। याचिका में कहा गया कि पानी की उपलब्धता किसी भी व्यक्ति के बुनियादी मानवाधिकारों में से एक है। पानी न केवल जीने के लिए आवश्यक है, बल्कि पानी तक पहुंच संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गरिमा एवं गुणवत्तापूर्ण जीवन की गारंटी का एक अनिवार्य घटक भी है।

चेन्नई में मां का दूध बेचने वाली दुकान की गई सील

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के माधवरम में खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने मां के दूध की बिक्री करने के आरोप में प्रोटीन पाउडर की एक दुकान को सील कर दिया।

अधिकारी के मुताबिक दुकान के मालिक ने प्रोटीन पाउडर बेचने का लाइसेंस लिया था, लेकिन वह मां का दूध बेच रहा था। इस दुकान से 500 रुपये में 50 मिलीलीटर मां के दूध वाली बोतल बेची जा रही थी। छापेमारी में दुकान से मां के दूध से भरी 50 बोतलें मिलीं। पिछले सप्ताह केंद्रीय लाइसेंसिंग प्राधिकरण को शिकायत मिली थी कि माधवरम में मां का दूध बेचने के लिए स्टॉक किया गया है। अधिकारी ने कहा कि हमें बोतलों में बंद मां का दूध मिला। नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। छापेमारी के दौरान मां के दूध का दान करने वालों के मोबाइल फोन नंबर मिले। जिला खाद्य सुरक्षा

- 500 रुपये में बेची जा रही थी 50 मिलीलीटर वाली दूध की बोतल
- दुकान मालिक प्रोटीन पाउडर के लाइसेंस पर बेच रहा था मां का दूध

अधिकारी ने कहा कि हमने दुकान सील कर दिया है और नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की। यह पहला मौका है जब चेन्नई में मां का दूध बेचा जा रहा है और यह घटना कर्नाटक में मां के दूध की बिक्री पर लगे प्रतिबंध के बाद हुई है। देश के खाद्य नियामक भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने 24 मई को जारी एक परामर्श में मां के दूध के अनधिकृत व्यावसायीकरण के खिलाफ चेतावनी दी थी। दुकान के मालिक ने बताया कि वह सेवा भावना से माताओं का दूध खरीद रहा है।

कंसास से चुनाव लड़ रहे भारतीय मूल के अमेरिकी डाक्टर रेड्डी

वाशिंगटन। भारत में जन्मे अमेरिकी चिकित्सक डॉ. प्रशांत रेड्डी रिपब्लिकन पार्टी से कंसास के तीसरे कांग्रेसशल जिले से अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का चुनाव लड़ रहे हैं।

डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता शैरिस डेविड्स वर्तमान में इस सीट से सांसद हैं। डेविड्स 2018 से तीन बार निर्वाचित हुए हैं। कंसास में छह अगस्त को प्राइमरी चुनाव होगा। चेन्नई में जन्मे रेड्डी को माइक जॉनसन सहित रिपब्लिकन पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का समर्थन है। डॉ. रेड्डी ने कहा कि एक प्रवासी के रूप में मैंने अमेरिका सपने को जिया है और उस देश के लिए योगदान देने की जीवनपर्यंत कोशिश की है जिसने मुझे सब कुछ दिया है। चेन्नई में जन्मे डॉ. रेड्डी का परिवार जब कंसास आकर बसा था, तब उनकी आयु पांच साल थी।

बूंद-बूंद पानी को तरसा मानव कंठ

पेयजल की समस्या आज दुनिया भर में एक गंभीर चिंता का विषय है। स्वच्छ पेयजल तक पहुंच न होना कई देशों में स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का कारण बनता जा रहा है। यह समस्या विकासशील देशों में अधिक गंभीर है, लेकिन विकसित देशों में भी जल प्रदूषण और जल स्रोतों की कमी एक चिंता का विषय बना हुआ है... आईए जानते है इसके कारण और निवारण के विषय में...

मुख्य समस्याएं

- **जल की कमी :** शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में जल की प्राकृतिक उपलब्धता कम होती है। जलवायु परिवर्तन से बारिश के क्रम में बदलाव आ रहा है, जिससे दबाव बढ़ रहा है।
- **जल प्रदूषण :** उद्योगों के अपशिष्ट, उर्वरक व कीटनाशकों का उपयोग और सीवेज का जल स्रोतों में मिलना मुख्य कारण है।
- **अपर्याप्त जल आपूर्ति :** कई स्थानों पर जल आपूर्ति की प्रणाली काफी पुरानी और खराब है। जल आपूर्ति और जल शोधन में निवेश की कमी से पेयजल की गुणवत्ता में सुधार नहीं हो रहा है।
- **स्वच्छता और स्वास्थ्य :** दूषित जल से हैजा, डायरिया, व टाइफॉइड जैसे रोग होते हैं। लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ रही है।

समाधान

- **जल संरक्षण :** हमें बारिश के पानी को तकनीक का प्रयोग कर संग्रहित करना चाहिए। ड्रिप इरिगेशन और अपशिष्ट जल का शोधन और पुन : उपयोग करना चाहिए।
- **प्रदूषण पर नियंत्रण :** उद्योगों के अपशिष्ट जल का शोधन, उचित सीवेज प्रणाली और संयंत्रों की स्थापना, कीटनाशकों का संयमित उपयोग कर जल बचाया जा सकता हैं।
- जल आपूर्ति प्रणाली में सुधार : उन्नत तकनीक, जल आपूर्ति और शोधन प्रणालियों में निवेश और सख्त नीतियों से आपूर्ति प्रणाली में सुधार लाया जा सकता है।
- जन जागरूकता : लोगों को जल संरक्षण के महत्व और तरीकों के बारे में शिक्षित और जागरूक करने की जरूरत है। स्थानीय समुदायों को जल प्रबंधन में शामिल करने से जल संरक्षण के कार्य में सुधार हो सकता है।

संकटग्रस्त क्षेत्र

- महाराष्ट्र के मराठवाड़ा और विदर्भ क्षेत्र में अनियमित बारिश, और जल प्रबंधन की कमी से सूखा पड़ता है ।
- तमिलनाडु के चेन्नई में भूजल स्तर में गिरावट और जल निकायों का अपर्याप्त संरक्षण।
- राजस्थान का बड़ा हिस्सा शुष्क और अर्ध-शुष्क है, जहां प्राकृतिक जल स्रोतों की कमी, उच्च तापमान, और अपर्याप्त वर्षा से पानी की कमी।
- उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र अपर्याप्त बारिश, जल संचयन की कमी और भूजल के दोहन से जल संकट से परेशान है।
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना व गुजरात भी भूजल में गिरावट से प्रभावित हैं।
- पंजाब-हरियाणा में अत्यधिक कृषि से भूजल स्तर में गिरावट आई है।
- भूजल स्तर में गिरावट और जल प्रदूषण से देश की राजधानी दिल्ली भी पेयजल संकट से परेशान है।

एक नजर

मिनियापोलिस में गोलीबारी बंदूकधारी समेत 3 की मौत

मिनियापोलिस (अमेरिका)। अमेरिका के मिनियापोलिस में एक अपार्टमेंट परिसर में गोलीबारी की घटना में संदिग्ध बंदूकधारी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। दक्षिण मिनियापोलिस में हुई गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारी भी घायल हुए हैं। अभी इस मामले में विस्तार से जानकारी नहीं मिल पाई है। पुलिस की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि गोलीबारी में दो अधिकारियों के अलावा चार आम नागरिक भी घायल हुए हैं।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको की अस्पताल से छुट्टी

ब्रातीस्लावा। स्लोवाकिया के लोकप्रिय प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। कुछ दिन पहले एक कार्यक्रम के दौरान एक हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बैंस्का बिस्ट्रिका शहर के अस्पताल की निदेशक मिरियम लापुनिकोवा ने शुक्रवार को बताया कि प्रधानमंत्री फिको को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उनके घर ले जाया गया है। फिको का अब उनके घर में ही इलाज चलेगा। वह राजधानी ब्रातीस्लावा में रहते हैं। लापुनिकोवा ने बयान में फिको को एक अनुशासित मरीज बताया और उनके जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की।

झूठ बोलने पर केस का सामना करेंगे प्रीतम

सिंगापुर। सिंगापुर में भारतीय मूल के नेता प्रतिपक्ष और वर्कर्स पार्टी के प्रमुख प्रीतम सिंह संसद की विशेषाधिकार समिति के समक्ष झूठ बोलने को लेकर लगाए गए दो आरोपों के सिलसिले में मुकदमे का सामना करने वाले हैं। मीडिया में आई एक खबर यह जानकारी दी गई है। खबर के मुताबिक, प्रीतम सिंह पर पूर्व साथी सांसद रईसा खान के मामले को लेकर झूठ बोलने का आरोप है। चैनल न्यूज एशिया की खबर के अनुसार, शुक्रवार सुबह हुई सुनवाई पूर्व बैठक में, उप प्रधान जिला न्यायाधीश ल्यूक तैन के समक्ष उनके लिए 16 दिन की सुनवाई निर्धारित की गई।

नोएडा के आवासीय सोसायटी के बाजार में लगी आग

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में शुक्रवार को एक बहुमंजिला आवासीय सोसायटी के बाजार की एक दुकान के बाहर आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-119 स्थित आम्रपाली जोडिएक में लगी आग की इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह शॉर्ट सर्किट के बाद बाजार के भूतल में एक किराने की दुकान के बाहर रखे सामान में आग लग गई। इस घटना में कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

रूस से रक्षा को हमारे दिए हथियार का प्रयोग करेगा यूक्रेन : जर्मनी

यूक्रेन को अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत इन हमलों से खुद को बचाने का अधिकार

कीव, एजेंसी

जर्मनी की सरकार ने कहा है कि यूक्रेन रूसी सीमा पर स्थित स्थानों से होने वाले हमलों के खिलाफ उसकी ओर से भेजे गए हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। सरकार ने कहा कि जर्मनी के करीबी देशों और यूक्रेन के साथ चर्चा करते हुए वह युद्ध से जुड़े घटनाक्रमों को लेकर निरंतर सहयोग प्रदान कर रही है।

सरकार के दिए गए बयान के अनुसार हाल ही में रूस ने खारकीव क्षेत्र, विशेष रूप से सीमा के निकट स्थित ठिकानों से हमले किए हैं। हमारा मानना है कि यूक्रेन को अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत इन हमलों से खुद को बचाने का अधिकार है। बयान में कहा कि इसके लिए, वह अपनी अंतर्राष्ट्रीय कानूनी प्रतिबद्धताओं के अनुसार, हमारी ओर से दिए गए हथियारों का भी इस्तेमाल कर सकता है।

यूक्रेन अमरीका के नेतृत्व में अपने समर्थकों पर दबाव डाल रहा है कि वह रूस के खिलाफ उन्हें लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करने की अनुमति दें। वहीं रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भी यूक्रेन की मदद करने और हथियार मुहैया करने वाले देशों को चेतावनी दी थी कि युद्ध में यूक्रेन को हथियार देने वाले देशों को इसका परिणाम गंभीर परिणाम भुगतना हो गया। रूस 24 फरवरी, 2022 से यूक्रेन में एक विशेष सैन्य अभियान चला रहा है।

- रूस ने खारकीव क्षेत्र, सीमा के निकट स्थित ठिकानों से किए हैं हमले

ईयू ने रूस को समर्थन देने के लिए नए प्रतिबंध लगाए

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) ने बैलिस्टिक और परमाणु मिसाइलों के विकास के निरंतर प्रयासों तथा रूस को समर्थन देने के कारण उत्तर कोरिया पर और अधिक प्रतिबंध लगा दिए हैं। ईयू ने कहा कि यात्रा और संपत्ति संबंधी इन पाबंदियों से नौ और लोग तथा संस्थान प्रभावित होंगे। इस संगठन ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल परीक्षणों पर संयुक्त राष्ट्र की पाबंदियों पर 2006 में इस पर पाबंदियां लगाना शुरू किया था।

जर्मनी पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की कमी 2026 से करेगा पूरी

बर्लिन। जर्मनी सतह से हवा में मार करने वाली पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों की कमी को 2026 से पूरा करना शुरू कर देगा। जर्मनी ने यूक्रेन को ये मिसाइल प्रणाली भेजी हैं और आगे भी इनकी आपूर्ति करते रहने का वादा किया है। जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस ने वायु रक्षा सैनिकों के निरीक्षण के दौरान कहा कि अप्रैल के मध्य में, हमने यूक्रेन को तीसरा पैट्रियट सिस्टम भेजने का फैसला किया। यह जानते हुए कि हम अपनी पैट्रियट क्षमता का एक चौथाई हिस्सा दे देंगे, लेकिन यह सही और आवश्यक है। इससे हमारे अपने भंडार में कमी क्यों न आ जाए? उन्होंने कहा कि कुछ सप्ताह पहले मंत्रालय ने जर्मन सैन्य बल 'बुंडेसवेहर' को चार प्रणालियों की आपूर्ति के लिए एक नये अनुबंध पर हस्ताक्षर किये, जिसमें 2028 से चार और प्रणालियों की आपूर्ति के लिए एक रूपरेखा समझौता भी तैयार किया जा रहा है। पिस्टोरियस ने कहा कि इस प्रकार, जब 2026 से डिलीवरी शुरू होगी, हम धीरे-धीरे स्टॉक की भरपाई कर लेंगे।

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ अगले सप्ताह जाएंगे चीन

इस्लामाबाद/बीजिंग। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ मंगलवार को चीन की पांच दिवसीय यात्रा पर जायेंगे। इस दौरान वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से वार्ता करेंगे। वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए संयुक्त रूप से एक खाका तैयार किया जायेगा। ये दोनों देश अरबों डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तहत सहयोग बढ़ाना चाहते हैं।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने शुक्रवार को इस्लामाबाद में कहा कि शरीफ राष्ट्रपति चिनफिंग के निमंत्रण पर चार से आठ जून तक चीन में रहेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य सीपीईसी परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाना है, क्योंकि दोनों पक्ष परियोजना के दूसरे चरण को शुरू करने के लिए तत्पर हैं। सीपीईसी परियोजना एक दशक पहले शुरू की गई थी और कई ऊर्जा और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पहले ही पूरी हो चुकी हैं। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में कहा कि यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री शरीफ राष्ट्रपति चिनफिंग से वार्ता करेंगे और चीन-पाकिस्तान संबंधों के लिए खाका तैयार करेंगे।

पुणे कार दुर्घटना

बिल्डर अग्रवाल और उनके पिता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

मुंबई, एजेंसी

पुणे की एक अदालत ने एक नाबालिग के तेज रफ्तार लक्जरी कार से टक्कर मारकर दो लोगों की जान लेने से संबंधित मामले में शुक्रवार को उसके पिता विशाल अग्रवाल और दादा सुरेंद्रकुमार बी. अग्रवाल को उनके ड्राइवर को कथित तौर पर धमकाने और उसका अपहरण करने तथा अन्य आरोपों में 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

नाबालिग वर्तमान में सुधार गृह में हिरासत में है। उसने तेज रफ्तार लग्जरी कार से मध्य प्रदेश के दो आईटी पेशेवरों - अश्विनी कोष्ठा और अनीश अवधिया को टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी मौत हो गयी। विशाल अग्रवाल (50) को 27 मई को देर रात गिरफ्तार किया गया, जबकि उनके पिता सुरेंद्रकुमार बी. अग्रवाल को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है और दोनों को 31 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। इसके साथ ही नाबालिग आरोपी की मां शिवानी वी. अग्रवाल भी अब अपने बेटे के खून की रिपोर्ट की अदला-बदली की जांच के सिलसिले में पुलिस की रडार पर आ गई हैं, जिसे जाहिर तौर पर गंभीर अपराध के आरोप से उसे बचाने के लिए बदला गया था।

पुलिस ने नाबालिग के खिलाफ जांच के लिए किशोर न्याय बोर्ड से अनुमति मांगी

पुणे। पुणे पुलिस ने रक्त नमूनों को लेकर आए नये मोड़ के बीच इस दुर्घटना में कथित रूप से शामिल नाबालिग के खिलाफ जांच की अनुमति लेने के लिए किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) को पत्र लिखा है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस हादसे में दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई थी। पुलिस का दावा है कि पुणे के कल्याणी नगर में 19 मई को हादसे के वक्त 'पोर्श' कार को 17 वर्षीय लड़का नशे की हालत में चला रहा था। आरोपी को पांच जून तक संप्रेक्षण गृह भेजा गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) शैलेश बलकवडे ने कहा कि हमने जेजेबी को पत्र लिखकर इस मामले में नाबालिग के खिलाफ जांच करने की अनुमति मांगी है। किशोर न्याय अधिनियम के मुताबिक, एक नाबालिग से पूछताछ उसके माता-पिता की उपस्थिति में की जाएगी।

अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर किया हमला

वाशिंगटन, एजेंसी

लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हाल में हूती विद्रोहियों के हमलों में वृद्धि के जवाब में अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में ईरान समर्थित विद्रोही समूह के 13 ठिकानों पर हमला किया। अमेरिका के तीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका एवं ब्रिटेन के लड़ाकू विमानों और अमेरिकी जहाजों ने कई भूमिगत ठिकानों, मिसाइल दागने वाले स्थलों, हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले स्थल, एक हूती जहाज और अन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अधिकारी ने नाम नहीं प्रकाशित करने की शर्त पर इस सैन्य अभियान की जानकारी दी। अमेरिका ने यमन के हूती नियंत्रित क्षेत्रों में आठ मानवरहित हवाई यान पर भी हमला किया, जो अमेरिकी और

- यमन में ईरान समर्थित विद्रोही समूह के 13 ठिकानों को किया गया ध्वस्त

उसकी साथी सेनाओं के लिए खतरा माने जा रहे थे। इस वर्ष 12 जनवरी के बाद से यह पांचवीं बार है जब अमेरिकी और ब्रिटेन की सेनाओं ने हूती विद्रोहियों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया है। बहरहाल, अमेरिका विद्रोहियों के ठिकानों को नष्ट करने के लिए लगभग रोजाना हमले कर रहा है, जिसमें जहाजों को निशाना बनाकर दागी जाने वाली मिसाइलों और ड्रोन हमले को रोकना भी शामिल है।

हूती विद्रोहियों ने हाल के महीनों में लाल सागर और अदन की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हमले तेज किये हैं। विद्रोही इजराइल से गाजा में युद्ध की समाप्ति की मांग कर रहे हैं, जिसमें 36 हजार से ज्यादा फलस्तीनी मारे गये हैं।

दिल्ली के अस्पताल में आग से झुलसी बच्ची की इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के शिशु अस्पताल में आग लगने के बाद बचाई गई 50 दिन की बच्ची की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर सात हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, 50 दिन की बच्ची का इलाज किया जा रहा था। शुक्रवार सुबह उसकी मौत हो गई। जांच शुरू कर दी गई है। बच्ची के परिवार के एक सदस्य ने भी मौत की पुष्टि की है। परिवार के एक सदस्य ने कहा, चिकित्सकों ने शुक्रवार सुबह हमें उसकी मौत के बारे में बताया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जब बच्ची को अस्पताल से निकाला गया तब उसके जलने का कोई घाव नहीं था। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में बेबी केयर न्यू बॉर्न हॉस्पिटल में 26 मई को आग लगने की घटना में छह नवजात शिशुओं की मौत हो गई थी और पांच बच्चे घायल हो गए थे।

सातवीं कक्षा के भारतीय-अमेरिकी छात्र ने स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी का खिताब जीता

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में फ्लोरिडा के सातवीं कक्षा के 12 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र बृहत सोमा ने स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी के टाईब्रेकर में 29 शब्दों का सही उच्चारण कर यह खिताब अपने नाम कर लिया और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में छोटे नस्ली समूह के बच्चों का दबदबा कायम रखा।

बृहत को 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' में विजयी हुए और उन्होंने 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक नकद एवं अन्य पुरस्कार अर्जित किए। इस साल की प्रतियोगिता टाईब्रेकर तक पहुंची, जिसमें बृहत ने 90 सेकंड में 29 शब्दों का सही उच्चारण करके फैजान जकी को

- बृहत सोमा ने 50,000 डॉलर से अधिक नकद एवं अन्य पुरस्कार किए अर्जित

हराया। फैजान 'लाइटनिंग राउंड' में 20 शब्दों का सही उच्चारण कर पाये। बृहत का चैम्पियनशिप शब्द एब्सिल था, जिसे पर्वतारोहण के दौरान ऊपर एक आगे निकले हुए हिस्से पर रस्सी के सहारे उतरना के रूप में परिभाषित किया गया है। टाईब्रेकर में बृहत पहले स्थान पर रहे और 30 शब्द पूरे करने के बाद ऐसा लगा कि उन्हें हराना असंभव होगा। शुरुआत में फैजान की गति अधिक असमान थी। उन्होंने 25 शब्दों का उच्चारण किया, लेकिन उनमें से चार गलत हो गए। आयोजकों ने कहा कि बृहत सोम की शब्दों पर अदभुत पकड़ है। 2024 स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी का चैंपियन। अविश्वसनीय याददाश्त वाला यह लड़का एक भी शब्द नहीं चूका और स्क्रिप्स कप घर ले जा रहा है। बृहत सोमा ने 30 में से 29 शब्दों का सही उच्चारण किया और प्रतिष्ठित चैंपियन का खिताब हासिल करने एवं 2022 में हरिनी लोगन द्वारा बनाए गए स्थायी स्पेल-ऑफ रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास किया।

50 लोगों और 150 बंदरों की लू से मौत

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : प्रचंड गर्मी से संयुक्त राज्य अमेरिका के मैक्सिको में 50 लोगों की मौत हो गई है और 150 बंदर लू से जान गवां बैठे हैं। मैक्सिको में मई माह में तापमान ने सारे रिकार्ड तोड़ डाले हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक मैक्सिको में हीट डोम बनने से तापमान में भारी उछाल आया है।

भीषण गर्मी भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों को झुलसा रही है। उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में गर्मी पड़ना स्वाभाविक है, लेकिन ठंडी जलवायु वाले शीतोष्ण प्रदेशों में भी तापमान पैर पसारने लगा है। इन क्षेत्रों में मई माह में तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस ऊपर जाने लगा है। ग्लोबल वार्मिंग इसकी मुख्य वजह है, जिसकी बढ़ोतरी में वायु प्रदूषण अहम भूमिका निभा रहा है और जलवायु में

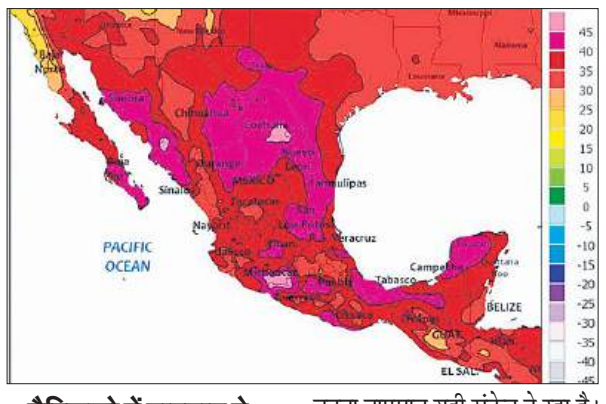

- मैक्सिको में तापमान ने सारे रिकॉर्ड तोड़ डाले

तेजी से परिवर्तन आ रहा है, जिससे पश्चिमी देशों में बवंडर की संख्या बढ़ रही है और भारत जैसे एशियाई देशों में तूफानों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। यह आपदा आने वाले सालों और अधिक विकराल रूप धारण करेगी। वर्तमान में तेजी से बढ़ता तापमान यही संकेत दे रहा है। मैक्सिको एसोसिएटेड प्रेस द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार हीट डोम क्षेत्र बन जाने के कारण गर्म हवा ने मैक्सिको को तपा दिया है। यह हवा एक गुम्बद के रूप में सीमित क्षेत्र में सिमट कर रह गई है। गर्म हवा का यह गुम्बद मई के दूसरे पखवाड़े में मेक्सिको, मध्य अमेरिका और टेक्सास और फ्लोरिडा के क्षेत्रों में खड़ा हो गया। क्रूर गर्मी ने मेक्सिको को विशेष रूप से बुरी तरह प्रभावित किया, जिसमें लगभग 50 लोग हीट स्ट्रोक से मर गए और 150 बंदर मारे गए। एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि उत्तरी मेक्सिको के पशु पार्क में निर्जलीकरण के कारण कम से कम 100 तोते, चमगादड़ और अन्य जानवर मर गए हैं।

समय रहते ग्लोबल वार्मिंग पर अंकुश जरूरी

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ वायुमंडलीय वैज्ञानिक डा नरेंद्र सिंह के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग पर अंकुश लगाए बिना मौसमी आपदाओं से निजात पाना आसान नही है। जिसे लेकर वैज्ञानिक बेहद चिंतित है। इस संदर्भ में दुनियाभर के मौसम विशेसज्ञ व पर्यवारणविद् चेताते आ रहे हैं। मगर इस दिशा में हालात सुधरने की जगह बिगड़ अधिक रहे हैं।

बॉलीवुड हलचल

अविर्भव 8 वां अजूबा: नेहा

मुंबई। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के शो 'सुपरस्टार सिंगर 3' की जज नेहा कक्कड़ ने प्रतिभागी अविर्भव की तारीफ करते हुए उसे 8वां अजूबा बताया है। इस रविवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के होमग्रोन फॉर्मेट 'सुपरस्टार सिंगर 3' में मेलोडी किंग उदित नारायण और उनकी पत्नी दीपा नारायण का 'उदित नारायण की मास्टरक्लास' नामक विशेष एपिसोड में स्वागत किया जाएगा। इस दिग्गज का सम्मान करते हुए, शो की अविश्वसनीय युवा प्रतिभाएं उदित नारायण के उन कालजयी गानों को गाकर उन्हें नमन करेंगी जिन्हें आज भी पसंद किया जाता है। कोच्चि, केरल के प्रतिभाशाली सात वर्षीय अविर्भव एस. ने फिल्म हम दिल दे चुके सनम के गीत चांद छुपा बादल मेंकी भावपूर्ण प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

केडी-द डेविल्स की शूटिंग शिल्पा ने की पूरी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने अपनी आने वाली फिल्म केडी - द डेविल्स की शूटिंग पूरी कर ली है। शिल्पा शेट्टी, केडी - द डेविल में सत्यवती के रूप में सभी का दिल जीतने के लिए तैयार है। शिल्पा शेट्टी ने मैसूर में ध्रुव सरजा और संजय दत्त स्टारर इस फिल्म का आखिरी शेड्यूल पूरा कर लिया है। 1970 के दशक की बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी - द डेविल में शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, संजय दत्त और वी रविचंद्रन भी हैं। केवीएन प्रोडक्शंस प्रस्तुत केडी-द डेविल, जिसका निर्देशन प्रेम ने किया है। पैन-इंडिया बहुभाषी तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिलजीत-नीरू का गाना जे मैं रब्ब हुंदा रिलीज

मुंबई। पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानीमानी जोड़ी नीरू बाजवा और दिलजीत दोसांझ की फिल्म जट्ट एंड जूलियट 3 का गाना 'जे मैं रब्ब हुंदा' रिलीज हो गया है। बिलाल सईद द्वारा गाए जे मैं रब्ब हुंदा के बोल जानी ने लिखे हैं।जगदीप सिद्धू द्वारा निर्देशित, बनी द्वारा रचित और तुषार कालिया द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गाना प्यार और भक्ति की भव्यता के साथ खूबसूरती से पेश किया है, जो दर्शकों को 90 के दशक में वापस ले जाता है।